आज का विचार

प्रसन्नता का सबसे सरल उपाय है... न किसी से अपेक्षा कीजिए न किसी की उपेक्षा कीजिए।

दैनिक
सिटी दर्पण
आईना सच का

3

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । सोमवार, 11 मई, 2026 | वर्ष 24, अंक 112, मूल्य: 3 रुपए, | पृष्ठ 8 | RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 | www.citydarpan.com

योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल विस्तार : उत्तर प्रदेश सरकार की हैट्रिक बनाने पर नजर

उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार में जातीय और सामाजिक समीकरणों में फिट हैं नये मंत्री

एजेंसी (हि.स.)
लखनऊ

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार में शामिल किये गये नये चेहरे न केवल प्रदेश की राजनीतिक समीकरणों की नापतौल में बल्कि भाजपा की सोशल इंजीनियरिंग के सिद्धांतों में भी फिट बैठते हैं। मकसद सीधा है कि अगले विधानसभा चुनाव और फिर लोकसभा चुनाव तक में पूरब से लेकर पश्चिम तक भगवा लहर बनी रहे। साथ ही विपक्षी दलों के हर दांव को ध्वस्त करते हुए प्रदेश में भाजपा सरकार की हैट्रिक बनाने की भी कवायद है।

योगी आदित्यनाथ सरकार 2.0 में दूसरे विस्तार से पहले तक मुख्यमंत्री, दो उपमुख्यमंत्री समेत 21 कैबिनेट मंत्री, 14 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), 18 राज्य मंत्री समेत कुल 54 मंत्री थे। अधिकतम 60 मंत्री बनाये जा सकते हैं। रविवार को जनभवन में हुए मंत्रिमंडल विस्तार में आठ को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इनमें दो मंत्री पहले से ही राज्यमंत्री के रूप में शामिल हैं और उन्हें प्रमोशन देकर स्वतंत्र प्रभार मंत्री बनाया गया। इसी प्रकार देखा जाय तो आठ में छह नये चेहरे हैं। उनमें दो कैबिनेट मंत्री और चार राज्यमंत्री शामिल किये हैं। इस प्रकार मंत्रिमंडल में अब अधिकतम 60 मंत्री हो गये हैं।

जातीय व क्षेत्रीय संतुलन साधने की कोशिश

रविवार को योगी सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार की वजह उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव माने जा रहे हैं। इन चुनावों में अब आठ महीने शेष हैं। यही कारण है कि लंबे समय से टलते आ रहे मंत्रिमंडल विस्तार को आज मूर्तरूप देकर जातीय व क्षेत्रीय संतुलन साधने की कोशिश की गयी है। इसमें जहां छह नये मंत्री बनाए गये हैं तो वहीं दो मंत्रियों को राज्यमंत्री से प्रमोशन देकर राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार बनाया गया है। इसमें महत्वपूर्ण बात यह भी है कि राज्यसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी से बगावत करने वाले रायबरेली जिले की ऊंचाहार सीट से विधायक मनोज पांडेय को भी कैबिनेट मंत्री के रूप में पुरस्कृत किया गया है।

नये मंत्री और सामाजिक समीकरण

रविवार को कैबिनेट मंत्री बने पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी जाट समाज से आते हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जातीय समीकरणों के हिसाब से भूपेंद्र चोधरी को शामिल किया गया है। वह भाजपा उप्र के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। योगी सरकार के प्रथम कार्यकाल में मंत्री रहे हैं।

दूसरे कैबिनेट मंत्री रायबरेली के ऊंचाहार से विधायक समाजवादी पार्टी से बगावत करने वाले मनोज कुमार पाण्डेय हैं। ब्राहमण समाज के बडे नेता माने जाते हैं और विषम परिस्थितियों में भी अपना राजनीतिक वर्चस्व बनाये रखने में सफल रहते हैं। इसी प्रकार अति पिछड़ी जाति से आने वाले वाराणसी के विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा, फतहेपुर की खागा सीट से विधायक अनुसूचित जाति की कृष्णा पासवान, जाटव समाज से आने वाले अलीगढ़ के खैर से विधायक सुरेन्द्र दिलेर और लोधी समाज से आने वाले कन्नौज के तिर्वा से विधायक कैलाश राजपूत ने पहली बार राज्यमंत्री पद की शपथ ली है। इनमें कन्नौज, फतेहपुर और फरुर्खाबाद क्षेत्र समाजवादी पार्टी का गढ़ माना जाता है। ऐसे में भाजपा को पीडीए की काट के लिए दो मजबूत चेहरे मंत्रिमंडल में शामिल करने थे। इनमें कृष्णा पासवान और कैलाश राजपूत सामाजिक समीकरणों में फिट हैं। जबकि जाटव समाज के सुरेन्द्र दिलेर का परिवार अलीगढ़ जिले और आसपास दशकों से राजनीति कर रहा है और जाटव समाज में प्रतिष्ठित परिवार माना जाता है। इनके बाबा व पिता भी सांसद–विधायक रह चुके हैं। इसी प्रकार मेरठ दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के विधायक डॉ. सोमेंद्र तोमर वर्तमान में राज्य मंत्री ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्त्रोत हैं। अब इनको राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार बनाया गया है। कानपुर देहात के सिकंदरा से भाजपा के विधायक अजीत पाल भी राज्य मंत्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग को प्रोन्नत कर राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार बनाया गया है।

इन दोनों मंत्रियों का अपने अपने क्षेत्र और समाज में मजबूत पकड़ मानी जाती है।

मोदी ने पेट्रोल-डीजल बचाने की अपील की

पश्चिम एशिया संकट के बीच प्रधानमंत्री ने विदेश यात्रा और सोना खरीदने से बचने की भी दी सलाह

एजेंसी (हि.स.)
हैदराबाद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हैदराबाद में पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और वैश्विक संकट के बीच देशवासियों से पेट्रोल-डीजल बचाने, विदेशी यात्राएं टालने, सोने की खरीद कम करने और स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग को बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने कहा कि वैश्विक हालात को देखते हुए विदेशी मुद्रा बचाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और हर नागरिक को इसमें योगदान देना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारत अपनी जरूरत का पेट्रोल, डीजल और गैस बड़े पैमाने पर विदेशों से आयात करता है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और सप्लाई चेन संकट के कारण पूरी दुनिया में ईंधन और उर्वरकों की कीमतें कई गुना बढ़ चुकी हैं। केंद्र सरकार देशवासियों पर बोझ कम करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन अब नागरिकों को भी अपने कर्तव्यों को प्राथमिकता देनी होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देशभक्ति केवल देश के लिए मरने में नहीं, बल्कि देश के लिए जीने और अपने कर्तव्यों को निभाने में भी होती है। उन्होंने लोगों से पेट्रोल-डीजल का उपयोग कम करने का आग्रह करते हुए कहा कि जहां मेट्रो सुविधा उपलब्ध है, वहां निजी वाहनों के बजाय मेट्रो का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कार पूलिंग को भी बढ़ावा देने की अपील की और कहा कि माल ढुलाई के लिए रेलवे का अधिक उपयोग होना चाहिए, क्योंकि इलेक्ट्रिक रेलवे से ईंधन की बचत होती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना काल में लोगों ने वर्क फ्रॉम होम, ऑनलाइन मीटिंग और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जैसी व्यवस्थाओं को अपनाया था। आज समय की मांग है कि उन व्यवस्थाओं को फिर से प्राथमिकता दी जाए ताकि ईंधन की खपत कम हो और विदेशी मुद्रा की बचत हो सके। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे प्रयास भी देश की बहुत बड़ी मदद कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज मध्यवर्ग में विदेश घूमने और विदेशों में छुट्टियां मनाने का चलन तेजी से बढ़ा है, लेकिन मौजूदा संकट के समय लोगों को कम से कम एक वर्ष तक विदेश यात्राएं टालनी चाहिए। भारत में ही अनेक सुंदर पर्यटन स्थल और सुविधाएं मौजूद हैं और लोगों को देश के भीतर पर्यटन को प्राथमिकता देनी चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सोने की खरीद में भी बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च होती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अगले एक वर्ष तक घरों में किसी भी समारोह या कार्यक्रम के लिए सोने के गहनों की खरीद से बचना चाहिए। पहले युद्ध और संकट के समय लोग देशहित में सोना दान कर देते थे और आज जरूरत दान की नहीं, बल्कि संयम की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि खाने के तेल के आयात पर भी बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च होती है। उन्होंने लोगों से खाने के तेल की खपत कम करने का आग्रह करते हुए कहा कि यदि हर परिवार 10 प्रतिशत तेल का उपयोग कम कर दे तो इससे देश की विदेशी मुद्रा भी बचेगी और लोगों का स्वास्थ्य भी बेहतर होगा। यह देश सेवा और देह सेवा दोनों का कार्य होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत बड़ी मात्रा में रासायनिक उर्वरकों का भी आयात करता है और इसके कारण विदेशी मुद्रा पर भारी दबाव पड़ता है। उन्होंने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की जरूरत बताते हुए कहा कि रासायनिक उर्वरकों का उपयोग कम करना होगा। इससे खेतों की उर्वरता भी बचेगी और विदेशी मुद्रा की भी बचत होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार खेतों में डीजल पंप की जगह सोलर पंप लगाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि देश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए सौर ऊर्जा और वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों को तेजी से बढ़ावा दिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि लोगों को स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग को प्राथमिकता देनी चाहिए। घरों में इस्तेमाल होने वाली अनेक छोटी-बड़ी वस्तुएं विदेशों से आ रही हैं और लोगों को इसकी सूची बनाकर धीरे-धीरे स्वदेशी उत्पादों को अपनाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पहले से खरीदी गई विदेशी वस्तुओं को फेंकने की जरूरत नहीं है, लेकिन आगे नई विदेशी वस्तुओं की खरीद से बचना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनने से रोकने वाली ताकतों से सावधान रहने की जरूरत है। देश में कुछ ऐसे प्रयास हुए जिनके कारण कॉपर जैसे क्षेत्रों में भारत को आयात पर निर्भर होना पड़ा। उन्होंने श्रमिक संगठनों और विभिन्न समूहों से भी देशहित को सर्वोपरि रखने की अपील की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कोविड संकट, यूक्रेन युद्ध और अब पश्चिम एशिया के संघर्ष ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। भारत ने इन चुनौतियों के बीच भी किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराई।

जोसेफ विजय ने तमिलनाडु के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली

एजेंसी (हि.स.)
चेन्नई

तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) अध्यक्ष सी. जोसेफ विजय ने आज तमिलनाडु की बागडोर संभाल ली। चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में आज सुबह करीब 10 बजे भव्य समारोह में तमिलनाडु के प्रभारी राज्यपाल राजेन्द्र अर्लेकर ने टीवीके प्रमुख विजय को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। विजय ने राज्य के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

विजय के शपथ ग्रहण करते ही पूरा स्टेडियम तालियों की गड़गड़ाहट और नारों से गूंज उठा। विजय के शपथ लेने के बाद एन. आनंद, आदव अजुर्ना, अरुणराज, सेंगोट्टैयन, वेंकटरमणन, निर्मलकुमार, राजमोहन, डी.के. प्रभु और कीर्तना ने मंत्रियों के रूप में शपथ ग्रहण की।

इस समारोह में विजय के परिवार के सदस्य, फिल्म जगत की हस्तियां और गठबंधन दलों के नेता शामिल हुए। शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी उपस्थित रहे। तमिलनाडु की राजनीति में वर्ष 2026 को एक नए युग की शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है। शपथ ग्रहण समारोह में तमिल थाई वंदना गीत की बजाय पहले वंदे मातरम और फिर राष्ट्रगान बजाया गया। इसके बाद तमिल थाई वंदना प्रस्तुत की गई। गौरतलब है कि तमिलनाडु सरकार के कार्यक्रम सामान्यतः तमिल थाई वंदना से शुरू होकर राष्ट्रगान के साथ समाप्त होते हैं, लेकिन इस समारोह में क्रम बदला हुआ दिखाई दिया। इसी के साथ राज्य की दो प्रमुख पार्टियों डीएमके और एआईएडीएमके के लगभग छह दशक से चले आ रहे बारी-बारी के शासन का अंत हो गया है। विजय गठबंधन सरकार का नेतृत्व करेंगे। इसमें कांग्रेस एक सहयोगी के रूप में शामिल है।

विजय की पहली घोषणा- तमिलनाडु में हर घर को 200 यूनिट बिजली मुफ्त

चेननई। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख सी जोसेफ विजय ने आज शपथ ग्रहण करने के बाद तमिलनाडु सचिवालय में राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने शपथ ग्रहण के बाद सबसे पहले महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष बल के गठन और घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने से जुड़ी पहली फाइलों पर हस्ताक्षर किए। जोसेफ विजय ने सबसे पहले राज्य के सभी घरों को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की घोषणा वाली फाइल पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष बल (सिंगप्पेन स्पेशल टास्क फोर्स) के गठन की फाइल पर हस्ताक्षर किए। विजय ने नशा विरोधी अभियान और मादक पदार्थों की रोकथाम से संबंधित फाइलों पर भी हस्ताक्षर किए विजय को इससे पहले चेन्नई स्थित जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में सुबह लगभग 10 बजे तमिलनाडु के प्रभारी राज्यपाल ने मुख्यमंत्री पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर समर्थकों और कार्यकताओं के नारों से स्टेडियम गूंज उठा। उनके पिता और निर्देशक एस. ए. चंद्रशेखर और उनकी मां शोभा भावुक हो गए।समारोह में उनके परिवार के सदस्य, फिल्म जगत की हस्तियां और गठबंधन दलों के नेता भी शामिल हुए।

जल संरक्षण जनआंदोलन बने, तभी आत्मनिर्भर होगा विदर्भ : नितिन गडकरी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि विदर्भ को किसान आत्महत्या क्षेत्र की पहचान से बाहर निकालने और गांवों में जल समृद्धि लाने के लिए जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि देश में पानी की कमी नहीं है, बल्कि जल संसाधनों की उचित योजना और प्रबंधन का अभाव है।

गडकरी रविवार को नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि जल संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रही पूर्ति सिंचन समृद्धि कल्याणकारी संस्था के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर 17 और 18 मई को नागपुर में जलसंवाद और जलक्रांति सम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर विधायक चरणसिंह ठाकुर और उमेश यादवकर भी उपस्थित रहे। गडकरी ने कहा कि जैविक खेती, ड्रिप सिंचाई और कृषि क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से जल प्रबंधन को प्रभावी बनाया जा सकता है। खेत तालाबों से निकली मिट्टी का राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में उपयोग किए जाने से पश्चिमी विदर्भ के अकोला, वाशिम और बुलढाणा जिलों में भूजल स्तर बढ़ाने में मदद मिली है। साथ ही किसानों ने अपनी फसल पद्धति में भी बदलाव किया है।

उन्होंने कहा कि जल संरक्षण में गैर-सरकारी संगठनों की भूमिका महत्वपूर्ण है, लेकिन जनभागीदारी उससे भी अधिक आवश्यक है। वरुड-मोर्शी और काटोल-नरखेड़ जैसे भूजल संकट वाले डार्क जोन क्षेत्रों में जनसहभागिता से नदी और नालों के गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है। इन प्रयासों के माध्यम से जल संरक्षण परियोजनाएं लागू की जा रही हैं। उन्होंने स्थानीय स्वशासी संस्थाओं से भी इन अभियानों में सक्रिय सहयोग देने की अपील की।

मध्य प्रदेश में विकास का महायज्ञ चल रहा है : शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी (हि.स.)
भोपाल

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। उनके नेतृत्व में प्रदेश में विकास का महायज्ञ चल रहा है। प्रदेश में 973 सड़कों को मंजूरी दी गई है। प्रदेश का कोई गांव पक्की सड़कों से वंचित नहीं रहेगा। पीएम जनमन योजना के अंतर्गत 261 करोड़ लागत की नई सड़कों की सौगात मिली है। केन्द्रीय मंत्री चौहान रविवार को सीहोर जिले के भैरुंदा में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेज-4 एवं प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाभियान (पीएम जन-मन) के कार्यों के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। केन्द्रीय मंत्री चौहान, मुख्यमंत्री डॉ. यादव, केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्यमंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री कमलेश पासवान सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर राज्य स्तरीय समारोह का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम में पीएमजीएसवाय की 25 वर्षों की यात्रा पर केंद्रित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि प्रदेश का कोई गरीब बिना छत के नहीं रहेगा। इसके लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 2055 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता का स्वीकृति पत्र मुख्यमंत्री डॉ. यादव को सौंपा है।

मध्य प्रदेश प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़कों के निर्माण में नंबर 1 है। इसके लिए राज्य सरकार और अधिकारी बधाई के पात्र हैं। आज देश के विभिन्न राज्यों को सड़क निर्माण कार्य पूर्ण करने के लिए 18 हजार 907 करोड़ रुपये की राशि का आवंटन किया। इसमें से 830 करोड़ रुपये मध्यप्रदेश को मिले हैं।

भगवंत मान सरकार की 'शिक्षा क्रांति' लाई रंग, पंजाब ने केरल को पछाड़कर अग्रणी स्थान हासिल किया

यज्ञांश शर्मा
चंडीगढ़

- केंद्र सरकार की रिपोर्ट के अनुसार प्राइमरी और मिडिल स्कूल शिक्षा में महाराष्ट्र और दिल्ली भी पंजाब से पीछे: भगवंत सिंह मान
- पंजाब के 80.1 प्रतिशत स्कूल स्मार्ट क्लासरूम से लैस, 88.9 प्रतिशत स्कूलों में इंटरनेट सुविधाएं उपलब्ध, 99.9 प्रतिशत स्कूलों में बिजली आपूर्ति और 99 प्रतिशत स्कूलों में कंप्यूटर उपलब्ध
- प्राइमरी और मिडिल स्कूल शिक्षा को अपग्रेड करने, स्मार्ट क्लासरूम बनाने और शिक्षकों को प्रशिक्षण देने के सार्थक परिणाम सामने आने शुरू हो गए हैं: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान
- पंजाब अब शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बन गया है और जल्द ही हर क्षेत्र में अग्रणी बनकर उभरेगा: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

पंजाब प्राइमरी और मिडिल स्कूल शिक्षा में केरल, महाराष्ट्र और दिल्ली को पछाड़कर देश के सर्वोत्तम प्रदर्शन वाले राज्य के रूप में उभरा है। नीति (नेशनल इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया) आयोग की नई रिपोर्ट में भगवंत मान सरकार के शिक्षा सुधारों को राष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष स्थान दिया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार पंजाब को बुनियादी शिक्षा, डिजिटल बुनियादी ढांचे और स्कूली सुविधाओं में पहला स्थान दिया गया है। राज्य ने भाषा और गणित में केरल से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। साथ ही सरकारी स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम, इंटरनेट पहुंच और कंप्यूटरों की उपलब्धता में भी बड़े पैमाने पर विस्तार किया गया है।

एक वीडियो संदेश के माध्यम से बधाई देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा, 'जो बोओगे वही काटोगे' के कथन के अनुसार, राज्य ने शिक्षा में ईमानदारी से निवेश किया है। राज्य सरकार ने प्राइमरी और मिडिल स्कूल शिक्षा को अपग्रेड किया, सिस्टम को मजबूत किया, स्मार्ट क्लासरूम की शुरूआत की और शिक्षकों को उन्नत प्रशिक्षण प्रदान किया। आज उन प्रयासों को फल मिल गया है। राज्य सरकार ने बेहतर निवेश किया, जिसके अब शानदार परिणाम मिल रहे हैं।

नीति आयोग की रैंकिंग में पंजाब की उपलब्धि को उजागर करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री ने कहा, नीति आयोग, भारत सरकार के प्रमुख संस्थानों में से एक है, जिसने नए आंकड़े जारी किए हैं। इन आंकड़ों के अनुसार पंजाब ने केरल, महाराष्ट्र और दिल्ली को पछाड़कर प्राइमरी और मिडिल स्कूल शिक्षा में पहला स्थान हासिल कर लिया है। तीसरी कक्षा की भाषा में पंजाब ने 82 प्रतिशत अंक प्राप्त किए जबकि केरल ने 75 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इसी तरह, तीसरी कक्षा के गणित में, पंजाब ने 78 प्रतिशत अंक प्राप्त किए जबकि केरल ने 70 प्रतिशत अंक प्राप्त किए और नौवीं कक्षा के गणित में पंजाब ने 52 प्रतिशत अंक प्राप्त किए जबकि केरल ने 45 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

पंजाब की डिजिटल शिक्षा प्रगति के बारे में विवरण साझा करते हुए उन्होंने आगे कहा, डिजिटल शिक्षा में भी पंजाब हरियाणा से आगे है। स्मार्ट क्लासरूम में, पंजाब ने 80.1 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं जबकि हरियाणा 50.3 प्रतिशत पर रहा। स्कूलों में इंटरनेट सुविधाओं के मामले में, पंजाब 88.9 प्रतिशत पर है जबकि हरियाणा 78.9 प्रतिशत पर है। स्कूलों में बिजली की उपलब्धता के संबंध में पंजाब ने 99.9 प्रतिशत अंक हासिल किए जबकि स्कूलों में कंप्यूटर की उपलब्धता के संबंध में 99 प्रतिशत अंक हासिल किए। पहले केरल शीर्ष स्थान पर था लेकिन अब पंजाब ने बड़े अंतर से केरल को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया है। शिक्षा क्षेत्र के भागीदारों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, मैं सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों और माता-पिता को दिल से बधाई देता हूं। ये आंकड़े देखकर मुझे अत्यधिक खुशी हो रही है कि पंजाब शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बनकर उभरा है। तीसरी, पांचवीं और नौवीं कक्षा के सर्वेक्षण के परिणामों ने पंजाब को पहले स्थान पर पहुंचाया है क्योंकि यह चार साल की निरंतर मेहनत का परिणाम है। पिछले चार वर्षों से राज्य सरकार ने शिक्षक प्रशिक्षण, आधुनिक शिक्षा पद्धतियों और स्मार्ट क्लासरूम पर ध्यान केंद्रित किया है, जिसके कारण आज पंजाब शीर्ष पर है।

भगवंत सिंह मान ने कहा, मैंने यह संदेश विशेष रूप से सभी भागीदारों को बधाई देने के लिए भेजा है। मैं सभी माता-पिता, शिक्षकों, शिक्षा मंत्री, पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड के प्रत्येक सदस्य और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों को तहे दिल से बधाई देता हूं।

कर्मचारी कल्याण हमारी प्राथमिकता, ओपीएस की बहाली पर केंद्र के दबाव के आगे नहीं झुकेंगे: सुक्खू

टीजीटी शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि उनकी सरकार प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। रविवार को शिमला में हिमाचल प्रदेश साइंस मास्टर्स एसोसिएशन के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार वित्तीय चुनौतियों के बावजूद कर्मचारियों को उनके लाभ देने से पीछे नहीं हटेगी।

उन्होंने जोर देकर कहा कि केंद्र सरकार द्वारा यूनिफाइड पेंशन स्कीम लागू करने के लिए निरंतर बनाए जा रहे दबाव के बावजूद, हिमाचल में पुरानी पेंशन योजना हर हाल में जारी रहेगी। हमीरपुर जिला अध्यक्ष विकास कौशल के नेतृत्व में आए इस प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं और मांगों से अवगत करवाया। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि शिक्षकों की पदोन्नति और अन्य सेवा संबंधी मामलों पर सरकार सहानुभूतिपूर्वक विचार कर रही है और जल्द ही उचित निर्णय लिए जाएंगे। टीजीटी शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह बैठक के दौरान साइंस मास्टर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी मुख्य मांग रखते हुए टीजीटी शिक्षकों को हेडमास्टर और प्रवक्ता के पदों पर पदोन्नत करने की प्रक्रिया को जल्द पूरा करने का आग्रह किया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि पदोन्नति में हो रही देरी से शिक्षकों के मनोबल पर असर पड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने विकास कौशल और अन्य सदस्यों को भरोसा दिलाया कि शिक्षा विभाग में रिक्त पदों को भरने और पदोन्नति सूचियों को समयबद्ध तरीके से जारी करना सरकार की कार्ययोजना में शामिल है। सुक्खू ने

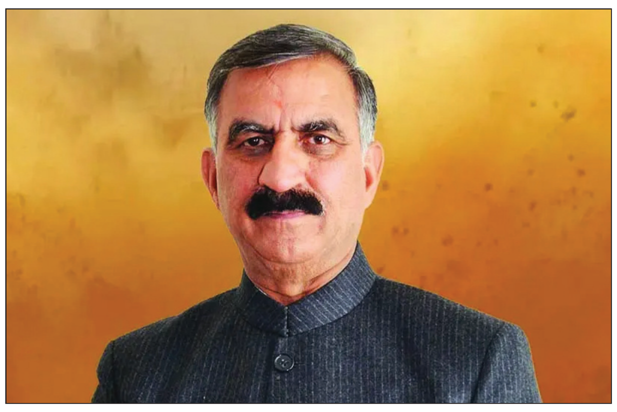

कहा कि शिक्षक राष्ट्र निमार्ता हैं और उनके हितों की अनदेखी नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पदोन्नति से जुड़े कानूनी और प्रशासनिक पहलुओं को सुलझाकर शिक्षकों को उनका हक दिया जाए। इसके अलावा, बैठक में शिक्षा के स्तर को सुधारने और स्कूलों में बुनियादी ढांचे के विकास पर भी चर्चा हुई। केंद्र ने रोकी 1600 करोड़ की मदद, आरडीजी में भी भारी कटौती मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार पर राज्य के साथ वित्तीय भेदभाव करने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ओपीएस बहाल करने के निर्णय के कारण केंद्र ने राज्य को मिलने वाली 1,600 करोड़ रुपये की अतिरिक्त वित्तीय सहायता बंद कर दी है। सुक्खू ने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि वर्ष 1952 से राज्य को मिलने वाला राजस्व घाटा अनुदान भी वर्तमान में बंद कर दिया गया है, जिससे हिमाचल को सालाना 8,000 से 10,000 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है। पूर्व भाजपा सरकार को राजस्व घाटा अनुदान के रूप में 54,000 करोड़ रुपये और जीएसटी मुआवजे के रूप में 16,000 करोड़ रुपये मिले थे। इसके विपरीत, वर्तमान कांग्रेस सरकार को आरडीजी के रूप में केवल 17,000 करोड़ रुपये ही प्राप्त हुए हैं, जो कि चार गुना कम है।

उन्होंने कहा कि केंद्र द्वारा राज्य के अधिकारों का हनन किया जा रहा है, लेकिन इन तमाम बाधाओं के बावजूद राज्य सरकार विकास कार्यों को रुकने नहीं देगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रदेश की आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए कड़े फैसले लिए जा रहे हैं ताकि भविष्य में हिमाचल अपने पैरों पर खड़ा हो सके।

कश्मीर में गोल्फ पर्यटन को दिया जाएगा बढ़ावा: मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला

- कहा, युवाओं और स्थानीय गोल्फरों को प्रोत्साहित करने की योजना

एजेंसी (हि.स.)
श्रीनगर

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि सरकार कश्मीर को एक प्रमुख गोल्फिंग डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय स्तर के आयोजन करेगी। घाटी के गोल्फ कोर्स देश के सर्वश्रेष्ठ गोल्फ कोर्सों में शुमार हैं। मुख्यमंत्री ने रॉयल स्प्रिंग्स गोल्फ कोर्स में इंडिया गोल्फ कार्निवल 2026 का उद्घाटन करने के बाद मीडिया से चर्चा में यह बात कही।

मुख्यमंत्री उमर ने कहा कि कश्मीर का गोल्फ से एक लंबा और ऐतिहासिक संबंध है और यहां विश्व स्तरीय गोल्फिंग बुनियादी ढांचा मौजूद है। उन्होंने कहा, गोल्फ के साथ कश्मीर का बहुत पुराना रिश्ता है। अगर आप देश के सबसे खूबसूरत गोल्फ कोर्सों को देखें तो श्रीनगर, गुलमर्ग और पहलगाम के कश्मीरी कोर्स आसानी से उनमें गिने जा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार स्थानीय गोल्फ खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है और साथ ही जम्मू-कश्मीर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए इस खेल का उपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट कश्मीर में गोल्फ को बढ़ावा देने की दिशा में एक और कदम है। हम अपने स्थानीय गोल्फ खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना चाहते हैं और साथ ही युवा खिलाड़ियों की एक नई पीढ़ी को इस खेल को अपनाने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं।

सीएम उमर ने गांदरबल में 40 करोड़ के विकास पैकेज का किया अनावरण, सिंध रिवरफ्रंट परियोजना का शुभारंभ

गांदरबल। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को गांदरबल का दौरा किया और महत्वाकांक्षी सिंध रिवरफ्रंट परियोजना के चरण- ककी आधारशिला रखने सहित लगभग 40 करोड़ का एक बड़ा विकास पैकेज पेश किया। यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने जिले में पर्यटन, शहरी बुनियादी ढांचे और स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से कई विकासात्मक और लोक कल्याणकारी पहलों का उद्घाटन और निरीक्षण किया। यात्रा का मुख्य आकर्षण सिंध रिवरफ्रंट परियोजना के चरण- कका शुभारंभ था, जिसमें सिंध नदी के किनारे आधुनिक सार्वजनिक स्थान बनाते हुए क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यटन क्षमता को बढ़ाने की परिकल्पना की गई थी। स्वास्थ्य सेवाओं को महत्वपूर्ण बढ़ावा देते हुए उमर अब्दुल्ला ने जिला अस्पताल गांदरबल में उन्नत डेक्सा स्कैन और फाइब्रो स्कैन सुविधाओं का भी उद्घाटन किया। इन आधुनिक नैदानिक सुविधाओं के जुड़ने से रोगी देखभाल में सुधार होगा और जिले के बाहर के अस्पतालों में रेफरल में कमी आने की उम्मीद है।

नेशनल हाइवे पर कार से चिट्टा बरामद, तीन युवक गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के बीच जिला शिमला पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। पुलिस थाना कुमारसैन की डिटेक्शन टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग (नेशनल हाइवे)-05 पर कार्रवाई करते हुए एक कार से 9 ग्राम से ज्यादा चिट्टा बरामद किया है। इस मामले में पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई शनिवार को बारूबाग क्षेत्र में की गई। उस समय डिटेक्शन टीम गश्त और निगरानी ड्यूटी पर तैनात थी। इसी दौरान पुलिस ने संदेह के आधार पर एक वाहन को जांच के लिए रोका। तलाशी के दौरान वाहन में सवार लोगों के कब्जे से 9 ग्राम से अधिक चिट्टा बरामद हुआ। तलाशी की पूरी प्रक्रिया स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 33 वर्षीय प्रवीण कुमार निवासी धलियार,

जिला बिलासपुर, 31 वर्षीय रोहित चौहान निवासी बठारा, तहसील रामपुर और 25 वर्षीय तुषार वर्मा निवासी नवारू, तहसील रामपुर के रूप में हुई है। तीनों आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने इस संबंध में थाना कुमारसैन में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 और 29 के तहत मामला दर्ज किया है। जिस वाहन में आरोपी सवार थे, उसे भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों को अदालत में पेश किया जाएगा और मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। यह पता लगाने की कोशिश भी की जा रही है कि बरामद चिट्टा कहां से लाया गया था और इसे किस इलाके में सप्लाई किया जाना था।

शिमला पुलिस का नशे पर बड़ा प्रहार, 2026 में 25 तस्करी बैकवर्ड लिंकिज से 33 गिरफ्तार

शिमला। हिमाचल प्रदेश में नशे के खिलाफ चल रही कार्रवाई के बीच शिमला पुलिस ने इस साल बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस के अनुसार वर्ष 2026 में अब तक 25 नशा तस्करी नेटवर्कों को ध्वस्त किया गया है, जबकि बैकवर्ड लिंकिज यानी सप्लाई चेन की गहराई तक जाकर जांच करने पर 33 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई केवल छोटे स्तर के पेडलरों तक सीमित नहीं रही, बल्कि मुख्य सप्लायरों और अंतरराज्यीय नेटवर्क संचालकों तक पहुंच बनाई गई है। पुलिस के मुताबिक वर्ष 2024 में बैकवर्ड लिंकिज के आधार पर केवल 4 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई थी, जबकि 2025 में यह संख्या 7 थी। वहीं इस साल यह आंकड़ा बढ़कर 33 पहुंच गया है। इसी तरह वर्ष 2024 में केवल एक और 2025 में चार नेटवर्कों पर कार्रवाई हुई थी, जबकि 2026 में अब तक 25 नेटवर्क तोड़े जा चुके हैं। पुलिस का कहना है कि पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश और केरल समेत कई राज्यों में सक्रिय सप्लाई चेन को निशाना बनाया गया है। सी अभियान के तहत रोहड़ू थाना में 26 मार्च 2026 को एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था।

ईंट लगने से घायल 9वीं के छात्र की मौत, 11 दिन तक जिंदगी की जंग लड़ता रहा 14 वर्षीय किशोर

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

राजधानी शिमला के सबसे बड़े उपनगर संजौली में निमार्णाधीन भवन से गिरी ईंट लगने से गंभीर रूप से घायल हुए 14 वर्षीय छात्र तनिष कौशल ने आखिरकार जिंदगी की जंग हार दी। छात्र ने रविवार सुबह आईजीएमसी शिमला में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। मासूम की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। 9वीं कक्षा में पढ़ने वाला यह छात्र पिछले 11 दिनों से अस्पताल के आईसीयू में भर्ती था और उसकी हालत लगातार नाजुक बनी हुई थी।

यह हादसा 29 अप्रैल को हुआ था। उस दिन दोपहर के समय छात्र स्कूल से घर लौट रहा था। इसी दौरान संजौली इलाके में रास्ते से गुजरते समय एक भवन से अचानक ईंट नीचे गिर गई, जो सीधे उसके सिर पर लगी। ईंट लगते ही बच्चा गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। आसपास मौजूद लोगों ने

तुरंत उसे आईजीएमसी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे आईसीयू में भर्ती कर लिया था। परिजनों के अनुसार बच्चे की हालत बेहद गंभीर थी और उसे कई दिनों तक लगातार उपचार दिया गया। पिता पवन कुमार ने बताया था कि बेटे को बचाने के लिए अब तक 11 यूनिट खून चढ़ाया जा चुका था। परिवार लगातार उसके ठीक होने की उम्मीद लगाए बैठा था, लेकिन आज सुबह बच्चे ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद छात्र की मां ने जिला प्रशासन और पुलिस से न्याय की गुहार लगाई थी। परिजनों का आरोप था कि जिस भवन से ईंट गिरी, वहां राहगीरों की सुरक्षा के लिए कोई इंतजाम नहीं किए गए थे। उनका कहना था कि निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई, जिसकी वजह से उनका बच्चा इस हादसे का शिकार हुआ। छात्र अपने परिजनों संग संजौली के समिट्री में रहता था। उसके पिता आईजीएमसी में कार्यरत हैं। पुलिस ने बच्चे की मां की शिकायत पर पहले ही संजौली थाना में बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। पुलिस टीम ने घटनास्थल का दौरा भी किया था। अब बच्चे की मौत के बाद मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त-समाचार

बगावत करने वालों पर भाजपा का सख्त एक्शन, चार नेता निलंबित

शिमला। हिमाचल प्रदेश में पंचायतीराज और नगर निकाय चुनावों के बीच भारतीय जनता पार्टी ने पार्टी लाइन से अलग जाकर चुनाव लड़ने वाले नेताओं और कार्यकताओं के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल ने सोलन नगर निगम चुनाव में पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के खिलाफ चुनाव मैदान में उतरने वाले चार कार्यकताओं की प्राथमिक सदस्यता तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दी है। भाजपा की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि पंचायतीराज एवं नगर निकाय चुनाव के लिए गठित अनुशासन समिति ने जिला और मंडल स्तर से मिली शिकायतों पर विस्तार से चर्चा की। समिति ने माना कि पार्टी के अधिकृत उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ना अनुशासनहीनता का गंभीर मामला है। इसके बाद समिति ने संबंधित नेताओं और कार्यकताओं के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश प्रदेश नेतृत्व को भेजी। अनुशासन समिति की सिफारिश के आधार पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कार्रवाई करते हुए नगर निगम सोलन के वार्ड नंबर-3 से गौरव राजपूत और रजनी राजपूत को निलंबित कर दिया। गौरव राजपूत भाजपा आईटी विभाग में मंडल सह-प्रभारी के पद पर थे, जबकि रजनी राजपूत महिला मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य हैं। इसके अलावा वार्ड नंबर-7 से रामपाल और मुकेश वर्मा के खिलाफ भी कार्रवाई करते हुए उनकी प्राथमिक सदस्यता निलंबित कर दी गई है। भाजपा नेताओं का कहना है कि पार्टी अनुशासन के मामलों में किसी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

मदर्स डे पर पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित बच्चों की रचनात्मकता को मिला मंच

जम्मू। जम्मू के जगती स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर में मदर्स डे के अवसर पर जेके फ्यूचर फाउंडर्स द्वारा पेंटिंग एवं ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक युधवीर सेठी उपस्थित रहे जिन्होंने बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा और कलात्मक अभिव्यक्ति की सराहना की। इस अवसर पर बोलते हुए युधवीर सेठी ने कहा कि सह-पाठयक्रम गतिविधियां बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और उनमें कल्पनाशक्ति, अनुशासन तथा सकारात्मक सोच विकसित करती हैं। उन्होंने कहा कि 'माय मेमोरी विद मॉम' विषय पर आयोजित यह प्रतियोगिता मां के प्रेम, त्याग और भावनात्मक जुड़ाव को बेहद सुंदर तरीके से प्रस्तुत करती है। उन्होंने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों को अपनी भावनाएं व्यक्त करने, आत्मविश्वास बढ़ाने और पारिवारिक मूल्यों को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने विशेष रूप से 100 दिवसीय 'नशा मुक्त भारत' अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि इस प्रकार की रचनात्मक गतिविधियां युवाओं को सकारात्मक दिशा में प्रेरित करती हैं और नशे जैसी बुराइयों से दूर रखने में सहायक होती हैं। प्रतियोगिता में कक्षा चौथी से नौवीं तक के 75 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने अपनी पेंटिंग्स में मां-बच्चे के रिश्ते, पढ़ाई में मां की भूमिका, मां को सुपरहीरो के रूप में दशार्ने तथा उनके त्याग और स्नेह को आकर्षक ढंग से चित्रित किया।कार्यक्रम को दो वर्गों में आयोजित किया गया जिसमें कक्षा चौथी से छठी और सातवीं से नौवीं तक के छात्र शामिल रहे। जबकि सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

वृद्धावस्था की पीड़ा और सामाजिक संवेदनहीनता को प्रभावशाली ढंग से किया प्रस्तुत

जम्मू। जम्मू के नटरंग द्वारा आयोजित साप्ताहिक संडे थिएटर श्रृंखला के अंतर्गत नटरंग स्टूडियो थिएटर में रविवार को डोगरी नाटक 'चेता,का प्रभावशाली मंचन किया गया। यह नाटक प्रसिद्ध साहित्यकार जोगिंदर छत्रपाल की इसी नाम की चर्चित डोगरी कहानी पर आधारित था जिसे डिंपल शर्मा ने रूपांतरित किया और निर्देशन पवन वर्मा ने किया। उल्लेखनीय है कि इस कृति के लिए जोगिंदर छत्रपाल को वर्ष 2016 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। 'चेता' एक संवेदनशील और विचारोत्तेजक प्रस्तुति है जो वृद्धावस्था में मानसिक और भावनात्मक संघर्षों को मार्मिक ढंग से सामने लाती है। नाटक में बुजुर्गों के प्रति समाज और परिवार की संवेदनहीनता, उपेक्षा और उनकी मानसिक पीड़ा को गहराई से दशार्या गया। नाटक की कहानी एक सेवानिवृत्त वृद्ध अध्यापक के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने मित्र की बेटी की शादी में शामिल होने के लिए दूरस्थ गांव जाने का निर्णय करता है। भूलने की बीमारी से जूझ रहे इस बुजुर्ग का परिवार उसकी कमजोरी का मजाक उड़ाता है लेकिन वह अकेले ही साड़ी और राजमा का साधारण उपहार लेकर यात्रा पर निकल पड़ता है। बस अड्डे पर अपने मित्र अबरोल का इंतजार करते हुए वह अपने अतीत और अपमानजनक अनुभवों को याद करता है। गंतव्य का नाम और मित्र का फोन नंबर तक याद न रहने की स्थिति उसकी बेबसी को और गहरा कर देती है।नाटक ने दर्शकों को वृद्धावस्था, डिमेंशिया और पारिवारिक संवेदनशीलता जैसे विषयों पर गंभीरता से सोचने के लिए प्रेरित किया।

खेत में काम कर रहे व्यक्ति पर भालू का हमला, गंभीर रूप से घायल

शिमला। शिमला जिले के रामपुर उपमंडल में खेत में काम कर रहे एक व्यक्ति पर भालू ने हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। घायल व्यक्ति को इलाज के लिए खनेरी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले की जानकारी मिलने के बाद अस्पताल पहुंचकर घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार शनिवार को थाना रामपुर को खनेरी अस्पताल से सूचना मिली कि एक व्यक्ति को भालू के हमले में घायल होने के बाद उपचार के लिए लाया गया है। घायल की पहचान रामपुर के सोबली गांव निवासी 58 वर्षीय देविन्द्र सिंह के रूप में हुई है।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का
न्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

83.87 फीसदी रहा दसवीं का परीक्षा परिणाम कांगड़ा की अनमोल 699 अंकों सहित रही टॉपर

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा रविवार को दसवीं का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया गया। इस बार परीक्षा में 93 हजार 661 ने भाग लिया था जिनमें 78 हजार 150 छात्र पास हुए हैं। इस तरह परीक्षा परिणाम 83.87 प्रतिशत रहा। वहीं 8433 छात्रों को कंपार्टमेंट आई है। फेल छात्रों की संख्या 6559 रही है।

परीक्षा परिणाम घोषित करते हुए बोर्ड के अध्यक्ष डॉ राजेश शर्मा ने बताया कि कांगड़ जिला के निजी स्कूल की छात्रा अनमोल प्रदेश में टॉपर बनी है। अनमोल ने 700 में से 699 अंक लेकर टॉप किया है। उन्होंने बताया कि अभी प्रोविजनल मैरिट सूची जारी की गई, जिसमें जून में बदलाव होने के बाद फाईनल मैरिट सूची जारी होगी। कांगड़ा की अनमोल बनी टॉपर 10वीं की परीक्षा में इस बार एवीएम पब्लिक स्कूल पहाड़ा जिला

कांगड़ा की अनमोल ने 700 में से 699 अंक लेकर प्रथम स्थान हासिल किया है। वहीं दूसरे नम्बर पर तीन छात्रों अभिनव मेहता ऊना, पूर्णिमा जीएसएसएस बिलासपुर व रोहिणी धीमान ने 700 में से 698 अंक प्राप्त किए हैं। इसके अलावा निजी स्कूल हमीरपुर की छात्रा अश्विका शर्मा व ऑक्सफोर्ड स्कूल कोटली मंडी की अलीशा ठाकुर ने 697 अंक लेकर तृतीय स्थान हासिल किया है। बोर्ड अध्यक्ष डॉ राजेश शर्मा ने कहा कि पिछले वर्ष के मुकाबले परिणाम में बढ़ोतरी हुई है। परीक्षाओं में सुधार के बड़े प्रयास किये गए गए हैं। जिसमें एमसीक्यू व कप्टेंसी बेस्ड व प्रश्न पत्र में बड़े बदलाव किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस बार परीक्षाओं के लिए राज्य भर में 2384 सेंटर बनाए गए थे। इस बार लाइव मॉनिटरिंग भी परीक्षा केंद्रों की गई है। अगली बार ओडियो-वीडियो कैमरे से परीक्षा केंद्रों में निगरानी रखी जाएगी। इसके साथ ही मूल्यांकन के लिए 41 केंद्र बनाए गए थे जिनमें 2900 शिक्षकों ने सेवाएं प्रदान की। स्कूल शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष ने कहा कि रिजल्ट को समय पर निकालने के लिए प्रयास किये गए जिसके चलते हिमाचल बोर्ड आज पांचवें स्थान पर है। वहीं उन्होंने बताया कि हालांकि इस बार जून में दसवीं में कंपार्टमेंट वाले परीक्षार्थी दोबारा परीक्षा दे पाएंगे। इसमें बच्चों को अपने अंक सुधार करने का मौका भी मिल पाएगा। हालांकि फेल छात्रों को जून में परीक्षा देने का मौका नहीं मिल पाएगा। इस मौके पर बोर्ड सचिव डॉ मेजर विशाल शर्मा भी मौजूद रहे।

ऐतिहासिक मुबारक मंडी में पद्म विभूषण पंडित शिव कुमार शर्मा को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

जम्मू। जम्मू के ऐतिहासिक मुबारक मंडी में पद्म विभूषण से सम्मानित महान संतूर वादक शिव कुमार शर्मा की पुण्यतिथि पर रविवार को भावुक श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण रहा क्योंकि मुबारक मंडी वही स्थान है जहां पंडित जी ने अपने बचपन के कई वर्ष बिताए थे और संगीत की प्रारंभिक साधना की थी। कार्यक्रम के दौरान संतूर की मधुर धुनों ने पूरे वातावरण को भावुक बना दिया। कलाकारों, संगीत प्रेमियों, विद्यार्थियों, वरिष्ठ नागरिकों और शहर के अनेक गणमान्य लोगों ने पंडित शिव कुमार शर्मा जी को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने उन्हें जम्मू की सांस्कृतिक पहचान बताते हुए कहा कि उन्होंने भारतीय शास्त्रीय संगीत को विश्व स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। 13 जनवरी 1938 को जम्मू में जन्मे पंडित शिव कुमार शर्मा ने अपने पिता उमा दत्त शर्मा से गायन और तबले की शिक्षा प्राप्त की थी। बाद में उन्होंने संतूर को अपनी साधना का माध्यम बनाया और वर्षो की मेहनत व नवाचार से इसे लोक वाद्य से निकालकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित शास्त्रीय वाद्य बना दिया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध बांसुरी वादक हरिप्रसाद चौरसिया के साथ उनकी मशहूर जोड़ी शिव-हरि को भी याद किया गया।

भारतीय संस्कृति का प्रचार प्रसार और संरक्षण किसी धर्म-संप्रदाय के खिलाफ नहीं : अनुराग ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद रविवार को अनुराग सिंह ठाकुर मंडी जिला के बल्ह में श्री राधामाधव मंदिर एवं मूर्ति प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने ब्रह्मलीन युगपुरुष श्री श्री 1008 बाबा कल्याणदास कालेबाबा को स्मरण कर बाबा कमलदास जी महाराज के सानिध्य में उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया।

उन्होंने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को बल देने में सनातनियों की एकजुटता की वकालत की। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि एक सनातनी और सामान्य व्यक्ति के रूप में मेरा मानना है कि आज हम सनातनियों को एकजुट होने की जरूरत है। हमें सनातन के उन महान परंपराओं को समझना पड़ेगा और उसे अपने जीवन में उतारने की जरूरत भी है। हमारे मंदिर, हमारे तीर्थ, हमारे धर्मस्थल हमारे संस्कृति के आधार हैं। मंदिर केवल पूजा-अर्चना का स्थान नहीं होते, यह हमारे संस्कृति, सभ्यता, नैतिक मूल्यों और सामाजिक एकता के केंद्र होते हैं। उन्होंने कहा कि

आज हमारे मंदिरों के माध्यम से सामाजिक सेवा और राष्ट्र निर्माण के अनेक काम हो रहे हैं। हम सनातनियों से अधिक मंदिर का मर्म और कौन समझेगा, लगभग 500 साल पहले बाबर ने रामलला के मंदिर को तोड़ा थ। दरबारी इतिहासकारों ने इसे दबाने की कोशिश की झुठलाने की कोशिश की लेकिन हम भूले नहीं, हमने 500 सालों तक रामलला के गर्भगृह पर अधिकार पाने के लिए संघर्ष किया और आज उस जगह भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बनकर तैयार है। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि राजनीति की हो या लोककल्याण या फिर हमारे सामाजिक जीवन की, हमारा चैतन्य होना सबसे अधिक जरुरी है। आज के युवा पहले से कहीं अधिक सनातन धर्म, परंपरा, संस्कृति इसके मूल्यों और आदर्शों की तरह आकर्षित हो रहे हैं।

धर्मशाला में आईपीएल मैचों को लेकर पुलिस ने जारी किया ट्रैफिक प्लान

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के धर्मशाला स्टेडियम में होने वाले आईपीएल मुकाबलों को लेकर कांगड़ा पुलिस ने ट्रैफिक प्लान जारी किया है। पुलिस अधीक्षक कांगड़ा अशोक रतन ने बताया कि 11, 14, 17 और 26 मई को मैचों के दौरान शहर में यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं।

पुलिस प्रशासन के अनुसार मैच शुरू होने से छह घंटे पहले धर्मशाला और मैक्लोडगंज में भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक रहेगी। हालांकि रूट बसों और आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को छूट दी गई है। मैच समाप्त होने के दो घंटे बाद तक यह व्यवस्था लागू रहेगी। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी निर्धारित क्षेत्र में सड़क किनारे पार्किंग की अनुमति नहीं होगी। यातायात नियंत्रित करने के लिए बैरिकेडिंग, वन-वे मूवमेंट और डायवर्जन लागू किए जाएंगे। मैच देखने

आने वाले दर्शकों के लिए शटल बस सेवा भी चलाई जाएगी। चामुंडा और योल की ओर से आने वाले वाहनों को जोरावर स्टेडियम सिद्धबाड़ी में पार्क कराया जाएगा। वहीं कांगड़ा, मटौर और गगल की तरफ से आने वाले वाहन दाड़ी मेला ग्राउंड और अचीवर्स हब स्कूल मैदान में पार्क होंगे। इन पार्किंग स्थलों से दर्शकों को शटल बसों के जरिए स्टेडियम के पास उतारा जाएगा। इन मार्गों पर रहेगा डायवर्जन मैक्लोडगंज जाने वाले वाहनों को गांधी चौक बाईपास मार्ग से भेजा जाएगा, जबकि मैक्लोडगंज से धर्मशाला आने वाले वाहनों को टेंपल रोड और फव्वारा चौक मार्ग से निकाला जाएगा। सकोह से आने वाले वाहनों के लिए भी विशेष पार्किंग और डायवर्जन व्यवस्था तय की गई है।

मौसम हिमाचल में 12-13 मई को सबसे ज्यादा खराब रहेगा मौसम

अगले पांच दिन बारिश-आंधी का अलर्ट

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों तक प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश, आंधी और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है। 12 और 13 मई को मौसम सबसे ज्यादा खराब रहने की संभावना जताई गई है। इन दो दिनों के लिए कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया है। विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी भी हो सकती है।

रविवार को भी प्रदेश के कई हिस्सों में बादल छाए हैं और मौसम ठंडा बना हुआ है। पहाड़ी इलाकों में सुबह-शाम सर्दी जैसा एहसास हो रहा है, जबकि मैदानी और निचले क्षेत्रों में भी इस बार उमस महसूस नहीं हो रही। मई महीने में अब तक कई बार बारिश हो चुकी है,

जिससे तापमान सामान्य से नीचे बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार 11 मई को कई स्थानों पर गरज-चमक के साथ बारिश और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। 12 और 13 मई को मौसम सबसे ज्यादा सक्रिय रहेगा। इन दिनों प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में तेज बारिश, बिजली चमकने, 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने और कुछ जगह ओलावृष्टि होने का अनुमान है। 14 मई को भी बारिश और तेज हवाओं का दौर जारी रह सकता है। 15 मई को कुछ क्षेत्रों में फिर गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई गई है, जबकि 16 मई को केवल अलग-अलग स्थानों पर हल्की गतिविधियां हो सकती हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक ऊंचाई वाले जनजातीय और पर्वतीय क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी के भी आसार हैं। इससे तापमान में और गिरावट आ सकती है। प्रदेश के प्रमुख शहरों के न्यूनतम तापमान की बात करें तो शिमला में 14 डिग्री सेल्सियस, सुंदरनगर में 19.6, भुंतर में 17.1, कल्पा में 9, धर्मशाला में 10.7, ऊना में 20, नाहन में 16.1, केलांग में 5.4, पालमपुर में 17.5, सोलन में 15, मनाली में 10.9, कांगड़ा में 22.7, मंडी और बिलासपुर में 20.5, चंबा में 17.7, डलहौजी में 14.6, जुब्बड़हट्टी में 17.2, कुफरी में 10.7, कुकुमसेरी में 6.8, पांवटा साहिब और देहरा गोपीपुर में 22, सराहन में 11.1 और ताबो में 7.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी है, खासकर पहाड़ी और संवेदनशील इलाकों में यात्रा करते समय सतर्क रहने को कहा गया है।

हरियाणा में नगर निकाय एवं पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से सम्पन्न

मतदान केंद्रों पर सुरक्षा, पारदर्शिता एवं मतदाता सुविधाओं पर विशेष जोर

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदेश में आयोजित नगर निगम, नगर परिषद, नगर पालिका एवं पंचायती राज संस्थाओं के सामान्य तथा उप-चुनाव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित तरीके से सम्पन्न करवाए गए। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री देवेंद्र सिंह कल्याण ने कहा कि आयोग द्वारा चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए गए थे।

राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री देवेंद्र सिंह कल्याण ने चुनाव प्रक्रिया के दौरान पंचकूला में विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण भी किया तथा मतदान व्यवस्थाओं, सुरक्षा प्रबंधों एवं मतदाता सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदान प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से सम्पन्न करवाई जाए तथा प्रत्येक मतदाता को बिना किसी असुविधा के अपने मताधिकार का प्रयोग करने की सुविधा सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने बताया कि नगर निकाय चुनावों के अंतर्गत अंबाला, पंचकूला एवं सोनीपत नगर निगम, रेवाड़ी नगर परिषद, धारूहेड़ा, सांपला एवं उकलाना नगरपालिकाओं में चुनाव आयोजित किए गए। इसके अतिरिक्त प्रदेश के विभिन्न नगर निकाय क्षेत्रों में वार्डों के उप-चुनाव भी सफलतापूर्वक सम्पन्न करवाए गए। इसी प्रकार पंचायती राज संस्थाओं के अंतर्गत जिला परिषद, पंचायत समिति, सरपंच एवं पंच पदों के लिए विभिन्न जिलों में सामान्य एवं उप-चुनाव आयोजित किए गए।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि आयोग द्वारा चुनाव प्रक्रिया के प्रत्येक चरण की लगातार निगरानी की गई तथा जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों के समन्वय से मतदान प्रक्रिया को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया गया। मतदान के दौरान सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा, कानून व्यवस्था, मतदाताओं की सुविधा तथा चुनाव आचार संहिता के अनुपालन को लेकर विशेष प्रबंध किए गए थे।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों पर विशेष निगरानी रखी गई। आवश्यकता अनुसार माइक्रो ऑब्जर्वर नियुक्त किए गए तथा मतदान केंद्रों पर वीडियोग्राफी एवं अन्य निगरानी व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गईं।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया की शुचिता बनाए रखने के लिए मतदाता सूचियों के सत्यापन, पात्र मतदाताओं की पहचान तथा डुप्लीकेट अथवा संदिग्ध प्रविष्टियों की जांच को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए थे। प्राप्त शिकायतों एवं आपत्तियों का नियमानुसार निपटान सुनिश्चित किया गया, ताकि चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बनी रहे। सुविधा के लिए सभी मतदान केंद्रों पर पेयजल, छाया, बैठने की व्यवस्था, रैंप, व्हीलचेयर तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई गईं। वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांग मतदाताओं एवं महिलाओं के लिए भी विशेष प्रबंध किए गए थे ताकि प्रत्येक मतदाता निर्भय होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने प्रदेश के मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के नागरिकों ने शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में मतदान कर लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया है।

उन्होंने चुनाव ड्यूटी में तैनात अधिकारियों, कर्मचारियों, पुलिस बल एवं अन्य संबंधित विभागों की सराहना करते हुए कहा कि सभी के सहयोग एवं समर्पण से चुनाव प्रक्रिया सफलतापूर्वक सम्पन्न हो सकी। उन्होंने मीडिया का भी धन्यवाद किया, जिसके माध्यम से राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश एवं अपील सभी मतदाताओं तक प्रभावी रूप से पहुँचाई गई।

प्रजापति बिजनेस समिट समाज की आर्थिक प्रगति और आत्मनिर्भरता का प्रेरणादायक मंच: रणबीर गंगवा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के लोकनिर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने प्रजापति बिजनेस समिट में समाज के प्रतिष्ठित उद्यमियों, युवा साथियों एवं गणमान्यजनों से संवाद कर व्यापार, आत्मनिर्भरता और सामाजिक उत्थान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार साझा किए।

श्री रणबीर गंगवा ने रविवार को हिसार में आयोजित प्रजापति बिजनेस समिट में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज की आर्थिक प्रगति, नवाचार और उद्यमिता को नई दिशा देने वाले प्रेरणादायक मंच साबित होते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार व्यापारियों, उद्यमियों और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रभावी कदम उठा रही है, ताकि हर वर्ग आर्थिक रूप से सशक्त बन सके।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हरियाणा सरकार ने व्यापारी हित में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं। हरियाणा उद्यम स्मृति योजना, एकल खिड़की प्रणाली और सरल पोर्टल के माध्यम से व्यापारियों एवं उद्यमियों को लाइसेंस, अनुमति और विभिन्न सरकारी सेवाएं ऑनलाइन एवं पारदर्शी ढंग से उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके अलावा एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए ऋण सुविधा, सब्सिडी तथा तकनीकी सहायता उपलब्ध करवाई जा रही है, जिससे युवा उद्यमियों को अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने में मदद मिल रही है।

श्री गंगवा ने कहा कि प्रदेश सरकार व्यापारियों के लिए बेहतर आधारभूत संरचना विकसित करने, बाजारों के आधुनिकीकरण तथा कारोबार को सुगम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वरोजगार और नवाचार की दिशा में आगे बढ़कर प्रदेश और समाज के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। इस अवसर पर समाज के अनेक प्रतिष्ठित व्यापारी, युवा उद्यमी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

1857 के अमर शहीदों को नमन- अम्बाला छावनी में एशिया के सबसे बड़े शहीद स्मारक का उद्घाटन करेंगे मोदी: विज

सिटी दप4ण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने 10 मई 1857 को आजादी की पहली लड़ाई के आरंभ होने के दिवस पर शहीदों को नमन किया है और बताया कि अम्बाला छावनी में 1857 की लड़ाई में शहीदों को नमन करने हेतु सबसे बड़ा शहीदी स्मारक का निर्माण किया गया है, जिसका शीघ्र ही प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी उद्घाटन करेंगे।

श्री विज ने यह जानकारी सांझा करते हुए बताया कि ह्यह्यआज 10 मई के ही दिन 1857 में आजादी की पहली लड़ाई आरम्भ हुई थी जिसमें देश भर में जगह जगह अंग्रेजों के साथ सशस्त्र संघर्ष हुआ और मां भारती के अनेकों लालों ने अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उन तमाम वीरों को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करने एवं श्रद्धांजलि देने के लिए अम्बाला छावनी में एशिया का सबसे बड़ा एक शहीदी स्मारक बनाया गया है।

उल्लेखनीय है कि अम्बाला छावनी में 1857 में आजादी की पहली लड़ाई के वीर शहीदों की याद में 700 करोड़ रुपए की लागत से शहीदी स्मारक का निर्माण किया गया है। यह शहीदी स्मारक बनकर तैयार हो चुका है जिसमें इस लड़ाई से संबंधित संपूर्ण इतिहास को विभिन्न माध्यमों से प्रदर्शित किया गया है।

शहीदी स्मारक में 63 मीटर ऊंचा कमल के आकार का मेमोरियल टॉवर भी बनाया गया है जिस पर रात्रि के समय लाइट एंड साउंड शो प्रदर्शित किया जाएगा। मेमोरियल टॉवर के ठीक समक्ष दो हजार लोगों के बैठने वाली दर्शक दीर्घा भी है।

तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब नांदेड़ की माटी के कण कण छिपा गुरुओं का इतिहास: सुभाष सुधा

सिटी दपण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब नांदेड़ महाराष्ट्र की माटी के कण कण में गुरुओं का वास है। इस क्षेत्र में श्रद्धालुओं ने गुरुओं के ऐतिहासिक स्थलों, तप स्थलों तथा गुरुद्वारों के दर्शन किए। अहम पहलू यह है कि इन धार्मिक स्थलों के दर्शन के साथ ही 6 दिवसीय मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन यात्रा ऐतिहासिक एवं यादगार क्षणों के साथ संपन्न हुई। श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को श्रवण पुत्र कहकर खूब आशीश दी।

हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा रविवार को तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब नांदेड़ महाराष्ट्र से पहुंचे श्रद्धालुओं का स्वागत करने उपरांत बोल रहे थे। इससे पहले पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, चेयरमैन धर्मवीर मिजापुर, जिलाध्यक्ष तिजेंद्र सिंह गोल्डी सहित अन्य गणमान्य लोगों ने कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन पहुंचने पर श्रद्धालुओं का फूल माला व पुष्प वर्षा

कर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 5 मई को धार्मिक एवं तीर्थ यात्रा को रवाना किया गया था। इस यात्रा में 9 जिलों के 800 से ज्यादा श्रद्धालुओं ने तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब नांदेड़ महाराष्ट्र के दर्शन किए। यह यात्रा निर्धारित किए गए शेड्यूल के अनुसार आज कुरुक्षेत्र के रेलवे स्टेशन पर पहुंची है।

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का धन्यवाद करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रयासों से ही हरियाणा के श्रद्धालुओं को तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब नांदेड के दर्शन करवाए। उन्होंने कहा कि आज जो ट्रेन सचखंड श्री हजूर साहिब के दर्शन कर कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन पर पहुंची है। यह दो महान तीर्थ स्थलों के बीच सेतु का काम कर रही है। यह पावन धरा गुरु साहिबान के पावन चरणों से भी अनेक बार पवित्र हुई है। सचखंड श्री हजूर साहिब नांदेड़ वह पवित्र स्थान है, जहां दशम पातशाह श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ज्योति जोत समाए। वहीं कुरुक्षेत्र को विश्व भर में धर्मक्षेत्र की ख्याति प्राप्त है, जहां भगवान श्रीकृष्ण जी ने मोह ग्रस्त अर्जुन के माध्यम से संसार को गीता का उपदेश देकर जीवन का मार्ग दिखाया। इन दोनों पवित्र स्थलों को जोडने. वाली यह विशेष ट्रेन भारत की आध्यात्मिक धारा के प्रवाह का प्रतीक बनी है। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि इस 6 दिवसीय यात्रा में श्रद्धालुओं के लिए प्रदेश सरकार की तरफ से उच्च स्तरीय खाना, ठहरने की व्यवस्था व चिकित्सक सुविधाओं के साथ-साथ अलग-अलग गुरुद्वारों के दर्शन के लिए विशेष बसों की भी व्यवस्था की गई थी।

जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी तथा नोडल अधिकारी डा. नरेंद्र सिंह के कहा कि तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब नांदेड़ महाराष्ट्र की यात्रा ऐतिहासिक एवं यादगार रही। इस यात्रा में शामिल सभी श्रद्धालुओं ने श्री गुरु गोबिंद सिंह महाराज जी के सचखंड व तपोभूमि, सभी गुरुद्वारों के दर्शन करने के साथ साथ पवित्र गोदावरी नदी, बाबा बंदा सिंह बहादुर का ऐतिहासिक स्थल, नगीना घाटी गुरुद्वारा, माता साहिब कौर जी की तपोभूमि को देखा। इन यात्रियों ने पहली गुरुओं के ऐतिहासिक स्थलों को देखने का मौका मिला है। यह मौका मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रयासों से मिला है।

संक्षिप्त-समाचार

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना - तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब नांदेड़ की निःशुल्क यात्रा का आज अंतिम दिन, वरिष्ठ नागरिक सरल पोर्टल पर करवाएं पंजीकरण

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत श्री हजूर साहिब नांदेड़, महाराष्ट्र के लिए 15 मई को सिरसा से विशेष ट्रेन रवाना होगी। एक सरकारी प्रवक्ता ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि योजना अनुसार वरिष्ठ नागरिक, जिनकी आयु 60 वर्ष से अधिक है और उनकी पारिवारिक आय एक लाख 80 हजार रुपये से कम है, वे इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। योजना का लाभ उठाने के लिए सरल हरियाणा पोर्टल पर आज 10 मई तक पंजीकरण कर सकते हैं। पात्र व्यक्ति नजदीकी सीएससी सेंटर या अपने स्मार्ट फोन से सरल हरियाणा पोर्टल पर घर बैठे इस निःशुल्क यात्रा के लिए पंजीकरण कर सकते हैं। प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत आवेदन करने के लिए कुछ आवश्यक दस्तावेज अनिवार्य किए गए हैं, जिनमें वैध फोटो पहचान पत्र (जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड या अन्य सरकारी आईडी), परिवार पहचान पत्र (पीपीपी), यात्रा के लिए स्वस्थ होने संबंधी प्रमाण तथा पिछले तीन वर्षों में योजना का लाभ न लेने की घोषणा शामिल है। आवेदक का हरियाणा का निवासी होना और परिवार पहचान पत्र होना अनिवार्य है। योजना के नियमों के अनुसार, कोई भी व्यक्ति हर तीन वर्षों में केवल एक बार ही इस सुविधा का लाभ ले सकता है। उन्होंने बताया कि आवेदन करने के उपरांत आवेदक को सूचना अपने - अपने जिला में स्थित जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय में अवश्य देनी होगी ताकि पात्र व्यक्तियों की सूचना रेलवे को समय पर भेजी जा सके। पंजीकृत आवेदक 11 मई से पहले यह सूचना डीआईपीआरओ कार्यालय में अवश्य दें।

हरियाणा में शुरू होगा पशुधन सुरक्षा का महाअभियान

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार प्रदेश के पशुधन को जानलेवा बीमारियों से बचाने के लिए 11 मई सोमवार से राज्यव्यापी विशेष टीकाकरण महाअभियान शुरू करने जा रही है। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने रविवार को बताया कि पशुपालकों को अपने पशुओं को लेकर अस्पतालों के चक्कर काटने की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि विभाग के कुशल पशु चिकित्सक और सहायक घर-घर जाकर इस सेवा को सुनिश्चित करेंगे। ारकार के निदेर्शानुसार, पशुपालन विभाग की टीमें मुंह खुर और गलघोंटू जैसी खतरनाक छूत की बीमारियों से पशुओं की सुरक्षा के लिए विभाग की टीमें घर-घर जाकर निशुल्क टीकाकरण करेंगी। एक महीने तक चलने वाले इस अभियान में चार महीने से अधिक आयु की सभी गायों और भैंसों को शामिल किया जाएगा। सरकार का उद्देश्य पशुधन को सुरक्षा कवच प्रदान कर पशुपालकों को आर्थिक नुकसान से बचाना और डेयरी अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। यह टीकाकरण-सेवा पूरी तरह से निःशुल्क प्रदान की जाएगी, ताकि प्रदेश के छोटे से छोटे पशु पालक पर भी कोई आर्थिक बोझ न पड़े। टीकाकरण अभियान के तहत 4 महीने से अधिक आयु की सभी गायों और भैंसों का टीकाकरण किया जाएगा। पहले इन रोगों के लिए अलग-अलग टीके लगाए जाते थे, लेकिन अब हरियाणा देश का पहला और एकमात्र ऐसा राज्य बन गया है जहां इन दोनों बीमारियों से बचाव के लिए एक ही संयुक्त टीके का प्रयोग किया जा रहा है, जिससे पशुओं को बार-बार होने वाली पीड़ा से राहत मिली है और पशुधन का प्रबंधन भी सुगम हुआ है।

कर्मचारियों को सरकारी खजाने से मिलेगा लोन

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार अब अपने कर्मचारियों को किसी प्रकार का लोन आदि सरकारी खजाने के माध्यम से देगी। सरकार ने ऋण सुविधा के लिए पंजाब नेशनल बैंक की मध्यस्थता को समाप्त करने का फैसला किया है। हाल ही में हरियाणा में निजी क्षेत्र के कई बैंक घोटालों को लेकर चर्चा में हैं। सरकार द्वारा एक के बाद एक बैंकिंग व्यवस्था में बदलाव किया जा रहा है। अब सरकार ने कर्मचारियों के लिए दी जाने वाली ऋण व्यवस्था में बड़ा बदलाव करते हुए पंजाब नेशनल बैंक के माध्यम से लोन देने की व्यवस्था समाप्त करने का फैसला किया है।

स्विमिंग पूल पर्यटन के साथ-साथ तैराकी को भी देगा नई पहचान: सुभाष बराला

सिटी दप4ण संवाददाता
चंडीगढ़

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि नवनिर्मित स्विमिंग पूल भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर के तैराक तैयार करेगा और यहाँ से हरियाणा व भारत का भविष्य उभरकर सामने आएगा। इसके अलावा रिसॉर्ट परिसर में विकसित सुविधाएं आने वाले समय में लोगों के आकर्षण का केंद्र बनेंगी तथा यहाँ सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयोजनों को नई पहचान मिलेगी। राज्य सभा सांसद ने टोहाना में बलियाला हेड पर करीब 8 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित ह्यकेनाल रिसॉर्टह्ण एवं स्विमिंग पूल का शुभारंभ किया। रिसॉर्ट में आधुनिक स्विमिंग पूल, कैफेटेरिया, गार्डन रेस्टोरेंट तथा लग्जरी रूम सहित विभिन्न सुविधाएं विकसित की गई हैं, जो क्षेत्र में पर्यटन और मनोरंजन को नई पहचान देंगी। यह टोहाना को पर्यटन एवं खेल गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। राज्यसभा सांसद ने कहा कि टोहाना में ऐसा सुंदर पिकनिक स्पॉट विकसित करने का उनका प्रयास रहा है। जहां परिवारों, युवाओं एवं बच्चों को आधुनिक सुविधाओं के साथ बेहतर वातावरण मिल सके। हम सब के प्रयासों से यह सपना साकार हुआ है।

कैफेटेरिया और लग्जरी सुविधाओं से सुसज्जित रिसॉर्ट क्षेत्र में नई पहचान

उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि यहाँ अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएँ विकसित हो रही हैं और अब स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए बड़े शहरों की ओर नहीं जाना पड़ेगा।

सांसद ने कहा कि फतेहाबाद में सिंथेटिक ट्रैक सहित आधुनिक स्टेडियम का निर्माण संभव हुआ, जो हरियाणा के चुनिंदा स्टेडियमों में शामिल है। दमकौरा सिंथेटिक ट्रैक स्टेडियम में हरियाणा ही नहीं बल्कि दिल्ली, पंजाब, राजस्थान एवं उत्तर प्रदेश तक के खिलाड़ी अभ्यास करने के लिए आते हैं और यहाँ अभ्यास करने वाले कई खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है।

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में गीता ज्ञान संस्थानम लगाया गया रक्तदान शिविर

सिटी दपण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

परम पूज्य गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज के 70वें पावन जन्मदिन के उपलक्ष्य में श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार की ओर से गीता ज्ञान संस्थानम स्थित मेदांता अस्पताल में भव्य रक्तदान शिविर लगाया गया। प्रातः साढ़े आठ बजे प्रारंभ हुए इस सेवा कार्य में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं समाजसेवियों ने रक्तदान किया। शिविर में 71 यूनिट रक्तदान प्राप्त हुआ। इस अवसर पर परम पूज्य गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज श्री ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उनके सानिध्य में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री कुरुक्षेत्र कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी, विशिष्ट अतिथि के रूप में सीटीएम आशीष कुमार, श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय कुलसचिव डा. कृष्ण कुमार गुप्ता, आशीष सबरवाल,

सीएमओ सुखबीर सिंह, सैनी सभा प्रधान गुरनाम सैनी और पिपली अनाज मंडी सचिव धर्मपाल मथाना, पिपली अनाज मंडी सतबीर नैन मौजूद रहे।

परम पूज्य गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज की उपस्थिति में सभी अतिथियों ने रक्तदान को महादान बताते हुए कहा कि एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद को नया जीवन प्रदान कर सकता है। उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से रक्तदान करने का आह्वान किया। इस अवसर पर श्री कृष्ण कृपा समिति जीओ गीता कुरुक्षेत्र प्रधान डा. ऋषिपाल ने प्रेरणा स्रोत के रूप में स्वयं रक्तदान किया। उनके साथ समिति के सदस्यों में विजय नरूला, पवन भारद्वाज, जय भगवान डिंगरा, नवीन भरद्वाज, अरविंद जिंदल व अन्य सदस्यों के साथ आम जनता ने भी रक्तदान कर सेवा भावना का परिचय दिया। इसके अतिरिक्त चंद्रिका, राखी गुंबर एवं अन्य महिलाओं ने भी उत्साहपूर्वक रक्तदान किया।

स्टार क्रिकेट क्लब बनी टी-20 प्रतियोगिता की चैम्पियन

सिटी दपण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के केयू सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल के खेल मैदान में शनिवार को केयू गैर-शिक्षक कर्मचारी के 5वें टी-20 प्रतियोगिता के अनौपचारिक मैच के फाइनल मुकाबले में स्टार क्रिकेट क्लब ने केयूके स्पार्टन को 10 विकेट से हराकर चैम्पियन का खिताब अपने नाम किया। टॉस जीतकर स्टार क्रिकेट क्लब ने केयूके स्पार्टन को पहले बल्लेबाजी करने का मौका दिया। वहीं पावर प्ले में धीमी शुरूआत के बाद स्पार्टन टीम ने 5 विकेट खोकर 131 रन बनाए जिसमें अंशुल शर्मा ने 54 रन की शानदार पारी खेली। स्टार क्रिकेट क्लब की ओर से शानदार गेंदबाजी करते हुए भारत कल्याण ने 2 तथा सागर, शिवम व संदीप जांगड़ा ने 1-1 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्टार क्रिकेट क्लब की टीम के ओपनर बल्लेबाज राहुल धीमान व विजय जांगड़ा की ओपनर जोड़ी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 15वें ओवर में लक्ष्य को प्राप्त कर अपनी टीम को एकतरफा जीत दिलाई। राहुल धीमान ने आक्रमक बल्लेबाजी करते हुए 84 रन बनाए जिसमें 9 चौके व 5 छक्के लगाए। वहीं विजय जांगड़ा ने 42 गेंदों में 44 रन की नाबाद पारी खेली जिसमें 7 चौके शामिल रहे। राहुल धीमान को मैन ऑफ द मैच के साथ प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज व मैन ऑफ द सीरीज का भी पुरस्कार मिला। वहीं स्टार क्रिकेट कल्ब के भारत कल्याण को प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज का खिताब मिला। पुरस्कार वितरण समारोह में बतौर मुख्यातिथि वरिष्ठ क्रिकेटर एवं केयू उपकुलसचिव, विनोद वर्मा ने विजेता टीम को मुख्य ट्रॉफी प्रदान करते हुए अच्छे खेल के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि खेल शरीर, मन को स्वस्थ रखने तथा तनाव को दूर करने में सहायक है। इसके साथ ही उन्होंने उपविजेता टीम को भी ट्रॉफी व प्रतिभागी खिलाड़ियों को मेडल प्रदान किए। विजेता टीम बनने पर कप्तान रशपाल सिंह ने कहा कि उनका लक्ष्य सिर्फ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना था।

आठ दिनों तक कला प्रेमियों को बांधे रखने वाली अभिव्यंजना प्रदर्शनी का समापन

सिटी दपण संवाददाता
रोहतक

दादा लख्मीचंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) में पिछले आठ दिनों से चल रही कला प्रदर्शनी ह्यअभिव्यंजनाह्ण का रविवार को समापन हुआ। कला, संस्कृति व रचनात्मकता का अनूठा संगम बनी इस प्रदर्शनी ने पूरे आयोजन के दौरान कला प्रेमियों, छात्रों, शिक्षकों व आम लोगों को अपनी ओर आकर्षित किए रखा। रविवार को फ्लैग ऑफ के साथ प्रदर्शनी का औपचारिक समापन किया गया। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी की रजिस्ट्रार डॉ. गुंजन मलिक मनोचा मुख्य रूप से मौजूद रहीं।

डीएलसीसुपवा की फैकल्टी ऑफ डिजाइन बिल्डिंग में तीन मई को यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति व प्रदेश के राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष द्वारा प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया था। फैकल्टी ऑफ विजुअल आर्ट्स के छात्रों की ओर से आयोजित यह प्रदर्शनी अपने 11वें संस्करण में ह्यअभिव्यंजनाह्ण नाम के साथ आयोजित की गई। शुरूआत में प्रदर्शनी आठ मई तक आयोजित होनी थी, लेकिन कला प्रेमियों व दर्शकों के उत्साह को देखते हुए इसे दो दिन और बढ़ा दिया गया था। रविवार को फ्लैग ऑफ के साथ इसका औपचारिक समापन किया गया।

समापन अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. गुंजन मलिक मनोचा की उपस्थिति में फ्लैग ऑफ की प्रक्रिया को पूरा कर प्रदर्शनी के समापन की घोषणा की गई। उन्होंने आयोजन की सराहना की और फैकल्टी ऑफ विजुअल आर्ट्स के सभी स्टाफ सदस्यों व छात्रों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल एक कला प्रदर्शनी नहीं, बल्कि छात्रों की प्रतिभा, कल्पनाशीलता और रचनात्मक सोच का जीवंत उदाहरण रहा। हालांकि प्रदर्शनी का औपचारिक समापन दोपहर में कर दिया गया था, लेकिन आम लोगों के लिए इसे शाम पांच बजे तक खुला रखा गया। रविवार

होने के बावजूद बड़ी संख्या में लोग प्रदर्शनी देखने पहुंचे। मौके पर फैकल्टी ऑफ विजुअल आर्ट्स के कोऑर्डिनेटर विनय कुमार सहित स्टाफ सदस्य और छात्र भी उपस्थित रहे।

यूनिवर्सिटी के कुलगुरु डॉ. अमित आर्य ने सफल आयोजन के लिए सभी स्टाफ सदस्यों और छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी छात्रों की सालभर की मेहनत और रचनात्मकता का शोकेस होती है। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी हर साल छात्रों को ऐसा मंच उपलब्ध कराती है, जहां वह अपनी कला व विचारों को समाज के सामने प्रस्तुत कर सकें। फैकल्टी ऑफ आर्ट्स के अंतर्गत आने वाले एप्लाइड आर्ट, पेंटिंग, प्रिंट मेकिंग, स्कल्पचर, एनिमेशन और फाउंडेशन विभागों के 300 से अधिक छात्रों की दो हजार से ज्यादा कलाकृतियां प्रदर्शनी का हिस्सा बनीं। इनमें पेंटिंग, इंस्टॉलेशन, स्केच, डिजिटल आर्ट, मूर्तिकला, प्रिंट आर्ट और कई इनोवेटिव आर्टवर्क शामिल रहे। प्रदर्शनी के दौरान अलग - अलग दिनों में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, पूर्व आईएएस अधिकारी विवेक अत्रे, पहलवान योगेश्वर दत्त सहित कई शिक्षाविदों व प्रशासनिक अधिकारियों ने भी पहुंचकर छात्रों की कला का अवलोकन किया। कुलगुरु डॉ. अमित आर्य ने कहा कि आने वाले समय में इस प्रदर्शनी को और अधिक व्यापक व भव्य स्वरूप दिया जाएगा। यूनिवर्सिटी का प्रयास रहेगा कि इस आयोजन को भविष्य में यूनिवर्सिटी परिसर से बाहर भी बड़े स्तर पर आयोजित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक छात्रों की रचनात्मकता पहुंच सके।

फैकल्टी ऑफ विजुअल आर्ट्स के कोऑर्डिनेटर विनय कुमार ने बताया कि ह्यअभिव्यंजनाह्ण केवल कला प्रदर्शनी तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह कला व सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का साझा मंच बनकर उभरी। प्रदर्शनी में लगाए गए ओपन स्टेज पर प्रतिदिन शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें यूनिवर्सिटी के विभिन्न विभागों के छात्रों ने डांस, म्यूजिक, गायन, अभिनय व कविता पाठ के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

उन्होंने बताया कि कला प्रेमियों के साथ-साथ कई स्कूलों के छात्रों ने भी प्रदर्शनी का दौरा किया और यहां से प्रेरणादायक अनुभव लेकर गए। उन्होंने कहा कि भविष्य में इससे भी बेहतर आयोजन करने का प्रयास किया जाएगा।

संपादकीय

अग्नि की नई शक्ति: एक मिसाइल, अनेक लक्ष्य

जब सूर्य ओडिशा के समुद्री क्षितिज पर डूब रहा था, तब आकाश में एक चमकदार, धूमकेतु जैसी रोशनी की लकीर अचानक प्रकट हुई और तेज गति से ऊपर की ओर बढ़ने लगी। ओडिशा के तटीय इलाकों से लेकर बांग्लादेश के कॉक्स बाजार तक लोग अचंभित होकर उस अद्भुत दृश्य को देखते रह गए। यह कोई उल्का नहीं थी, यह था भारत का सामरिक संकल्प – अग्नि मिसाइल का एक उन्नत संस्करण, जो MIRV यानी मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेड री-एंट्री व्हीकल तकनीक से लैस होकर इतिहास रचने निकला था। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम द्वीप, ओडिशा से रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा संचालित यह परीक्षण भारत के दीर्घ-परास बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के सबसे महत्वपूर्ण मील के पत्थरों में से एक है। MIRV तकनीक एक ऐसी क्षमता है जो एक ही मिसाइल को अनेक परमाणु या पारंपरिक हथियार ले जाने और उन्हें एकल प्रक्षेपण के दौरान अलग-अलग लक्ष्यों पर स्वतंत्र रूप से निर्देशित करने में सक्षम बनाती है। सरल भाषा में, यह एक तीर से अनेक निशाने साधने की वह असाधारण कला है जो आधुनिक सामरिक युद्ध की दिशा बदल देती है। MIRV तकनीक प्रतिरोध क्षमता को इसलिए क्रांतिकारी बनाती है क्योंकि एक ही मिसाइल विशाल परिचालन क्षेत्र में एक साथ कई अलग-अलग रणनीतिक लक्ष्यों पर प्रहार कर सकती है। इससे शत्रु की मिसाइल-रोधी प्रणाली बेकार हो जाती है, क्योंकि एक साथ कई वारहेड को रोकना लगभग असंभव है। इस परीक्षण में मिसाइल को अनेक पेलोड के साथ हिंद महासागर क्षेत्र में भौगोलिक दृष्टि से दूर-दूर फैले विभिन्न लक्ष्यों पर दागा गया। लिफ्ट-ऑफ से लेकर सभी पेलोड के लक्ष्य पर प्रभाव तक की पूरी यात्रा को जमीन और समुद्र पर तैनात अनेक ट्रैकिंग स्टेशनों ने रिकॉर्ड किया और उड़ान डेटा ने पुष्टि की कि सभी मिशन उद्देश्य पूरे हुए। यह परीक्षण एकाएक नहीं हुआ, बल्कि यह वर्षों की मेहनत, शोध और राष्ट्रीय दृढ़ता की परिणति है। मार्च 2024 में संचालित मिशन दिव्यास्त्र के दौरान भारत MIRV तकनीक का सफलतापूर्वक परीक्षण करने वाला विश्व का चौथा देश बना था, जब स्वदेशी रूप से विकसित अग्नि-5 मिसाइल को MIRV तकनीक से सज्जित होकर पहली बार उड़ाया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उस अवसर पर रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए गर्व व्यक्त किया था। 8 मई 2026 का यह नया परीक्षण उसी नींव पर खड़ी एक और ऊँची मंजिल है – यह दशार्ता है कि भारत की MIRV तकनीक अब परीक्षण से आगे बढ़कर परिचालन परिपक्वता की ओर अग्रसर है। रक्षा सूत्रों के अनुसार, परीक्षण किए गए मिसाइल को ICBM श्रेणी का माना जाता है। परीक्षण से पहले जारी NOTAM (पायलटों को सूचना) में बंगाल की खाड़ी के ऊपर 3,560 किलोमीटर के क्षेत्र को 6 से 9 मई तक प्रतिबंधित किया गया था, जो एक लंबी दूरी के सामरिक मिसाइल परीक्षण की ओर स्पष्ट संकेत करता था। यह विवरण अपने आप में इस परीक्षण की ऐतिहासिक प्रकृति को रेखांकित करता है। भारत 'विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोध' की नीति और 'नो-फर्स्ट-यूज' के परमाणु सिद्धांत का पालन करता है। MIRV क्षमता इस प्रतिरोध को अत्यंत बल देती है क्योंकि एक ही मिसाइल एक साथ कई रणनीतिक लक्ष्यों को खतरे में डाल सकती है। इसका तात्पर्य यह है कि यदि कोई देश भारत पर पहले परमाणु हमला भी करे, तो भारत की जवाबी क्षमता इतनी सुरक्षित और बहुस्तरीय होगी कि शत्रु का कोई भी मिसाइल-रक्षा कवच उसे नहीं रोक पाएगा। भारत की आधिकारिक नीति 'संख्यात्मक बराबरी' की नहीं बल्कि 'विश्वसनीय प्रतिरोध' की है, और MIRV तकनीक सीमित मिसाइल भंडार से भी अधिकतम सामरिक प्रभाव प्राप्त करने की क्षमता देती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, भारतीय सेना और उद्योग भागीदारों को इस सफल परीक्षण पर बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि बढ़ती हुई खतरे की धारणाओं के संदर्भ में देश की रक्षा तैयारी में एक असाधारण क्षमता जोड़ती है। रक्षा मंत्री के शब्दों में 'बढ़ती खतरे की धारणाएँ'– यह कूटनीतिक भाषा का वह सावधान प्रयोग है जो सब कुछ कहकर भी नाम लिए बिना कह देता है। चीन के परमाणु आधुनिकीकरण अभियान – जिसमें नई MIRV-सक्षम अंतरमहाद्वीपीय मिसाइलें, विस्तारित मिसाइल साइलो और बढ़ती समुद्री परमाणु क्षमता शामिल हैं – ने उस क्षमता-अंतर को लगातार बढ़ाया है जिसे भारत के सामरिक योजनाकारों को प्रबंधित करना है। पाकिस्तान के कम-शक्ति सामरिक परमाणु हथियारों और नई वितरण प्रणालियों का विकास इस प्रतिरोध समीकरण में एक अलग, निकट-दूरी की परत जोड़ता है। भारत का यह परीक्षण इन दोनों चुनौतियों का एक शांत, परंतु अत्यंत स्पष्ट उत्तर है। MIRV-सक्षम बैलिस्टिक मिसाइल प्रणालियाँ क्षेत्रीय प्रतिरोध समीकरणों को मूलतः बदल देती हैं – वे प्रहार की लचीलेपन, उत्तरजीविता और उच्च-तीव्रता संघर्ष परिदृश्यों में मिसाइल-अवरोधन की जटिलता को बढ़ाती हैं। यही कारण है कि इस परीक्षण ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में व्यापक रणनीतिक हलचल उत्पन्न कर दी है। यह उपलब्धि केवल एक मिसाइल का परीक्षण नहीं है – यह आत्मनिर्भर भारत की उस भावना का प्रतीक है जो दशकों की अनुसंधान-साधना से उपजी है। यह उपलब्धि स्वदेशी रक्षा निर्माण के प्रति भारत के बढ़ते फोकस को भी रेखांकित करती है, जो विदेशी सैन्य तकनीक पर निर्भरता को घटाते हुए 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में एक ठोस कदम है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के वैज्ञानिक, इंजीनियर और तकनीशियन – जो वर्षों से नाम और यश से दूर, प्रयोगशालाओं में नीरव साधना करते रहे – आज राष्ट्र के असली नायक हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत ने संकेत दिया है कि संगठन तकनीकी रूप से अग्नि-6 के विकास के लिए तैयार है, जिसकी परास 10,000 किलोमीटर से अधिक होने की संभावना है, और सरकारी स्वीकृति मिलते ही इस परियोजना को आगे बढ़ाया जाएगा। यह भविष्य की दिशा का संकेत है – भारत की मिसाइल शक्ति की यात्रा यहाँ नहीं रुकती। भारत अब उन चुनिंदा देशों – अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन – की सूची में अपनी जगह सुदृढ़ कर चुका है जिनके पास MIRV तकनीक की सिद्ध क्षमता है। यह स्थान संयोग से नहीं मिला – इसके पीछे है राष्ट्रीय इच्छाशक्ति, वैज्ञानिक परिश्रम और दूरदर्शी रणनीतिक सोच का दीर्घकालिक संगम।अग्नि की यह नई ज्वाला न आक्रामकता की भाषा है, न युद्ध की चाहत – यह शांति की वह भाषा है जो सामर्थ्य से बोली जाती है। भारत का संदेश स्पष्ट हैः हम पहले कभी प्रहार नहीं करेंगे, परंतु यदि हम पर प्रहार हुआ तो हमारा उत्तर इतना व्यापक और अचूक होगा कि कोई भी रक्षा-कवच उसे रोकने में सक्षम नहीं होगा। यही विश्वसनीय प्रतिरोध की असली परिभाषा है, और यही अग्नि-5 MIRV की सबसे बड़ी उपलब्धि।

सड़कों पर दम तोड़ती गायें

डॉ. प्रियंका सौरभ (हि.स)

भारत के लगभग हर छोटे-बड़े शहर की भयावह तस्वीर अब आम होती जा रही है- कूड़े के ढेर में भोजन तलाशती गायें, प्लास्टिक निगलते बछड़े, सड़कों पर भटकते पशु और गंदगी से जूझती आबादी। एक तरफ समाज गाय को 'माता' कहकर पूजता है, दूसरी तरफ वही गायें भूख, बीमारी और इंसानों की लापरवाही के कारण सड़कों पर दम तोड़ रही हैं। यह केवल सफाई व्यवस्था की विफलता नहीं बल्कि हमारी सामाजिक संवेदनहीनता और दोहरे चरित्र का जीवंत प्रमाण है।

आज देश के अधिकांश शहरों में सुबह का दृश्य लगभग एक जैसा होता है। दूध निकालने के बाद पशुपालक अपनी गायों को खुला छोड़ देते हैं। ये पशु फिर गलियों, बाजारों और कूड़े के ढेरों में भोजन तलाशते घूमते रहते हैं। सड़ी सब्जियाँ, प्लास्टिक की थैलियाँ, मेडिकल वेस्ट और जहरीला कचरा इनके पेट में जाता है। धीरे-धीरे यही जहर उनकी मौत का कारण बनता है। कई बार ऑपरेशन में गायों के पेट से कई किलो प्लास्टिक निकलता है लेकिन समाज की संवेदनाएँ फिर भी नहीं जागतीं।

सबसे बड़ा सवाल उन पशुपालकों से है जो पशु को केवल 'दूध देने वाली मशीन' समझते हैं। जब तक गाय से कमाई होती है, तब तक उसकी पूजा होती है लेकिन जैसे ही वह सड़कों पर छोड़ दी जाती है, उसकी जिम्मेदारी खत्म मान ली जाती है। यह लालच और अमानवीयता का सबसे कुरूप चेहरा है। जिस पशु से घर चलता है, बच्चों की फीस भरती है और परिवार की आय बनती है, उसी को कचरे में मुंह मारने के लिए छोड़ देना किस संस्कृति और किस धर्म का हिस्सा है?

विडंबना यह है कि गाय के नाम पर देश में सबसे ज्यादा भावनाएँ भड़काई जाती हैं। राजनीति से लेकर धार्मिक मंचों तक 'गौ माता' का जयकारा लगाया जाता है। सोशल मीडिया पर लोग गाय को रोटी खिलाते हुए वीडियो डालते हैं और खुद को बड़ा पशु प्रेमी साबित करते हैं। लेकिन यदि सच में गाय के प्रति प्रेम और सम्मान होता तो शहरों की सड़कों पर कोई गाय भूखी, घायल या प्लास्टिक खाते दिखाई नहीं देती। आज हालात इतने खराब हो चुके हैं कि शहरों में आवारा पशु केवल अपनी जान ही नहीं गंवा रहे, बल्कि आम लोगों की जान के लिए भी खतरा बनते जा रहे हैं। सड़क दुर्घटनाओं में हर साल हजारों लोग घायल होते हैं। रात के अंधेरे में अचानक सामने आए पशु कई बार जानलेवा हादसों का कारण बनते हैं लेकिन न प्रशासन गंभीर दिखता है और न समाज।

नगर निगम और स्थानीय प्रशासन समय-समय पर अभियान चलाने की बातें करते हैं लेकिन समस्या जड़ से कभी हल नहीं होती। कुछ पशु पकड़कर गौशालाओं में भेज दिए जाते हैं, कुछ दिनों तक कार्रवाई दिखाई जाती है और फिर सब पहले जैसा हो जाता है। असल समस्या यह है कि पशुपालकों की जवाबदेही तय ही नहीं की जाती। यदि कोई व्यक्ति अपने पशु को सड़क पर छोड़ता है तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई क्यों नहीं होती?

यह संकट केवल पशुओं तक सीमित नहीं है। शहरों में फैला कचरा और गंदगी अब सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा बन चुकी है। खुले कूड़े के ढेर मच्छरों, मक्खियों और संक्रमण का घर बनते जा रहे हैं। बारिश में यही कचरा नालियाँ जाम करता है और जलभराव के साथ बीमारियों का संकट पैदा करता है। लेकिन हम सफाई को अब भी केवल सरकारी जिम्मेदारी मानकर अपने कर्तव्यों से बच निकलना चाहते हैं।

भारत 'स्मार्ट सिटी' और आधुनिक विकास के बड़े-बड़े दावे करता है। चमकती सड़कें, बड़े मॉल और ऊँची इमारतें विकास का प्रतीक बन गई हैं लेकिन असली विकास वह होता है जहाँ इंसान और पशु दोनों सम्मान और सुरक्षा के साथ जी सकें। जिस शहर में गायें कूड़े में भोजन तलाशती हों और लोग उस दृश्य को सामान्य मानकर गुजर जाएँ, वहाँ विकास केवल दिखावा है।

हमारी सबसे बड़ी समस्या यह है कि हमने संवेदनशीलता को प्रदर्शन में बदल दिया है। कैमरे के सामने दया दिखाना आसान है लेकिन व्यवस्था बदलने की मांग करना कठिन। लोग मंदिरों में दान देते हैं, धार्मिक यात्राएँ करते हैं, गाय के नाम पर बहस करते हैं लेकिन अपने आसपास फैली गंदगी और पशुओं की बदहाली पर चुप रहते हैं।

राजनीति भी इस मुद्दे पर केवल भावनात्मक लाभ उठाती रही है। चुनावों में गाय और धर्म के नाम पर भाषण दिए जाते हैं लेकिन सड़कों पर मरती गायों के लिए ठोस नीति कहीं दिखाई नहीं देती। गौशालाओं के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च होने के दावे होते हैं, फिर भी शहरों में बेसहारा पशुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। आखिर यह पैसा कहाँ जा रहा है? जवाबदेही कौन तय करेगा?

सबसे दुखद बात यह है कि बच्चों की पीढ़ी अब इस अमानवीय दृश्य की आदी होती जा रही है। रोज सड़क पर घायल पशु, कूड़े में भोजन तलाशती गायें और गंदगी का माहौल देखकर संवेदनाएँ धीरे-धीरे मरने लगती हैं। एक समाज जो अपने पशुओं तक के प्रति दयालु नहीं रह पाता, वह इंसानों के प्रति भी लंबे समय तक मानवीय नहीं रह सकता।

समाधान स्पष्ट है, बस इच्छाशक्ति की जरूरत है। सबसे पहले पशुपालकों की जिम्मेदारी तय करनी होगी। हर पशु का पंजीकरण अनिवार्य हो और पशु को सड़क पर छोड़ने पर भारी जुमार्ना लगाया जाए। नगर निकायों को आधुनिक कचरा प्रबंधन प्रणाली लागू करनी चाहिए। प्लास्टिक के खुले उपयोग और कचरे के गलत निस्तारण पर सख्ती जरूरी है। गौशालाओं की वास्तविक स्थिति का पारदर्शी ऑडिट होना चाहिए।

साथ ही समाज को भी अपने व्यवहार में बदलाव लाना होगा। सड़क पर कचरा फेंकना, प्लास्टिक खुले में छोड़ना और हर समस्या के लिए केवल सरकार को दोष देना आसान रास्ता है। शहर नागरिक अनुशासन और सामूहिक जिम्मेदारी से बदलते हैं।

आज सड़कों पर फैला कचरा और उसमें भोजन तलाशती गायें केवल बदइंतजामी का दृश्य नहीं हैं। यह हमारे समाज के नैतिक पतन का आईना हैं। गायों के नाम पर शोर बहुत है लेकिन उनकी वास्तविक पीड़ा पर खामोशी उससे भी बड़ी है। जब तक यह दोहरी मानसिकता खत्म नहीं होगी, तब तक न शहर सच में स्वच्छ होंगे, न पशु सुरक्षित होंगे और न ही हमारा समाज संवेदनशील कहलाने योग्य बचेगा।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेषः आज आपका झुकाव धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों की ओर रहेगा। मन की एकाग्रता बढ़ने से महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। चारों ओर से सकारात्मक समाचार मिलने के कारण आत्मविश्वास मजबूत होगा। लंबे समय से अटके कार्य पूरे होने की संभावना है। *(सिटी दर्पण)*

वृषभः आज आप परिवार के लोगों के साथ दिल की बातें साझा कर सकते हैं। बच्चों के साथ घूमने-फिरने या पिकनिक की योजना बन सकती है। आय के नए स्रोत बनने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। विवाह योग्य लोगों को अच्छे रिश्ते मिलने के संकेत हैं। *(सिटी दर्पण)*

मिथुनः घर-परिवार की निजी बातें बाहरी लोगों से साझा करने से बचें। होटल, रेस्टोरेंट या पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों को अच्छा लाभ मिल सकता है। मन में चल रही नकारात्मक सोच दूर होगी और उच्च शिक्षा से जुड़े प्रयास सफल रहेंगे। *(सिटी दर्पण)*

कर्कः आज अपने आसपास के लोगों पर आंख मूंदकर भरोसा न करें। अधिक थकान के कारण कार्यों में मन कम लग सकता है। धन संबंधी मामलों में लापरवाही नुकसान पहुंचा सकती है, इसलिए सावधानी जरूरी है। प्रेम संबंधों में नई ऊर्जा और ताजगी महसूस होगी। *(सिटी दर्पण)*

सिंहः राजनीति और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों की प्रतिष्ठा बढ़ सकती है। गलत नीयत रखने वाले लोगों से दूरी बनाकर रखें। इलेक्ट्रॉनिक और विद्युत उपकरणों का उपयोग सावधानी से करें। दिन का शुरूआती समय काफी शुभ रहेगा और कई कार्य आसानी से पूरे होंगे। *(सिटी दर्पण)*

कन्याः आज का दिन आपके लिए उत्साह और सकारात्मकता से भरपूर रहेगा। अपने कार्यों की जिम्मेदारी स्वयं निभाने का प्रयास करें। विवाह से जुड़ी बातचीत आगे बढ़ सकती है। नौकरी और व्यवसाय का वातावरण आपके पक्ष में रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

तुलाः कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारी आपके काम से बेहद संतुष्ट रहेंगे। लोग आपके विचारों और सुझावों को महत्व देंगे। धीरे-धीरे आप अपने खर्चों पर नियंत्रण पाने में सफल रहेंगे। प्रेमीजन के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिकः आज धैर्य और संयम के साथ कार्य करना आपके लिए बेहद जरूरी रहेगा। किसी पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करना नुकसानदायक हो सकता है। जीवनसाथी की भावनाओं को समझने का प्रयास करें। बेकार की चचाओं और विवादों में समय नष्ट न करें। *(सिटी दर्पण)*

धनुः आज आप अपने दिल की बातें प्रियजन से साझा कर सकते हैं। आपकी व्यवहार कुशलता और मधुर स्वभाव की लोग प्रशंसा करेंगे। व्यापार या कार्य का विस्तार करने की योजना बना सकते हैं। कार्यस्थल पर नए लोगों से परिचय बढ़ेगा, जो भविष्य में लाभदायक साबित हो सकता है। *(सिटी दर्पण)*

मकरः कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों से सतर्क रहें, क्योंकि कोई व्यक्ति आपके भरोसे को तोड़ सकता है। व्यापारिक यात्रा के योग बन रहे हैं। आज नए काम की शुरूआत करने से बचना बेहतर रहेगा। पेट दर्द या पाचन संबंधी समस्या परेशान कर सकती है। *(सिटी दर्पण)*

कुंभः आज आपकी मेहनत का शानदार परिणाम देखने को मिलेगा। छोटी-छोटी गलतियों को सुधारने का प्रयास भविष्य में लाभ देगा। नई नौकरी या बेहतर अवसर मिलने की संभावना है। आप अपनी छिपी हुई प्रतिभा को निखारने में सफल रहेंगे। *(सिटी दर्पण)*

मीनः आज अनैतिक या विवाहेतर संबंधों से दूरी बनाकर रखें। परिवार और समाज में अपनी प्रतिष्ठा को लेकर मन चिंतित रह सकता है। प्रतिद्वंद्वियों को हल्के में लेना आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। व्यवसाय में उम्मीद के अनुसार परिणाम न मिलने से बदलाव करने का विचार मन में आ सकता है। *(सिटी दर्पण)*

सोमनाथ : आस्था, संकल्प और पुनर्जागरण की अनंत धारा

गजेन्द्र सिंह शेखावत

॥ॐ नमः शिवाय॥

न हन्यते हन्यमाने शरीरे

(शरीर के नष्ट होने पर भी आत्मा नष्ट नहीं होती।)

भगवद्गीता 2.20

श्रीमद्भगवद्गीता के इस श्लोक में निहित भाव और भारतीय सभ्यता की सनातन चेतना का सबसे जीवंत स्वरूप गुजरात के काठियावाड़ क्षेत्र के दक्षिणी तट पर स्थित सोमनाथ मंदिर में दिखाई देता है। बारह ज्योतिलिंगों में प्रथम माने जाने वाले सोमनाथ ने इतिहास में अनेक आक्रमणों और विनाश को सहा, लेकिन हर बार फिर खड़ा हुआ और उसकी आरती, घंटियों और श्रद्धा की ध्वनि कभी थमी नहीं।

भारतीय इतिहास के हजारों वर्षों में सनातन धर्म ने कई तरह की चुनौतियों का सामना किया। राजनीतिक परिवर्तन, आक्रमण और सत्ता परिवर्तन के दौर में मंदिरों, मठों और ज्ञान केंद्रों को नुकसान पहुंचाया गया, उनकी संरचनाएं बदली गईं और उन्हें संरक्षण देने वाली व्यवस्थाएं भी प्रभावित हुईं। इसके बावजूद भारतीय आध्यात्मिक परंपरा न केवल जीवित रही, बल्कि समय के साथ स्वयं को पुनर्स्थापित भी करती रही। इसकी सबसे बड़ी शक्ति यही रही कि संस्थागत क्षति और राजनीतिक अस्थिरता के बावजूद इसकी आत्मा कभी समाप्त नहीं हुई।

प्राचीन और मध्यकालीन भारत में मंदिर केवल पूजा के स्थल नहीं थे, बल्कि आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक जीवन के भी केंद्र थे। राजसत्ता से उनके गहरे संबंध के कारण वे युद्ध और संघर्ष के समय सबसे पहले निशाने पर आए। महमूद गजनवी द्वारा सोमनाथ पर किया गया आक्रमण इतिहास की सबसे चर्चित घटनाओं में से एक है। फारसी ग्रंथों में इसे विजय के रूप में प्रस्तुत किया गया, जबकि भारतीय परंपरा में इसे पीड़ा, संघर्ष और पुनर्निर्माण की कथा के रूप में याद किया गया। लेकिन ऐतिहासिक सत्य यह है कि सोमनाथ कभी श्रद्धा से विलुप्त नहीं हुआ। चालुक्य शासकों सहित अनेक राजाओं ने इसका पुनर्निर्माण कराया और यह निरंतर आस्था का केंद्र बना रहा। ऐसी अनेक घटनाएं भारत के अन्य हिस्सों में भी देखने को मिलती हैं।

सोमनाथ का इतिहास केवल एक आक्रमण की कहानी नहीं है। प्राचीन काल से ही प्रभास पाटन एक महान तीर्थभूमि रहा है। इसे विभिन्न ग्रंथों और परंपराओं में प्रभास-पट्टन, शिव-पट्टन और प्रभास-तीर्थ जैसे नामों से जाना गया। यहां तीन पवित्र नदियों का संगम होता है और यही वह स्थान माना जाता है जहां भगवान श्रीकृष्ण के देहत्याग के बाद उनका अंतिम संस्कार हुआ। निकट ही वैराग्य क्षेत्र और गोपी तालाब स्थित हैं, जहां से गोपी चंदन प्राप्त होता है। इस संपूर्ण क्षेत्र की यात्रा को भारतीय तीर्थ परंपरा में अत्यंत पवित्र माना गया है। काठियावाड़ और गुजरात की प्राचीन धरोहरों पर आधारित कई

ऐतिहासिक अभिलेखों और पुरातात्विक रिपोर्टों में भी इस क्षेत्र का उल्लेख मिलता है।

सोमनाथ भारत की समावेशी सांस्कृतिक परंपरा का भी प्रतीक है। यह शैव और वैष्णव परंपराओं के अद्भुत संगम का केंद्र है और हमें यह याद दिलाता है कि भारतीय संस्कृति हमेशा से बहुलतावादी और समावेशी रही है।

स्वतंत्र भारत में सोमनाथ के पुनर्जागरण का आधुनिक अध्याय 12 नवंबर 1947, दीपावली के दिन आरंभ हुआ, जब देश के प्रथम उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने इस पवित्र स्थल का दौरा किया। विभाजन की पीड़ा के बीच सरदार पटेल ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया। यह केवल एक मंदिर के पुनर्निर्माण का निर्णय नहीं था, बल्कि राष्ट्रीय चेतना को पुनर्जीवित करने का एक ऐतिहासिक प्रयास था। इसके बाद सोमनाथ को एक सांस्कृतिक और बौद्धिक केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य प्रारंभ हुआ।

11 मई 1951 को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में प्रातःकाल संपन्न हुई प्राण-प्रतिष्ठा ने पूरे राष्ट्र की सांस्कृतिक स्मृति और आत्मविश्वास को नई शक्ति प्रदान की।

आज जब भारत 'भारत@2047' की ओर बढ़ रहा है, तब सोमनाथ से जुड़े ये सभ्यतागत मूल्य और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। तकनीकी बदलाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के इस दौर में भारत दुनिया को यह संदेश देता है कि विकास का अर्थ करुणा को त्यागना नहीं है और शक्ति का अर्थ संयम को छोड़ देना नहीं है। सोमनाथ हमें सिखाता है कि सच्चा नेतृत्व केवल सामर्थ्य से नहीं, बल्कि स्मृति, विवेक और मानवीय मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता से निर्मित होता है।

इसी दृष्टि से 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व 2026-27' की परिकल्पना की गई है। यह वर्षभर चलने वाला राष्ट्रीय आयोजन सोमनाथ ज्योतिर्लिंग की आध्यात्मिक शक्ति, सांस्कृतिक निरंतरता और सभ्यतागत चेतना को समर्पित है। सदियों तक अनेक बार विध्वंस झेलने के बाद भी जिस प्रकार समाज के सामूहिक संकल्प से सोमनाथ पुनः स्थापित होता रहा, वह भारत की सांस्कृतिक आत्मशक्ति और राष्ट्रीय स्वाभिमान का जीवंत उदाहरण है।

8 से 11 जनवरी 2026 के बीच प्रारंभ हुए इस पर्व के माध्यम से दो महत्वपूर्ण ऐतिहासिक पड़ावों को स्मरण किया जा रहा है - 1026 में सोमनाथ पर हुए प्रथम दर्ज आक्रमण के एक हजार वर्ष और स्वतंत्रता के बाद 1951 में पुनर्निर्मित मंदिर के पुनः उद्घाटन के 75 वर्ष।

इस आयोजन का उद्देश्य सोमनाथ को राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक चेतना और सामूहिक स्मृति के प्रतीक के रूप में स्थापित करना है। 11 मई 2026 को आयोजित होने वाले प्रमुख राष्ट्रीय कार्यक्रम तक देशभर में यात्राएं, सांस्कृतिक आयोजन, संवाद, शैक्षिक कार्यक्रम और विभिन्न ज्योतिलिंगों, राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, जिलों और शिवालयों में समन्वित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, जो श्री सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष भी हैं, सोमनाथ ने एक नए पुनर्जागरण का दौर देखा है। प्रशासनिक सुधार, आधारभूत संरचना का विकास, धरोहर संरक्षण और सांस्कृतिक पहलों ने सोमनाथ को एक जीवंत आध्यात्मिक केंद्र के रूप में और अधिक सशक्त किया है। पर्यावरणीय संतुलन और महिला-सशक्तिकरण आधारित सेवा पहलों के माध्यम से यह दिखाया गया है कि भारतीय सभ्यतागत मूल्य आधुनिक जिम्मेदारियों और समावेशिता के साथ कैसे आगे बढ़ सकते हैं। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व आधुनिक समाज को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का एक प्रयास है। यह हमें याद दिलाता है कि सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं है। इसकी वास्तविक शक्ति उन मूल्यों, परंपराओं और जिम्मेदारियों में है, जिन्हें पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाया जाता रहा है। इसी कारण आज सोमनाथ केवल पुनर्निर्मित मंदिर नहीं, बल्कि एक जीवंत तीर्थ है।

इक्कीसवीं सदी में आगे बढ़ते भारत के लिए सोमनाथ एक महत्वपूर्ण संदेश देता है – कोई भी सभ्यता तब मजबूत रहती है जब वह अपनी जड़ों से जुड़ी रहे, समय के साथ स्वयं को ढालती रहे और सभी को साथ लेकर चले।

सोमनाथ की यह विरासत हमें निरंतर प्रेरित करती रहे – उद्देश्यपूर्ण निर्माण करने के लिए, संतुलित आचरण के लिए और अपनी पहचान के प्रति सजग रहते हुए आगे बढ़ने के लिए।

जय सोमनाथ!

वंदे मातरम!

सोमनाथ से सिंदूर तक: पुनरुत्थानशील भारत की भावना

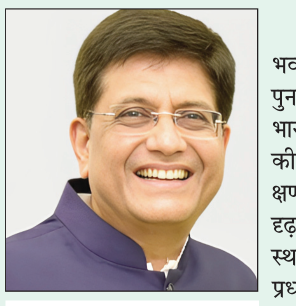

पीयूष गोयल

75 वर्ष पहले किया गया भव्य सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण और प्राण-प्रतिष्ठा भारत के सभ्यतागत गौरव की पुनर्स्थापना का निर्णायक क्षण था। इसने भारत की उस दृढ़ता और संकल्प को पुनः स्थापित किया, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' मिशन का मूल आधार है।

इस पवित्र उपलब्धि की 75वीं वर्षगांठ राष्ट्र को भारतीय सभ्यता की मजबूत नींव और शक्ति पर सर्वोच्च विश्वास प्रदान करती है, जो 1,000 वर्षों तक कट्टरपंथियों द्वारा मंदिर पर किए गए भीषण हमलों को झेलने के बाद भी और अधिक सशक्त होकर उभरी।

गुजरात के शांत समुद्र तट पर स्थित यह मंदिर हर आक्रमण के बाद खंडहरों से अपनी पूरी भव्यता के साथ फिर उठ खड़ा हुआ। कई मायनों में इसका इतिहास भारत के अतीत का प्रतिबिंब है, जहाँ हमारे शांतिप्रिय लोगों ने अपनी आस्था, संस्कृति और विरासत पर हुए क्रूर हमलों के बाद फिर से मजबूती से वापसी की।

जैसा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, जिस प्रकार सोमनाथ को नष्ट करने के लिए बार-बार षड्यंत्र और प्रयास हुए, उसी प्रकार विदेशी आक्रमणकारियों ने सदियों तक भारत को समाप्त करने की कोशिश की। फिर भी न तो यह पूजनीय तीर्थ नष्ट हुआ और न ही भारत।

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि सोमनाथ पर हमलों का उद्देश्य लूटपाट से ज्यादा खतरनाक था। उन्होंने कहा, 'यदि हमले केवल लूट के लिए होते, तो एक हजार वर्ष पहले हुई पहली बड़ी लूट के बाद ही रुक गए होते। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सोमनाथ की पवित्र मूर्ति को अपवित्र किया गया, मंदिर के स्वरूप को बार-बार बदला गया। और हमें यह सिखाया गया कि सोमनाथ को केवल लूट के लिए नष्ट किया गया था। घृणा, उत्पीड़न और आतंक का यह क्रूर इतिहास हमसे छिपाया गया।'

नेहरू का विरोध- स्वतंत्रता के बाद सरदार पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण के मिशन का नेतृत्व किया। यह नवस्वतंत्र भारत में राष्ट्रीय आत्मविश्वास की प्रारंभिक अभिव्यक्तियों में से एक था। लेकिन इस प्रयास की राह में भी मुश्किलें आईं। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इसके ऐतिहासिक लोकार्पण समारोह में तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के शामिल होने का औपचारिक तौर पर विरोध किया। इसके बावजूद राष्ट्रपति ने 11 मई 1951 को मंदिर का लोकार्पण किया।

सदियों के क्रूर उत्पीड़न के बाद इस पुनर्निर्माण ने भारत में सांस्कृतिक पुनर्जागरण और सभ्यता पर गर्व के बीज बोए। काशी विश्वनाथ और उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर के पुनरुद्धार से लेकर अयोध्या में भव्य राम मंदिर तक; केदारनाथ के पुनर्जीवन से लेकर असंख्य धरोहर स्थलों के संरक्षण तक – भारत अपनी सभ्यता की कहानी को गरिमा और उद्देश्य के साथ पुनः स्थापित कर रहा है। इन प्रयासों से पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार एवं व्यापार के अनेक अवसरों का सृजन हो रहा है।

वैश्विक पहचान- सोमनाथ की ही भांति भारत भी और अधिक सशक्त होकर उभरा है। यह विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था होने के साथ-साथ अपनी समृद्ध विरासत और आधुनिकता के अद्वितीय संगम के लिए वैश्विक पहचान बना रहा है। 2014 में जब देश भारी बहुमत से मोदी सरकार को सत्ता में लाया, तो संयुक्त राष्ट्र महासभा ने रिकॉर्ड 175 देशों के समर्थन से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव पारित किया। योग आज एक वैश्विक वेलनेस मुहिम बन चुका है, जिसने दुनिया की सभी संस्कृतियों के लोगों को लाभ पहुंचाया है।

एक दशक बाद, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पश्चिम एशिया में संयुक्त अरब अमीरात सरकार द्वारा उपहार में दी गई भूमि पर बने एक भव्य मंदिर का लोकार्पण किया। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने बहरीन में 200 वर्ष पुराने मंदिर के पुनर्निर्माण कार्य का शुभारंभ किया था। वह नियमित रूप से प्रवासी भारतीयों से संवाद करते हैं जिससे वे भारतीय सांस्कृतिक विरासत का गौरवशाली दूत बन जाते हैं।

आयुष और योग का वैश्वीकरण-भारत की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों से जुड़े पेशेवरों के लिए वैश्विक अवसरों का सृजन करना, हाल के वर्षों में भारत द्वारा विकसित देशों के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। हमारे कारीगरों, श्रमिकों, किसानों, मछुआरों, छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप्स के लिए लाभकारी वैश्विक अवसरों का सृजन करने के साथ-साथ ये समझौते प्रधानमंत्री के 'विकास भी, विरासत भी' के विजन को आगे बढ़ाते हैं।

हाल ही में न्यूजीलैंड के साथ संपन्न एफटीए पारंपरिक चिकित्सा और समग्र स्वास्थ्य सेवाओं में भारत की वैश्विक पहुँच में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसमें आयुष चिकित्सकों और योग प्रशिक्षकों के साथ-साथ भारतीय सांस्कृतिक एवं ज्ञान-आधारित पेशेवरों को न्यूजीलैंड में कार्य करने के लिए वीजा कोटा प्रदान किया गया है।

यह एफटीए आयुर्वेद, योग और अन्य पारंपरिक चिकित्सा सेवाओं के व्यापार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करता है तथा आयुष को समकालीन और वैश्विक रूप से प्रासंगिक स्वास्थ्य समाधान के रूप में स्थापित करता है।

ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और ऑस्ट्रेलिया के साथ हुए व्यापार समझौतों में भी इसी प्रकार के प्रावधान हैं। यूरोपीय संघ के साथ एफटीए आयुष चिकित्सकों को भारत में प्राप्त व्यावसायिक योग्यता के आधार पर यूरोपीय देशों में सेवाएँ देने की अनुमति देगा। यह यूरोपीय संघ के सदस्य देशों में आयुष वेलनेस सेंटर और क्लीनिक बनाने में भी मदद करता है।

नई चुनौतियों पर विजय-जहाँ एक ओर भारत की सांस्कृतिक विरासत दुनिया का ध्यान आकृष्ट कर रही है, वहीं देश कट्टरपंथियों के निशाने पर बना हुआ है, जो आतंकवाद और घुसपैठ के माध्यम से भारत की सामंजस्यपूर्ण विरासत को बिगाड़ रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में नया भारत ऐसी चुनौतियों का जोरदार जवाब देता है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से भारत ने आतंकवादियों और सीमा पार मौजूद उनके संरक्षकों को करारा सबक सिखाया। हाल के विधानसभा चुनावों में पश्चिम बंगाल के मतदाताओं ने उन दलों को नकार दिया, जो घुसपैठियों का समर्थन कर रहे थे, वोट-बैंक की राजनीति कर रहे थे और भारत की सांस्कृतिक विरासत को कमजोर कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन सिंदूर और सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण, दोनों की वर्षगांठ में कुछ ही दिनों का अंतर है। ये दोनों ही भारत की दृढ़ता और शक्ति को दशार्ती हैं।

सोमनाथ की कहानी अंततः राजनीति से कहीं आगे है। यह एक ऐसी सभ्यता की दास्तान है, जिसने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया। अपने पुनर्निर्माण के 75 वर्ष बाद, आज सोमनाथ केवल मंदिर नहीं, बल्कि भारत की दृढ़ता, निरंतरता और राष्ट्रीय आत्मविश्वास का कालजयी प्रतीक बनकर खड़ा है।

(लेखक केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री हैं।)

स्कूली शिक्षा में पंजाब ने केरल को पछाड़ा, नीति आयोग की रिपोर्ट में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला राज्य बना: हरजोत सिंह बैंस

नीति आयोग ने शिक्षा में शहरी-ग्रामीण अंतर को कम करने के लिए पंजाब की सराहना की

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए पंजाब को भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला राज्य घोषित किया गया है। नीति आयोग की शिक्षा गुणवत्ता रिपोर्ट 2026 में पंजाब ने स्कूल शिक्षा के महत्वपूर्ण बुनियादी मानकों में लंबे समय से अग्रणी रहे केरल को पीछे छोड़ दिया है।

प्रणालीगत सुधारों और जमीनी स्तर पर किए गए समर्पित प्रयासों से हासिल इस उपलब्धि को पंजाब युग की शुरूआत बताते हुए पंजाब के शिक्षा मंत्री स हरजोत सिंह बैंस ने कहा, यह सम्मान हर उस माता-पिता, विद्यार्थी और शिक्षक का है जिसने सरकारी स्कूलों पर भरोसा बनाए रखा। यह उपलब्धि एक दिन में हासिल नहीं हुई, बल्कि बेहतर नीति, मजबूत इरादों और प्रभावी अमल का परिणाम है, जिससे बेहतर नतीजे सामने आए हैं।

नीति आयोग की रिपोर्ट के विवरण साझा करते हुए उन्होंने कहा, पंजाब ने तीसरी कक्षा की भाषा दक्षता में 82 प्रतिशत और गणित में 78 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं, जबकि केरल ने क्रमशः 75 प्रतिशत और 70 प्रतिशत अंक हासिल किए। नौवीं कक्षा के गणित में पंजाब ने 52 प्रतिशत दक्षता दर्ज की, जो केरल के 45 प्रतिशत से अधिक है।

पंजाब सरकार द्वारा किए गए सुधारों के सार्थक प्रभावों को रेखांकित करते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में मिशन समर्थ और स्कूल ऑफ एमिनेंस कार्यक्रमों के तहत कोविड महामारी के बाद किए गए सुधारों के ठोस परिणाम अब सामने आ रहे हैं।

नीति आयोग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने आगे कहा, राज्य के 99.9 प्रतिशत सरकारी स्कूलों में अब बिजली उपलब्ध है, 99 प्रतिशत स्कूलों में

- मान सरकार के शिक्षा सुधारों ने लाया बदलाव, पंजाब के सरकारी स्कूल बुनियादी शिक्षा में केरल से बेहतर प्रदर्शन कर रहे
- स्कूल ऑफ एमिनेंस से लेकर विश्वस्तरीय शिक्षक प्रशिक्षण तक, पंजाब की शिक्षा क्रांति को राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान

कार्यशील कंप्यूटर मौजूद हैं और 80 प्रतिशत से अधिक स्कूल स्मार्ट क्लासरूम से लैस हैं। इसके अलावा, दसवीं कक्षा के 90 प्रतिशत से अधिक विद्यार्थी अब ग्यारहवीं कक्षा में दाखिला ले रहे हैं। यह स्कूल छोड़ने की दर में तेजी से आई गिरावट को दशार्ता है। विद्यार्थी-शिक्षक अनुपात अब 22:1 हो गया है।

रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए हरजोत सिंह बैंस ने कहा, नीति आयोग ने शिक्षा के क्षेत्र में शहरी और ग्रामीण अंतर को कम करने तथा गांवों के विद्यार्थियों और लड़कियों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने के प्रयासों की विशेष रूप से सराहना की है। पंजाब द्वारा विश्व के सर्वोत्तम शैक्षिक मॉडल अपनाने से सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों की प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में सफलता दर तेजी से बढ़ी है। अब तक सरकारी स्कूलों के 786 विद्यार्थियों ने जेईई मेन परीक्षा पास की है और 1,284 विद्यार्थी नीट परीक्षा में सफल हुए हैं।

अध्यापक प्रशिक्षण और बुनियादी ढांचे के विस्तार के बारे में जानकारी देते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा, फिनलैंड और सिंगापुर में शुरू किए गए शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के जमीनी स्तर पर सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। इससे साबित होता है कि हमारे कक्षाएं विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा के योग्य हैं। पंजाब सरकार ने 13,000 शिक्षकों और स्टाफ की भर्ती की है तथा लगभग 3 लाख विद्यार्थियों के लिए इंग्लिश एज कार्यक्रम शुरू किया गया है। इसके अतिरिक्त 118 स्कूल ऑफ एमिनेंस खोले जा रहे हैं।

हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि बेहतर नीति, स्पष्ट इरादों और प्रभावी अमल से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जा सकती है और पंजाब के शिक्षकों ने यह साबित कर दिखाया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जमीनी स्तर पर किए गए शिक्षा सुधारों को अब नीति आयोग ने भी प्रमाणित कर दिया है। सरकारी स्कूलों के बच्चे अब केवल शिक्षा प्राप्त नहीं कर रहे, बल्कि देश का नेतृत्व भी कर रहे हैं।

भगवंत मान सरकार की मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना ने किडनी स्टोन और शुगर से जूझ रही पटियाला की महिला को दी बड़ी राहत

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/पटियाला

पटियाला में जब सूरज निकलता था, तब 46 वर्षीय सुनीता रानी उससे कई घंटे पहले ही जाग चुकी होती थीं। उनके लिए नींद लेना मुश्किल हो गया था। कमर के निचले हिस्से में लगातार दर्द रहता था, जो खड़े होते ही शरीर के एक तरफ तेजी से फैल जाता था। हर सुबह उनके पैर पहले से अधिक सूजे हुए होते थे और रसोई तक चलकर जाना भी थकावट भरा हो गया था। वे बीच-बीच में रुक जाती थीं, एक हाथ दीवार पर और दूसरा पेट पर रखकर दर्द कम होने का इंतजार करती थीं।

दर्द के बावजूद सुनीता ने अपने रोजमर्रा के काम जारी रखे और उम्मीद करती रहीं कि समस्या अपने आप ठीक हो जाएगी। लेकिन जब दर्द और सूजन बढ़ने लगी तो परिवार ने उन्हें डॉक्टर के पास जाने के लिए कहा। इसी दौरान उन्हें मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत मिल रही सुविधाओं के बारे में पता चला, जिसके बाद उन्होंने अपने परिवार सहित पंजीकरण करवाने का फैसला किया।

सुनीता ने तुरंत योजना के तहत पंजीकरण करवाया और अपने परिवार के लिए स्वास्थ्य कार्ड बनवाया। इलाज के लिए उन्हें माता कौशल्या अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां डॉक्टरों ने विस्तृत जांच के बाद पता लगाया कि उनके यूरेटर में किडनी स्टोन फंसा हुआ है। डॉक्टरों ने यह भी बताया कि उनकी शुगर और गंभीर सूजन का इलाज किए बिना सर्जरी करना सुरक्षित नहीं होगा।

अपना अनुभव साझा करते हुए सुनीता रानी ने कहा, जब दर्द असहनीय हो गया तो मैंने मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत पंजीकरण करवाया और अपने परिवार का स्वास्थ्य कार्ड बनवाया। डॉक्टरों ने जांच के बाद किडनी स्टोन की पुष्टि की। मेरा शुगर लेवल बहुत ज्यादा था और शरीर में काफी सूजन थी, इसलिए डॉक्टरों ने पहले इन दोनों समस्याओं को नियंत्रित करने के लिए इलाज शुरू किया।

उन्होंने आगे कहा, मैं नियमित रूप से अस्पताल में चेक-अप के लिए जा रही हूं और डॉक्टर लगातार मेरी स्थिति पर नजर रख रहे हैं। अब सूजन कम हो गई है और शुगर को नियंत्रित रखने के लिए मेरी दवाइयां भी बदल दी गई हैं। सुनीता रानी इस बात से खुश हैं कि उनका इलाज कैशलैस तरीके से हो रहा है। उन्होंने कहा, मुझे अभी 10 दिनों का और इलाज दिया गया है, जिसके बाद डॉक्टर ऑपरेशन की तारीख तय करेंगे। शुरूआती इलाज से लेकर आने वाले दिनों में होने वाली सर्जरी तक, मुझे किसी भी प्रकार की राशि का भुगतान नहीं करना पड़ेगा। यह मेरे लिए बहुत बड़ी राहत और सुकून की बात है।

डॉक्टरों के अनुसार शुगर, शरीर में पानी की कमी और अस्वस्थ खानपान की आदतों के कारण किडनी स्टोन के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि इलाज में देरी होने से गंभीर संक्रमण और अन्य जटिलताएं पैदा हो सकती हैं। इसलिए समय रहते जांच और चिकित्सकीय सहायता लेना बेहद जरूरी है।

सुनीता और उनके परिवार के लिए मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना मुश्किल समय में बड़ी राहत साबित हुई। इस योजना के तहत उन्हें तुरंत पंजीकरण, नियमित चिकित्सकीय निगरानी, किफायती इलाज और विशेषज्ञ डॉक्टरों तक बिना आर्थिक बोझ के पहुंच मिली। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि इससे परिवार को यह भरोसा मिला कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं अब उनकी पहुंच में हैं।

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने टीम के लिए दरबार साहिब में की अरदास

एजेंसी (हि.स.)
अमृतसर

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री प्रीति जिंटा शनिवार देर रात श्री दरबार साहिब अमृतसर में माथा टेकने पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने श्री दरबार साहिब में माथा टेका और सरबत के भले की अरदास की। प्रीति जिंटा को देखने के लिए संगत में उत्साह देखने को मिला और कई श्रद्धालुओं ने उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। गुरुद्वारा साहिब में माथा टेकने के बाद प्रीति जिंटा ने लंगर हॉल में सेवा भी निभाई। उन्होंने संगत को रोटी वितरित की और सेवा भाव के साथ अपनी श्रद्धा प्रकट की। मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि वाहेगुरु जी का बुलावा आया था, इसलिए हम यहां आए हैं। उन्होंने बताया कि 11 तारीख को उनकी क्रिकेट टीम का एक महत्वपूर्ण मुकाबला है, जिसके लिए उन्होंने जीत की अरदास की है। उन्होंने विश्वास जताया कि वाहेगुरु जी की कृपा से उनकी टीम शानदार प्रदर्शन करेगी और हर मैच जीतने की पूरी कोशिश करेगी। इस दौरान उन्होंने श्रेयस अय्यर का जिक्र करते हुए कहा कि पंजाब के लोग उन्हें प्यार से ह्लसरपंचह्व कहते हैं, जो टीम के लिए गर्व की बात है। प्रीति जिंटा ने पंजाब के युवाओं और क्रिकेट प्रेमियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि टीम को लोगों से भरपूर प्यार और समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यही समर्थन खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाता है और टीम की सबसे बड़ी ताकत है।

विदेशों में बसे पंजाबियों से 13 मई को रूबरू होंगे एन.आर.आई. मंत्री डॉ. रवजोत सिंह

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

विदेशों में बसे पंजाबियों की समस्याओं और शिकायतों को सुनने तथा उनके समयबद्ध निपटारे को सुनिश्चित करने के लिए पंजाब सरकार द्वारा 13 मई 2026, बुधवार को सुबह 11:00 बजे (भारतीय समयानुसार) ऑनलाइन मिलनी का आयोजन किया जा रहा है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए पंजाब के एन.आर.आई. मामलों के मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने बताया कि इस ऑनलाइन मिलनी के दौरान वे विदेशों में रह रहे पंजाबियों के साथ सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं, शिकायतों और सुझावों को सुनेंगे। उन्होंने कहा कि इस दौरान प्राप्त होने वाली शिकायतों के त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए संबंधित विभागों और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे। डॉ. रवजोत सिंह ने बताया कि संबंधित व्यक्ति अपनी शिकायतें ल्ल्र२-३ी१.स्त्रं@स्त्र४ल्लु्ॅ.ङ्क५.ल्ल ईमेल पर भेज सकते हैं। इसके अलावा, ऑनलाइन मिलनी में भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन लिंक के माध्यम से करवाया जा सकता है। उन्होंने आगे बताया कि निर्धारित दिन और समय के अनुसार ऑनलाइन मिलनी में शामिल होने के लिए 8833894922 लिंक का उपयोग किया जा सकता है। जॉइन करने के लिए आई.डी. 8833894922 तथा पासवर्ड 742627 होगा। एन.आर.आई. मंत्री ने विदेशों में बसे समस्त पंजाबियों से इस ऑनलाइन मिलनी में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है ताकि उनकी समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

बलबीर सिंह सिद्धू ने आम आदमी पार्टी पर मोहाली में बड़े पैमाने पर फर्जी वोट बनवाने के लगाए आरोप

सिटी दर्पण संवाददाता
एस.ए.एस. नगर

वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं पंजाब के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह सिद्धू ने आम आदमी पार्टी पर आगामी मोहाली नगर निगम चुनाव के लिए हर वार्ड में बड़े स्तर पर फर्जी वोट बनवाने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने राज्य चुनाव आयुक्त से तुरंत हस्तक्षेप कर बनाए जा रहे फर्जी वोट रद्द करने की मांग की है।

आज यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री सिद्धू ने कहा कि आम आदमी पार्टी मोहाली नगर निगम पर हर हाल में कब्जा करने की नीयत से हर वार्ड में लगभग 300 फर्जी वोट बनवा रही है। उन्होंने बताया कि बाहरी लोगों की मोहाली शहर में वोट बनवाने के लिए धड़ल्ले से फर्जी किरायानामे तैयार किए जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि पिछले एक महीने में बने किरायानामों का एक जैसा प्रारूप और एक ही व्यक्ति द्वारा सत्यापन इस बात का प्रमाण है कि सभी वार्डों के दस्तावेज एक ही जगह बैठकर तैयार किए गए हैं।

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि वार्ड नंबर 42 में 304 नई वोटें जोड़कर मतदाताओं की संख्या 678 से बढ़ाकर 982 कर दी गई है। उन्होंने कहा कि इसी तरह वार्ड नंबर 5 में भी बड़े पैमाने पर फर्जी वोट बनाई जा रही हैं, जहां से आम आदमी पार्टी एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की पत्नी को चुनाव लड़ाने की तैयारी कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि मोहाली नगर निगम में हाल ही में शामिल किए गए आई.टी. सिटी वाले वार्ड में भी बड़े पैमाने पर फर्जी वोट बनाई जा रही हैं। श्री सिद्धू ने कहा कि इन कथित फर्जी मतदाताओं में से कई की तस्वीरें भी वोटर सूची में नहीं लगी हुई हैं, जिससे यह आशंका भी पैदा होती है कि इन वोटों का इस्तेमाल अन्य लोग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इन वार्डों में एक-एक घर में बीस से अधिक वोटें बनाई गई हैं। कांग्रेसी नेता ने फर्जी वोट बनाने की इस प्रक्रिया को लोकतंत्र की खुली हत्या करार देते हुए कहा कि वह कल यह पूरा मामला राज्य चुनाव आयुक्त के ध्यान में लाकर मांग करेंगे कि इस गंभीर मामले में तुरंत हस्तक्षेप कर फर्जी वोट बननी बंद करवाई जाएं। उन्होंने कहा कि वह चुनाव आयुक्त से यह भी मांग करेंगे कि वोट बनाने की प्रक्रिया की निगरानी के साथ-साथ किसी वरिष्ठ अधिकारी को विशेष जांच की जिम्मेदारी भी सौंपी जाए। श्री सिद्धू ने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेताओं ने कुछ महीने पहले पंजाब के असल शासक मनीष सिसोदिया द्वारा पढ़ाए गए साम, दाम, दंड, भेद के अनैतिक पाठ को लागू करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जमीनी स्तर पर लोकतंत्र और मानवाधिकारों की इस कथित हत्या को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेगी और जरूरत पड़ने पर इस फर्जीवाड़े को रोकने के लिए पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाया जाएगा।

ग्लोबल साउथ में चिकित्सा उपकरण नीतियों को सक्षम बनाना विषय पर नाईपर मोहाली में 11 से 22 मई तक आईटेक कार्यक्रम 2026 का आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
मोहाली

राष्ट्रीय औषधि शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर), मोहाली के चिकित्सा उपकरण विभाग द्वारा भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग कार्यक्रम के अंतर्गत ग्लोबल साउथ में चिकित्सा उपकरण नीतियों को सक्षम बनाना विषय पर दो सप्ताह का अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 11 से 22 मई 2026 तक नाईपर, मोहाली, पंजाब के कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य चिकित्सा उपकरण क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को सुदृढ़ करना तथा विशेष रूप से ग्लोबल साउथ के देशों में क्षमता निर्माण को बढ़ावा देना है। इस पहल के अंतर्गत 25 अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों सहित शोधकताओं, नीति-निमार्ताओं, चिकित्सकों, वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों एवं उद्योग विशेषज्ञों को एक मंच पर लाया जाएगा, जहाँ वे चिकित्सा उपकरणों के क्षेत्र में उभरती प्रौद्योगिकियों, नियामक ढाँचों, विनिर्माण प्रक्रियाओं, ट्रांस्लेशनल रिसर्च तथा इनोवेटिव इकोसिस्टम पर विचार-विमर्श करेंगे।

कार्यक्रम का उद्घाटन 11 मई 2026 को प्रातः 10:30 बजे नाईपर, मोहाली के निदेशक प्रो. दुलाल पांडा द्वारा कन्वेंशन सेंटर, में किया जाएगा। बारह दिवसीय इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ व्याख्यान, व्यवहारिक प्रशिक्षण सत्र, संस्थागत भ्रमण, फील्ड विजिट तथा नेटवर्किंग अवसरों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के प्रमुख विषय निम्नलिखित हैं :

स्टेम सेल इंजीनियरिंग एवं बायो मेडिकल उपकरण

3डी बायोप्रिंटिंग एवं टिश्यू इंजीनियरिंग

बायोसेंसर एवं पैथोजन डीटेकशन प्रौद्योगिकियाँ

चिकित्सा उपकरणों का स्टेरिलाइजेशन एवं गुणवत्ता नियंत्रण

ोबोटिक पुनर्वास उपकरण एवं बायोमैकेनिक्स

ड्ड ऑर्थोपेडिक नवाचार एवं जैव-चिकित्सीय फोटोथर्मल अनुप्रयोग

कैंसर सेंसिंग एवं इमेजिंग प्रौद्योगिकियाँ

भारत एवं वैश्विक स्तर पर चिकित्सा उपकरणों के नियामक ढाँचे

जीएमपी-अनुपालक सुविधा संचालन एवं क्लीनरूम प्रक्रियाएँ

पॉलिमर सामग्री एवं टिश्यू कंस्ट्रक्ट उपकरण

चिकित्सा उपकरणों में बौद्धिक संपदा अधिकार एवं नीतिगत रणनीतियाँ

कार्यक्रम के दौरान भारत के प्रतिष्ठित संस्थानों एवं संगठनों से आए विशिष्ट विशेषज्ञ अपने व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। प्रतिभागियों को एडवांस अनुसंधान एवं औद्योगिक संस्थानों का शैक्षिक भ्रमण भी कराया जाएगा, जिसमें सीएसआईआर-सीएसआईओ चंडीगढ़, नाबी मोहाली, नाईपर की केंद्रीय उपकरण प्रयोगशाला (सीआईएल) तथा नाईपर ,मोहाली की जीएमपी-अनुपालक क्लीनरूम सुविधाएँ शामिल हैं। यह कार्यक्रम नवाचार-आधारित स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने, अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक सहयोग को सुदृढ़ करने तथा विकासशील देशों में किफायती एवं सुलभ चिकित्सा उपकरण इकोसिस्टम को प्रोत्साहित करने की दिशा में भारत की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। कार्यक्रम का समापन एवं प्रमाण-पत्र वितरण समारोह 22 मई 2026 को नाईपर, मोहाली में आयोजित किया जाएगा।

संक्षिप्त-समाचार

बठिंडा रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास को 102 करोड़ की मंजूरी, यात्रियों को मिलेंगी विश्वस्तरीय सुविधाएं

चंडीगढ़। रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने बठिंडा और पूरे मालवा क्षेत्र के लोगों के लिए बड़ी सौगात का ऐलान किया है। उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बठिंडा रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए 102 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। रवनीत सिंह बिट्टू ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कहा कि बठिंडा रेलवे स्टेशन मालवा क्षेत्र में व्यापार, कृषि, रक्षा गतिविधियों और यात्री आवागमन का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। स्टेशन के आधुनिकीकरण से न केवल बठिंडा, बल्कि पूरे मालवा क्षेत्र के लोगों को बड़ा लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के तहत रेलवे स्टेशन पर आधुनिक यात्री सुविधाएं विकसित की जाएंगी। स्टेशन के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जाएगा और इसे विश्वस्तरीय स्वरूप दिया जाएगा, ताकि यात्रियों को बेहतर और सुविधाजनक यात्रा अनुभव मिल सके। ेंद्रीय मंत्री ने इस उपलब्धि का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को दिया। उन्होंने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर के रेलवे स्टेशनों का तेजी से आधुनिकीकरण किया जा रहा है, जिससे परिवहन क्षेत्र में बड़े बदलाव आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार भारतीय रेलवे को आधुनिक और यात्रियों के लिए अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए लगातार काम कर रही है और यह परियोजना मालवा क्षेत्र के विकास में अहम भूमिका निभाएगी।

गैंगस्टरों ते वार का 110वां दिन: पंजाब पुलिस द्वारा 537 स्थानों पर छापेमारी; 248 गिरफ्तार

चंडीगढ़ । मुख्यमंत्री भगवंत मान के निर्देशों पर शुरू की गई निर्णायक ह्यगैंगस्टरों ते वारह्व मुहिम के 110वें दिन पंजाब पुलिस ने आज राज्यभर में गैंगस्टरों के साथियों के चिन्हित और मैप किए गए 537 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि गैंगस्टरों ते वार पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के उद्देश्य से चलाई जा रही एक निर्णायक मुहिम है, जिसकी शुरूआत 20 जनवरी 2026 को पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव द्वारा की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें पूरे राज्य में विशेष अभियान चला रही हैं। मुहिम के 110वें दिन पुलिस टीमों ने छह हथियारों सहित 248 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिससे इस अभियान की शुरूआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 27,098 तक पहुंच गई है। इसके अलावा 94 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की गई, जबकि 28 व्यक्तियों को पूछताछ और जांच के बाद रिहा कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीमों ने 11 भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया। लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप से वांछित अपराधियों, गैंगस्टरों तथा अन्य आपराधिक गतिविधियों संबंधी सूचना साझा कर सकते हैं। इस दौरान पंजाब पुलिस ने नशों के खिलाफ अपनी मुहिम युद्ध नशों विरुद्ध को 435वें दिन भी जारी रखते हुए आज 67 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 7.8 किलोग्राम हेरोइन, 581 नशीली गोलियां/कैप्सूल तथा 12,200 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। इसके साथ ही केवल 434 दिनों में गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों की कुल संख्या 63,385 तक पहुंच गई है। नशा मुक्ति और पुनर्वास अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने आज नौ व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास उपचार के लिए भी प्रेरित किया।

किचन चैंपियन सीजन 14 का शुभारंभ

चंडीगढ़। सीजन 13 की सफलताओं के सफर को आगे बढ़ाते हुए किचन चैंपियन सीजन 14 का शुभारंभ आज होटल एआर प्लाजा में बड़े पैमाने पर उत्साह और जोश के साथ हुआ। इस समारोह में लगभग 80 रेस्तरां और पर्यटक प्रेमियों ने भाग लिया, जबकि 22 तकनीशियनों ने कुकरी प्रतियोगिता में अपनी पाक कला का प्रदर्शन किया। मदर्स डे के विशेष अवसर पर आयोजित इस प्रतियोगिता में सभी होम्स शेफ्स ने मेन कोर्स, डेजर्ट्स और शोरूम प्लेस में स्मारक और इनोवेटिव व्यंजन तैयार किए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वस्थ इलेक्ट्रॉनिक्स को बढ़ावा देना है। सुन्दर पुरस्कार निशा कश्यप, अवतार कौर और जे एस डॉली को प्रदान किया गया। जे एस डॉली को ₹नड्डा साहिब गुरु का लंगर₹ के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। सभी कर्मचारियों को उनके कर्मचारियों और तकनीशियनों के लिए मेडल प्रमाण पत्र मान्य किया गया है। प्रतियोगिता की सभी प्रमुखताओं का आकलन प्रसिद्ध कुकरी सुपरस्टार सरिता खुराना द्वारा किया गया, जो ₹रिच एंड न्यूट्रिशन खाना खजाना₹ से जुड़े हुए हैं। कार्यक्रम के दौरान साझीदारों और उद्यमियों के लिए हाई-टी की भी व्यवस्था की गई। इस कार्यक्रम में सरिता खुराना, रेखा गर्ग और राजिंदर कश्यप का सहयोग रहा। इस अवसर पर रेखा गर्ग ने कहा कि इस मदर्स डे कार्यक्रम में उन महिलाओं को समर्पित किया गया है जो पूरे परिवार के स्वास्थ्य और स्वाद का निस्वार्थ भाव से ध्यान आकर्षित करती हैं। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसमें सभी सहयोगियों और सदस्य मंडलों की उत्साहपूर्ण भागीदारी, उद्यम और पाक कला के निदेशक शामिल हुए।

अनाहथा नोबल फाउंडेशन द्वारा गांव बलौंगी में निःशुल्क आयुर्वेदिक मेडिकल कैंप का आयोजन

मोहाली। अनाहथा नोबल फाउंडेशन द्वारा मोहाली के पास स्थित गांव बलौंगी, आदर्श कॉलोनी में निःशुल्क आयुर्वेदिक मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में गांव के लगभग 52 मरीजों की स्वास्थ्य जांच की गई और उन्हें आवश्यकता अनुसार निःशुल्क आयुर्वेदिक दवाइयां दी गईं। मरीजों को ऋतु के अनुसार योग, खान-पान और परहेज के बारे में भी जानकारी दी गई। यह कैंप एक आयुर्वेदिक डॉक्टर की देखरेख में आयोजित किया गया। अनाहथा नोबल फाउंडेशन योग और आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित संस्था है और इससे पहले भी ऐसे स्वास्थ्य जागरूकता कैंप आयोजित कर चुकी है।

यूसीमास राज्य स्तरीय प्रतियोगिता एवं पुरस्कार समारोह का भव्य आयोजन किया

चंडीगढ़/पंचकूल। यूसीमास एजुकेशन इंडिया की मास्टर फ्रेंचाइजी द्वारा पंजाब-चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा एवं राजस्थान के लिए आयोजित 19वीं हरियाणा एवं हिमाचल प्रदेश स्टेट लेवल यूसीमास एबाकस एवं मेंटल अरिथमेटिक प्रतियोगिता एवं राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन पंचकूला स्थित अग्रवाल भवन में किया गया। समारोह में 4 से 13 वर्ष आयु वर्ग के 1052 बच्चों ने अपनी अद्भुत मानसिक गणना क्षमता, एकाग्रता, गति एवं प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों को मात्र 8 मिनट में 200 प्रश्न हल करने की चुनौती दी गई थी, जिनमें लगभग 2000 अंकों की गणना शामिल थी। विद्यार्थियों ने तेज मानसिक गणना, असाधारण स्मरण शक्ति और बेहतरीन एकाग्रता का परिचय देते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विभिन्न आयु वर्ग एवं कैटेगरी के स्टेट विनर्स, गोल्ड मेडलिस्ट और चैम्पियंस को ट्रॉफी एवं अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण ट्राईसिटी क्षेत्र में पहली बार आयोजित विजुअल, लिसनिंग एवं फ्लैश प्रतियोगिता रही, जिसमें बच्चों ने शानदार प्रदर्शन कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। यूसीमास की यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता विश्व के 80 देशों में आयोजित होती है, जबकि भारत में इसके लगभग 3000 सेंटर संचालित हैं। यूसीमास पंजाब-चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा एवं राजस्थान के ग्रुप वाइस प्रेसिडेंट सतवीर सिंह ढाका ने बताया कि, हमारा उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास, एकाग्रता और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करना है। ऐसे आयोजन बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का बड़ा मंच प्रदान करते हैं।

पुलिस का दुरुपयोग और राजनीतिक प्रतिशोध की राजनीति बंद करे पंजाब सरकार : भाजपा

चंडीगढ़। पंजाब में भाजपा कार्यालयों पर कथित हमलों और आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं के अभद्र व्यवहार को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने पंजाब सरकार पर बड़ा हमला बोला है। भाजपा नेता अश्वनी शर्मा ने पंजाब सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि राजनीतिक डराने-धमकाने की कोशिशों और पुलिस मशीनरी के दुरुपयोग को भाजपा किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। चंडीगढ़ में भाजपा पंजाब के प्रदेश मीडिया प्रमुख विनीत जोशी की मौजूदगी में मीडिया को संबोधित करते हुए अश्वनी शर्मा ने आरोप लगाया कि पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार सरकारी तंत्र का गलत इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने के साथ-साथ अपने नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से जनता का ध्यान हटाने की कोशिश कर रही है। अश्वनी शर्मा ने हाल ही में मंत्री संजीव अरोड़ा से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई का जिक्र करते हुए कहा कि जब भी जांच एजेंसियां आप नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करती हैं, तो पार्टी लोकतंत्र और संविधान खतरे में होने का शोर मचाने लगती है। उन्होंने कहा कि न तो पंजाब खतरे में है और न ही लोकतंत्र, बल्कि आम आदमी पार्टी की भ्रष्ट व्यवस्था जरूर खतरे में है। शर्मा ने आरोप लगाया कि सरकार अपनी प्रशासनिक विफलताओं और भ्रष्टाचार के मामलों को छिपाने के लिए राज्य में जानबूझकर राजनीतिक टकराव का माहौल बना रही है।

जोसेफ विजय की पहली घोषणा, तमिलनाडु में हर घर को 200 यूनिट बिजली मुफ्त

शपथ लेते ही एक्शन में 'थलापति': बिजली, सुरक्षा और नशा मुक्ति पर वार

एजेंसी (हि.स.)
चेननई

तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख सी जोसेफ विजय ने रविवार शपथ ग्रहण करने के बाद तमिलनाडु सचिवालय में राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने शपथ ग्रहण के बाद सबसे पहले महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष बल के गठन और घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने से जुड़ी पहली फाइलों पर हस्ताक्षर किए।

जोसेफ विजय ने सबसे पहले राज्य के सभी घरों को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की घोषणा वाली फाइल पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष बल (सिंगप्पेन स्पेशल टास्क फोर्स) के गठन की फाइल पर हस्ताक्षर किए। विजय ने नशा विरोधी अभियान और मादक पदार्थों की रोकथाम से संबंधित फाइलों पर भी हस्ताक्षर किए।

पारदर्शी शासन का वादा, कहा, वह जनता से झूठे वादे नहीं करेंगे

विजय को इससे पहले चेन्नई स्थित जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में सुबह लगभग 10 बजे तमिलनाडु के प्रभारी राज्यपाल ने मुख्यमंत्री पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर समर्थकों और कार्यकताओं के नारों से स्टेडियम गूंज उठा। उनके पिता और निर्देशक एस. ए. चंद्रशेखर और उनकी मां शोभा भावुक हो गए।समारोह में उनके परिवार के सदस्य, फिल्म जगत की हस्तियां और गठबंधन दलों के नेता भी शामिल हुए।

इससे पहले आमतौर पर मुख्यमंत्री पद संभालने वाले नेता सचिवालय जाकर फाइलों पर हस्ताक्षर करते रहे हैं, लेकिन विजय ने शपथ ग्रहण करते

फोटोः हि.स.

ही जनता के सामने फाइलों पर हस्ताक्षर किए। इसमें वह फाइल भी शामिल है, जिसमें हर दो महीने में 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की घोषणा की गई है। विजय अपने भाषण की शुरूआत 'मेरे दिल में बसने वाले लोगों' से कहकर की। उन्होंने कहा, मुझे भी पता है कि जिंदगी में गरीबी क्या होती है। भूख क्या होती है। यह भी मैं जानता हूं। मैं किसी राजघराने से नहीं आया हूं। मैं आपमें से ही एक हूं। आपके परिवार के एक सदस्य जैसा हूं। मैं खुद को हमेशा ऐसा ही महसूस करता हूं। और आपने भी मुझे उसी तरह अपनाया, तभी आपने मुझे सिनेमा में इतना बड़ा स्थान दिया।

विजय ने कहा, मैं आप लोगों का ऋण चुकाने के लिए राजनीति में आया। तब आपने मुझसे कहा– ह्यआओ विजयङ्घ हम संभाल लेंगे। आपने मुझे इतना प्यार और अपनापन देकर स्वीकार किया।

विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) ने अपने पहले ही चुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए 108 सीटें जीतीं और कांग्रेस, वीसीके व वामदलों के समर्थन से बहुमत का आंकड़ा 118 पार किया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत कई बड़े नेता शपथ समारोह में शामिल हुए। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने सरकार बनाने में समर्थन देने के लिए कांग्रेस, वीसीके और वामदलों को धन्यवाद किया है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने लोगों से अपील की कि उन्हें कामकाज के लिए उचित समय दिया जाए ताकि परिणाम दिखाए जा सकें। उन्होंने राज्य की वित्तीय स्थिति पर श्वेत पत्र जारी करने और पूरी पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ने की बात कही। साथ ही उन्होंने पिछली सरकार पर राज्य पर भारी कर्ज डालने का आरोप लगाया और कहा कि वह जनता से झूठे वादे नहीं करेंगे।

लेबनान पर इजराइल का हमला जारी, कम से कम 24 की मौत

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
बेरूत

अमेरिकी मध्यस्थता से लेबनान और ईरान के बीच जारी संघर्ष विराम के दौरान यहां पल भर की शांति नजर नहीं आती। लेबनान पर इजराइल की लगातार बमबारी जारी है। शनिवार को हुए हमलों में कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई। दक्षिणी लेबनान पर इजराइली हवाई और तोपखाने के हमलों में काफी तेजी आई है। अल जजीरा की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

इस रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल ने शनिवार को दक्षिणी लेबनान के नौ कस्बों और गांवों को खाली करना आदेश जारी किया। इसके बाद दक्षिण के कई इलाकों में हमले किए। दक्षिणी लेबनान में मरने वालों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है।पिछले लगभग 48 घंटों में इजराइली हवाई, ड्रोन और तोपखाने के हमलों में काफी तेजी आई है। आरोप है कि दक्षिणी लेबनान में कई जगहों पर इजराइली सैनिकों ने तोड़फोड़ भी की है।

बताया जा रहा है कि यह सब उस 'येलो जोन' के अंदर हो रहा है जिसे इजराइल ने घोषित किया है। यह येलो जोन लेबनानी सीमा के अंदर 10 किलोमीटर तक फैला हुआ है। यह चिंताजनक इसलिए भी है कि लेबनान और इजरायल वाशिंगटन की मेजबानी में होने वाली निचले स्तर की कूटनीतिक बातचीत की तैयारी कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने सीरिया के राष्ट्रपति से की मुलाकात

दमिश्क। सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शारा ने शनिवार को राजधानी दमिश्क स्थित पीपल्स पैलेस में लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम से मुलाकात की। इस अवसर पर दोनों देशों के मंत्रीस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी उपस्थित रहे। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ करना और साझा हितों की पूर्ति के लिए आर्थिक एवं व्यापारिक सहयोग को आगे बढ़ाना था। यह जानकारी सीरिया की न्यूज एजेंसी सना की रिपोर्ट में दी गई। इस रिपोर्ट के अनुसार, दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करने और विभिन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए सुरक्षा समन्वय पर भी चर्चा की। दोनों पक्षों ने नवीनतम क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शारा से एक साल पहले मिले थे। लेबनान और सीरिया में तब से बहुत कुछ बदल गया है। अल जजीरा के अनुसार, दोनों नेताओं के बीच लेबनान में इजराइल की बढ़ती आक्रामकता पर भी चर्चा हुई। खास बात यह है कि सीरिया कभी ईरान और उसके सहयोगी हिजबुल्लाह के बीच जमीनी रास्ते का हिस्सा हुआ करता था। असद शासन के पतन के बाद इसमें भारी कमी आई है। पिछले कुछ महीनों में सीरिया ने कई सुरंगों को नष्ट किया है। इनका इस्तेमाल लेबनान में हथियारों की तस्करी की कोशिश के लिए किया जा रहा था। यह नहीं पिछले हफ्ते हिजबुल्लाह के कई सदस्यों की गिरफ्तारी की है। कहा जा रहा है कि यह लोग उत्तरी इजराइल पर रॉकेट दागने की कोशिश कर रहे थे।

नेपाल ने देउवा दंपति के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने के लिए अतिरिक्त दस्तावेज इंटरपोल को सौंपे

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

फोटोः हि.स.

देश के पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउवा और उनकी पत्नी तथा पूर्व विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा देउवा के खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने के लिए नेपाल ने अतिरिक्त दस्तावेज सौंप दिए हैं। पुलिस मुख्यालय के अनुसार, इंटरपोल द्वारा मांगे गए अतिरिक्त दस्तावेज भेज दिए गए हैं।

इंटरपोल ने नेशनल सेंट्रल ब्यूरो से रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने के लिए अतिरिक्त दस्तावेज मांगे थे। ब्यूरो के एसएसपी रहे सुरेश काफ्ले के मुताबिक इंटरपोल के ई-मेल संचार के बाद हाल ही में अतिरिक्त कागजात भेजे गए। काठमाडू जिला अदालत ने 6 अप्रैल को देउवा दंपति के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इसके बाद उन्हें नेपाल वापस लाने के उद्देश्य से कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है। जब गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ, उस समय देउवा दंपत्ति पहले से ही विदेश में थे। बताया गया है कि वे 26 फरवरी को चुनाव से पहले उपचार के लिए सिंगापुर गए थे और बाद में 21 मार्च को हांगकांग पहुंचे। देउवा दंपति अब तक नेपाल नहीं लौटे हैं और फिलहाल हांगकांग में ही रह रहे हैं। यदि इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस जारी करता है, तो उसके 196 सदस्य देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियां देउबा दंपति को हिरासत में ले सकती हैं, जिसके बाद उन्हें नेपाल वापस लाने के लिए कानूनी प्रत्यर्पण प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।

अब नेपाल में सड़क मार्ग से प्रवेश करने पर पहचान पत्र दिखाना अनिवार्य

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

भारत-नेपाल सीमा नाका पर सुरक्षा निगरानी अचानक बढ़ा दी गई है। साथ ही भारत से नेपाल में प्रवेश करने वालों के लिए पहचान पत्र दिखाना अनिवार्य कर दिया गया है। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक ने सीमा क्षेत्र में अवैध घुसपैठ और आपराधिक गतिविधियों को नियंत्रित करने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया है। भारत के पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने के बाद वहां अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों के नेपाल में प्रवेश करने की संभावना के मद्देनजर घुसपैठ रोकने के लिए सुरक्षा परिषद ने यह निर्णय लिया है।

हालांकि गृह मंत्रालय की प्रवक्ता रमा आचार्य ने कहा कि यह निर्णय पूरी तरह नेपाल की सुरक्षा सतर्कता के तहत लिया गया है। उन्होंने कहा, यह दोनों देशों के बीच वार्ता के बाद लिया गया फैसला नहीं है। नेपाल की सीमा पर सुरक्षा कड़ी करने और अवैध घुसपैठ

की आशंका को देखते हुए जांच बढ़ाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है। नेपाल के सुरक्षा बलों और प्रशासन को आशंका है कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद वहां से रोहिंग्या और बांग्लादेशी मुसलमान नेपाल में प्रवेश करने की कोशिश कर सकते हैं नेपाल के इंटेलिजेंस विभाग को लगातार यह इनपुट मिल रहा है कि भाजपा सरकार बनने के बाद रोहिंग्या मुसलमानों का विस्थापन बढ़ सकता है। इसी के मध्यनजर नेपाल पक्ष सतर्कता बढ़ा रहा है। नेपाल पुलिस के स्पेशल सेल के एक अधिकारी ने कहा, पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने के बाद वहां अफरा-तफरी जैसी स्थिति बताई जा रही है। भारतीय मीडिया में ऐसे वीडियो दिखाए जा रहे हैं, जिनमें मुस्लिम समुदाय के लोग सिर पर सामान लेकर भागते नजर आ रहे हैं।यह कितना सही है, यह स्पष्ट नहीं है, लेकिन खबरें लगातार आ रही हैं। प्रशासन को आशंका है कि पश्चिम बंगाल के कोलकाता और हावड़ा से बिहार के जोगबनी आने वाली रेल सेवाओं के जरिए रोहिंग्या नेपाल में प्रवेश कर सकते हैं। नेपाल के गृह मंत्रालय ने भारत से लगी सभी सीमाओं पर सतर्कता बढ़ा दी है और नेपाल प्रवेश करने वाले प्रत्येक नागरिक से अनिवार्य रूप से फोटो परिचय पत्र देख कर ही प्रवेश की अनुमति दी जा रही है। नेपाल और बंगाल तथा उससे सटे बिहार की सीमा से आने वाले लोगों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। हालांकि प्रशासन ने इसे कूटनीतिक मुद्दे के बजाय आंतरिक सुरक्षा रणनीति का हिस्सा बताया है। रेल आने के समय विशेष निगरानी बढ़ाने की योजना बनाई गई है।एक साथ 500 से 1,000 लोगों के आने की स्थिति में विशेष रूप से पहचान पत्र जांच की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा सीमा पर अवैध घुसपैठ रोकने के लिए प्रशिक्षित कुत्तों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। प्रशासन का कहना है कि इस अभियान का एक अन्य उद्देश्य फरार कैदियों की आवाजाही रोकना भी है। नेपाल के गृह प्रशासन के अनुसार, नेपाल के लगभग 500 फरार कैदी भारत की ओर गए हुए हैं। उनके आने-जाने की आशंका को देखते हुए भी सुरक्षा निगरानी बढ़ाई गई है।

संक्षिप्त-समाचार

इस सप्ताह दो कंपनियों के आईपीओ की लॉन्चिंग, चार शेयरों की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली। सोमवार यानी 11 मई से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में मामूली हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह दो कंपनियां अपना आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। ये दोनों आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इस सप्ताह मेनबोर्ड सेगमेंट का कोई आईपीओ नहीं खुलने वाला है। इन दो नए आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह खुले एक आईपीओ में भी इस सप्ताह निवेशक बोली लगा सकेंगे। ये आईपीओ भी एसएमई सेगमेंट का ही है। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो इस सप्ताह चार कंपनियां स्टॉक मार्केट में एंट्री करने वाली हैं। इस सप्ताह के दूसरे दिन 12 मई को आरएफबीएल फ्लेक्सी पैक का 35.33 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 14 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 47 रुपये से लेकर 50 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 3,000 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 19 मई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर हो सकती है। गोल्डलाइन फार्मास्यूटिकल का 12 मई को ही 11.61 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस इश्यू में भी 14 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 41 रुपये से लेकर 43 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 3,000 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 19 मई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर हो सकती है। इन दोनों नए आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह आठ मई को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले सिम्का एडवर्टाइजिंग के 58.04 करोड़ रुपये के आईपीओ में मंगलवार यानी 12 मई तक बोली लगाई जा सकती है।

सर्राफा बाजार में कमजोरी का रुख, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में रविवार शुरूआती कारोबार के दौरान मामूली कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। सोना रविवार 290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 320 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। इसी तरह चांदी की कीमत में रविवार 100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की सांकेतिक गिरावट दर्ज की गई है। कीमत में गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना रविवार 1,52,350 रुपये से लेकर 1,54,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना रविवार 1,39,650 रुपये से लेकर 1,41,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु रविवार शुरूआती कारोबार के दौरान 2,75,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखें तो पिछले सप्ताह के कारोबार में सोना की कीमत में तेजी दर्ज की गई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोने की कीमत में 1,640 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की मजबूती आ गई। इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार पर 1,500 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। चांदी के भाव में भी पिछले सप्ताह के कारोबार में तेजी दर्ज की गई। इस तेजी के कारण चांदी पिछले सप्ताह के भाव की तुलना में 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगी हो गई। दिल्ली में रविवार 24 कैरेट सोना 1,52,500 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,800 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

कछार में पुलिस के अभियान में 2.82 करोड़ रुपये की हेरोइन जब्त

कछार (असम)। कछार पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए गए दो अलग-अलग अभियानों में भारी मात्रा में संदिग्ध हेरोइन बरामद कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया। कछार के पुलिस अधीक्षक ने रविवार को बताया कि जब्त किए गए मादक पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 2.82 करोड़ रुपये बताई जा रही है। पहला अभियान सोनाई थाना क्षेत्र के गस्तोला तिनिआली के समीप चलाया गया। पुलिस को अवैध रूप से एनडीपीएस प्रतिबंधित पदार्थ ले जाए जाने की सूचना मिली थी। अभियान के दौरान रियाज उद्दीन लस्कर नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से सात साबुनदानी में छिपाकर रखी गई संदिग्ध हेरोइन बरामद हुई। जब्त हेरोइन का कुल वजन 123.51 ग्राम पाया गया। इसके अलावा आरोपित के कब्जे से 40 हजार रुपये नकद भी बरामद किए गए। वहीं, दूसरे अभियान में लैलापुर पुलिस चौकी के सामने नाका जांच के दौरान एएस-11जेड-7991 नंबर की एक स्कूटी को रोका गया। तलाशी लेने पर स्कूटी की डिक्की से 33 बहुरंगी साबुनदानी में छिपाकर रखी गई संदिग्ध हेरोइन बरामद की गई। यह मादक पदार्थ जियाबुर रहमान लस्कर के कब्जे से जब्त किया गया। बरामद हेरोइन का कुल वजन 441.09 ग्राम बताया गया है। पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर एनडीपीएस अधिनियम के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

शादी समारोह में जा रहे युवक को मारी गोली

सुपौल। सुपौल में शनिवार देर शाम शादी समारोह में शामिल होने जा रहे एक युवक पर बाइक सवार बदमाश ने गोली चला दी। घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मामला नदी थाना क्षेत्र के सरोजा कोनी गांव का है, जहां फायरिंग की घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।घायल युवक की पहचान गम्हरिया वार्ड-9 निवासी राजेंद्र कामत के 21 वर्षीय बेटे संतोष कुमार के रूप में हुई है। बताया गया कि संतोष अपने एक दोस्त और एक अन्य युवक के साथ बुलेट बाइक से सरोजाबेला पंचायत के बेलहा गांव शादी समारोह में शामिल होने जा रहा था। इसी दौरान सरोजा कोनी गांव के पास पीछे से आए एक बाइक सवार युवक ने उनकी बाइक रोकने की कोशिश की और अचानक पिस्टल निकालकर फायरिंग कर दी। गोली संतोष के पैर में घुटने के ऊपर जा लगी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फायरिंग के दौरान संतोष ने खुद को बचाने की कोशिश की, जिससे गोली शरीर के संवेदनशील हिस्से में नहीं लगी और बड़ा हादसा टल गया। गोली चलने की आवाज सुनते ही आसपास के लोग मौके पर जुट गए, जबकि आरोपी घटना के बाद फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही नदी थानाध्यक्ष शिशुपाल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घायल युवक को आनन-फानन में एंबुलेंस से अनुमंडलीय अस्पताल निर्मली भेजा गया।

राजग विधायक दल के नेता चुने गए डॉ. हिमंत सरमा

एजेंसी (हि.स.)
गुवाहाटी

असम में लगातार तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 12 मई को होगा। आज असम प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में राजग विधायक दल के नेता के रूप में निवर्तमान मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा को सर्वसम्मति से चुन लिया गया ।

इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय पर्यवेक्षक केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा एवं हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मौजूद रहे। नड्डा ने विधायक दल की बैठक में विधायकों से परामर्श के बाद डॉ. हिमंत बिस्व सरमा को राजग विधायक दल का नेता चुने जाने की घोषणा की। डॉ. हिमंत बिस्व सरमा का नाम आठ वरिष्ठ विधायकों ने प्रस्तावित किया। रंजीत कुमार दास, बिश्वजीत दैमारी, अजंता नेओग, रामेश्वर तेली, राजदीप राय, अशोक सिंघल, पीयूष

फोटोः हि.स.

हजारिका, चक्रधर गोगोई ने उनके नाम का अनुमोदन किया। इसके बाद जेपी नड्डा ने डॉ. सरमा के नाम की घोषणा की। विधायक दल के नेता के नाम की घोषणा होते ही भारत माता की जय, जय श्री राम के नारों से पूरा भाजपा मुख्यालय गूंज उठा।

राजग नेत असम गण परिषद (अगप) के नेता अतुल बोरा एव बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) रिहन दैमारी ने भी प्रस्ताव दिया। मंच पर दोनों पर्यवेक्षकों के साथ ही प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया, प्रदेश भाजपा प्रभारी, प्रदेश सांगठनिक महासचिव, अगप के अध्यक्ष अतुल बोरा, बीपीएफ के नेता रिहन दैमारी समेत अन्य कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 126 सीटों में से 82 सीटों पर जीत हासिल की है। जबकि, सहयोगी पार्टी असम गण परिषद (अगप) 10 और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) 10 समेत कुल 102 सीटों पर एनडीए ने जीत हासिल की है। उल्लेखनीय है कि आगामी 12 मई को गुवाहाटी के खानापाड़ा खेल मैदान में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। इसके लिए तैयारियां अपने अंतिम चरण में हैं। डॉ. सरमा कुछ देर बाद भाजपा मुख्यालय से लोक भवन के लिए रवाना होंगे। राज्यपाल से मिलकर अपनी सरकार के गठन के लिए दावा पेश करेंगे।

सांसद सुप्रिया सुले की कार को मुंबई-पुणे हाइवे पर दूसरी गाड़ी ने मारी टक्कर

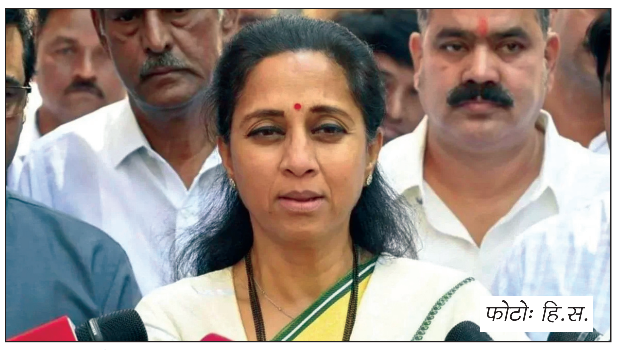
फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
मुंबई

एनसीपी (शरद पवार) की सांसद सुप्रिया सुले शनिवार देररात सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बचीं। मुंबई-पुणे हाइवे पर उनकी कर को पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कार को मामूली नुकसान पहुंचा। गनीमत रही कि सुप्रिया की कार में सवार सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं।

सांसद सुप्रिया ने बताया कि वह पुणे से मुंबई जा रही थीं। पीछे से आ रहे वाहन क्रमांक (जीजे 13 सीएफ 5257) ने उनकी कार को किनारे से जोरदार टक्कर मार दी। सौभाग्य से इस हादसे में किसी को चोट नहीं आई और सभी लोग सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाना लोगों की जान को खतरे में डाल सकता है। उन्होंने नागरिकों से सीट बेल्ट का उपयोग करने, सावधानी बरतने और जिम्मेदारी से वाहन चलाने की अपील की है। सुप्रिया बारामती से लोकसभा सदस्य हैं।

मई में भी हुई एफपीआई की बिकवाली, विदेशी निवेशकों ने 2026 में की दो लाख करोड़ से अधिक की निकासी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

इस साल फरवरी के बाद से घरेलू शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली का सिलसिला मई के महीने में भी लगातार बना हुआ है। इस महीने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक स्टॉक मार्केट में बिकवाली करके 14,231 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। मई के महीने में अभी तक हुए कारोबार में हुई बिकवाली के आंकड़ों को मिला दिया जाए, तो कैलेंडर ईयर 2026 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा घरेलू शेयर बाजार में की गई बिकवाली का आंकड़ा दो लाख करोड़ के स्तर को भी पार कर गया है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार जनवरी से लेकर इस महीने आठ मई तक एफपीआई ने घरेलू शेयर बाजार में कुल 2,28,040 करोड़ रुपये की बिकवाली की है। जनवरी के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में 35,962 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी। फरवरी में एफपीआई ने बिकवाली की जगह लिवाली पर जोर दिया। इस महीने इन्होंने भारतीय शेयर बाजार में 22,615 करोड़ रुपये का निवेश किया। मार्च के महीने में एक बार फिर स्थिति बदल गई। इस महीने एफपीआई ने रिकॉर्ड 1.17 लाख करोड़ रुपये की बिकवाली की। अप्रैल के महीने में भी एफपीआई की ओर से हो रही बिकवाली का सिलसिला जारी रहा। इस महीने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 60,847 करोड़ रुपये के शेयर बेच डाले। मौजूदा महीने में भी आठ मई तक के पांच कारोबारी दिन में एफपीआई 14,231 करोड़ रुपये के शेयर बेच चुके हैं। फरवरी के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा की गई 22,615 करोड़ रुपये की लिवाली। इस साल विदेशी निवेशकों द्वारा की गई बिकवाली का आंकड़ा दो लाख करोड़ के स्तर के ऊपर स्तर पर पहुंचा हुआ नजर आता है।

वायरस

विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक पहुंचे टेनेरिफ

क्रूज शिप में फैला हंटा वायरस, 100 से अधिक लोग सवार

डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक ने कहा- घबराने की जरूरत नहीं, हंटा वायरस 'कोविड नहीं'

एजेंसी (हि.स.)
मैड्रिड (स्पेन)

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अधानोम घेब्रेयसस शनिवार को स्पेन के कैनरी द्वीप समूह के टेनेरिफ पहुंचे। वह यहां डच क्रूज शिप में फंसे 100 से ज्यादा लोगों को निकालने के मुश्किल काम की देखरेख करने आए। इस क्रूज शिप पर दुर्लभ और जानलेवा हंटा वायरस फैल गया था। उन्होंने कैनरी आइलैंड्स में लोगों को भी संबोधित भी किया। डॉ. टेड्रोस ने कहा कि यह शिप अपने सबसे बड़े आइलैंड के तट के पास लंगर डालेगा। 2020 में वैश्विक कोरोना वायरस महामारी के

फोटोः हि.स.

दौरान दुनिया ने जो अनुभव किया, उसके बाद लोगों की चिंता जायज है। उन्होंने कहा, बावजूद इसके घबराने की जरूरत नहीं। हंटा वायरस 'कोविड नहीं' है। सीबीसएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, टेड्रोस ने यहां पहुंचने से पहले लिखे अपने एक पत्र को कैनरी आइलैंड्स में दोहराया। उन्होंने कहा, यह बीमारी कोविड नहीं है। स्थानीय आबादी के लिए इसका जोखिम कम है। टेड्रोस ने कहा कि हंटा वायरस की प्रकृति कोरोनावायरस जैसी नहीं है, लेकिन वह सदमा अभी भी हमारे दिमाग में है। उन्होंने कहा, इसीलिए मैं यहां के लोगों के साथ खड़े होने के लिए आया हूं। मुझे यहां आने के लिए अपनी योजनाएं बदलनी पड़ीं, क्योंकि यह पूरी दुनिया और टेनेरिफ के लोगों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अधिकारियों ने बताया कि डच झंडे वाले इस क्रूज शिप के रविवार सुबह टेनेरिफ आइलैंड पर पहुंचने की उम्मीद है। संगठन ने शुक्रवार को बताया था कि शिप पर सवार आठ लोगों में हंटा वायरस के संदिग्ध मामले पाए गए थे और तीन लोगों की मौत हो गई है। इस जहाज के मालिक के अनुसार, अभी जहाज पर सवार 60 क्रू सदस्यों समेत 147 लोगों में से किसी में भी बीमारी के लक्षण नहीं दिख रहे हैं।

टेड्रोस ने अनुमान लगाया कि लोगों को निकालने के लिए छह उड़ानें ईयू देशों के लिए और चार उड़ानें गैर ईयू देशों के लिए जाएंगी। इस क्रूज में 17 अमेरिकी नागरिक सवार हैं। उन्हें एक छोटी नाव से शिप से उतार कर रनवे पर उनके इंतजार में खड़े विमान तक पहुंचाया जाएगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सलाह दी है कि जहाज से उतारे गए यात्रियों को वायरस के संपर्क में आने के आखिरी समय से लेकर 42 दिनों तक आइसोलेशन में रखा जाए।

यह जहाज 1 अप्रैल को अर्जेंटीना से सफर पर निकला था। यह दक्षिण अटलांटिक के कई दूरदराज के द्वीपों पर रुका। इनमें ट्रिस्टन दा कुन्हा और सेंट हेलेना शामिल हैं। यह दोनों ब्रिटिश क्षेत्र हैं। जहाज पर फैली इस बीमारी की शुरूआत एक डच जोड़े से हुई लगती है, जिन्होंने क्रूज यात्रा से कुछ महीने पहले दक्षिण अमेरिका की सैर की थी।

ऐतिहासिक जीत: शंघाई में भारतीय महिला तीरंदाजों का स्वर्णिम निशाना

भारतीय महिला रिकर्व टीम ने चीन को पटकनी देकर जीता विश्व कप गोल्ड

एजेंसी (हि.स.)
शंघाई

दीपिका कुमारी, अंकिता भकत और कुमकुम मोहोद की भारतीय महिला रिकर्व टीम ने रविवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में मेजबान और खिताब के प्रबल दावेदार चीन को शूट ऑफ में हराकर स्वर्ण पदक जीत लिया। रोमांचक फाइनल में भारत ने पहला सेट जीता लेकिन चीन ने वापसी करते हुए मुकाबला बराबर कर दिया। निर्धारित चार सेट के बाद स्कोर बराबर रहने के कारण शूट ऑफ कराया गया।

भारतीय तिकड़ी ने निर्णायक क्षणों में संयम बनाए रखते हुए 5-4 (28-26) से जीत दर्ज की। अनुभवी दीपिका ने दबाव के बीच अंतिम शूट ऑफ तीर पर अहम नौ अंक जुटाकर भारत को 2021 के बाद पहला विश्व कप स्वर्ण पदक दिलाया। इससे पहले

बिना मुख्य कोच के नेतृत्व और उभरते सितारे: चुनौतियों के बीच मिली सफलता

भारत ने सेमीफाइनल में रिकॉर्ड 10 बार के ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। ग्वाटेमाला सिटी और पेरिस में 2021 में भारत की विश्व कप जीतने वाली टीम का भी हिस्सा रहीं दीपिका के नाम 2010 से अब तक सात विश्व कप टीम स्वर्ण पदक हो गए हैं।

यह भारतीय महिला रिकर्व टीम का तीन साल में पहला विश्व कप पदक भी है। इससे पहले टीम 2023 में पेरिस में चरण चार में पोडियम पर पहुंची थी जिसमें अंकिता पदक जीतने वाली टीम की सदस्य थीं। शंघाई में भारत अब तक दो पदक जीत चुका है। इससे पहले

कंपाउंड तीरंदाज साहिल जाधव ने शनिवार को कांस्य पदक जीतकर देश के पदक का खाता खोला था।

भारत एक और पदक की दौड़ में बना हुआ है। रिकर्व तीरंदाज सिमरनजीत कौर दिन में बाद में सेमीफाइनल में उतरेंगी और विश्व कप में अपना पहला पदक जीतने के लिए उन्हें एक जीत की जरूरत है। नियुक्तियों को लेकर चल रहे गतिरोध के बीच बिना किसी पूर्णकालिक राष्ट्रीय कोच के यात्रा करते हुए बेहद अनुभवी दीपिका ही थीं जिन्होंने आगे बढ़कर नेतृत्व किया और लगातार अपनी टीम की साथियों का हौसला बढ़ाया। प्रफुल्ल डांगे को उनकी शिष्या कुमकुम के राष्ट्रीय ट्रायल में शीर्ष पर रहने के बाद महिला रिकर्व कोच नियुक्त किया गया था लेकिन वह काफी हद तक पृष्ठभूमि में ही रहे जबकि दीपिका ने घरेलू दर्शकों और मुखर चीनी सहयोगी स्टाफ के दबाव भरे पलों में टीम का मार्गदर्शन किया। पिछले साल विश्व कप में पदार्पण करने वाली खिलाड़ियों झू जिंगयी, हुआंग युवेई और यू क्यूई की चीन की टीम के खिलाफ भारत शुरूआत में तो नियंत्रण में दिखा लेकिन पहला सेट (54-53) जीतने के बाद विरोधी टीम को वापसी का मौका दे दिया।

भारतीय तिकड़ी में सबसे अंत में निशाना साधते हुए दीपिका ने लगातार 10 अंक बनाए जिससे अंकिता (8-8) और 17 वर्षीय कुमकुम (10-8) के उतार-चढ़ाव वाले प्रदर्शन के बावजूद भारत पहला सेट जीतने में सफल रहा। दीपिका ने दूसरे सेट में भी अपनी बेहतरीन लय जारी रखी और एक और 'परफेक्ट 10' लगाया जिससे भारत तीन शॉट के बाद एक अंक की बढ़त (28-27) बनाने में सफल रहा। चीन ने दूसरे सेट के अपने आखिरी तीन तीर में दो बार नौ और एक बार 10 अंक जुटाकर जोरदार वापसी की और कुल 55 अंक बनाए।

सही समय पर लय में लौटी टाइटंस, मैथ्यू हेडन ने विरोधियों को दी चेतावनी

एजेंसी (हि.स.)
जयपुर

गुजरात टाइटंस के बल्लेबाजी कोच मैथ्यू हेडन का मानना है कि उनके पास जबरदस्त गेंदबाजी आक्रमण है और बल्लेबाजी क्रम के शीर्ष पर शानदार बल्लेबाज मौजूद हैं और साथ ही इंडियन प्रीमियर लीग में टीम सही समय पर अपनी बेहतरीन फॉर्म में आ रही है। टाइटन्स ने लगातार चार मैच जीते हैं जिसमें शनिवार को यहां राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 77 रन की जीत भी शामिल है। इस जीत के साथ टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है और प्ले ऑफ में जगह बनाने के प्रबल दावेदारों में शामिल है।

हेडन ने मैच के बाद हुई प्रेस कांफ्रेंस में कहा, यह एक बहुत अच्छी टीम है। यह एक खतरनाक गेंदबाजी टीम है और आज रात हमने यही देखा। यह एक बहुत ही विध्वंसक गेंदबाजी इकाई साबित हो सकती है। उन्होंने कहा, हमारे बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष पर बेहद शानदार बल्लेबाज हैं। शीर्ष तीन बल्लेबाजों ने एक बहुत ही मजबूत इकाई बनाई है। टाइटंस की गेंदबाजी में भी विविधता है जिसमें कागिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, राशिद खान, जेसन होल्डर, प्रसिद्ध कृष्णा, वाशिंगटन सुंदर और साई किशोर जैसे गेंदबाज शामिल हैं। हेडन ने कहा, हमने प्रसिद्ध कृष्णा को तो खिलाया भी नहीं जो कि एक और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं। हमारी टीम में काफी विविधता है और आज रात हमने साई किशोर के रूप में इसका नजारा देखा। और अब हम पूरे आत्मविश्वास के साथ खेलना शुरू कर चुके हैं।

उन्होंने कहा, कोच के तौर पर आज रात का मैच मेरे लिए पहला ऐसा मैच था जिसमें मुझे लगा कि हमने खेल के सभी विभागों में बहुत ही शानदार प्रदर्शन किया। इसलिए अपने घरेलू मैदान से बाहर मिली यह जीत हमारे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। जोरदार पावर हिटिंग के इस दौर में टाइटंस ने सफलता का अपना ही एक अलग फॉमूर्ला तैयार किया है। वे अपनी टीम के शीर्ष तीन बल्लेबाजों कप्तान शुभमन गिल, साई सुदर्शन और जोस बटलर पर ही सबसे अधिक निर्भर रहते हैं और उन्हीं से टीम की जीत की पूरी जिम्मेदारी उठाने की उम्मीद करते हैं। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सलामी बल्लेबाजों सुदर्शन और गिल ने पहले विकेट के लिए 118 रन जोड़कर टीम को चार विकेट पर 229 रन के बड़े स्कोर तक पहुंचाया।

आरसीबी ने अपने इंस्टा हैंडल में शेयर किया छत्तीसगढ़ी अंदाज में स्वागत का वीडियो

एजेंसी (हि.स.)
रायपुर

आईपीएल के रोमांच के बीच आरसीबी की टीम के छत्तीसगढ़ पहुँचने पर खिलाड़ियों का छत्तीसगढ़ की पारंपरिक संस्कृति और लोककलाओं के साथ भव्य स्वागत किया गया। टीम आज रविवार को रायपुर में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबला खेलेगी। रायपुर स्थित रिसॉर्ट में टीम के पहुँचते ही पारंपरिक तिलक, आरती और लोकनृत्य के माध्यम से खिलाड़ियों का स्वागत किया गया। इस दौरान छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति की रंगत और पारंपरिक संगीत ने खिलाड़ियों का ध्यान आकर्षित किया।

कई खिलाड़ी लोककलाकारों के प्रदर्शन को अपने मोबाइल कैमरों में कैद करते नजर आए। इस वीडियो को आरसीबी ने अपने ऑफिसियल इंस्टा हैंडल पर शेयर किया है जिसे अब तक 50 लाख से भी ज्यादा लोग देख चुके हैं। वहीं इस मुकाबले को देखने मुकेश अम्बानी के बेटे आकाश अम्बानी भी रायपुर आ सकते हैं। वहीं 13 मई को होने वाले आरसीबी और केकेआर मैच देखने के लिए सुपरस्टार शाहरुख खान भी रायपुर आ सकते हैं। खिलाड़ियों को छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक खानपान के बारे में भी जानकारी दी गई। उन्हें प्रदेश के पारंपरिक व्यंजनों से परिचित कराया गया, जिसकी खिलाड़ियों ने सराहना की। आईपीएल मुकाबले को लेकर रायपुर में क्रिकेट प्रेमियों के बीच खासा उत्साह देखा जा रहा है। वहीं, खिलाड़ियों के पारंपरिक स्वागत ने खेल के साथ-साथ छत्तीसगढ़ की संस्कृति और मेहमाननवाजी की भी अलग पहचान प्रस्तुत की है।

आईपीएल: धर्मशाला के पहाड़ों में भिड़ेंगे पंजाब और दिल्ली

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

पंजाब किंग्स की टीम सोमवार को धर्मशाला के खूबसूरत मैदान में जब खराब फॉर्म से जूझ रही दिल्ली कैपिटल्स की मेजबानी करेगी तो इंडियन प्रीमियर लीग के आखिरी चरण में अपने प्रदर्शन में आई चौंकाने वाली गिरावट को रोकने की कोशिश करेगी। एचपीसीए स्टेडियम में 17 मई तक तीन मैच के साथ पंजाब की टीम अपने घरेलू चरण को समाप्त करेगी। अपने पिछले तीन लीग मैच में मिली हार के बाद टीम खेल के सभी विभागों में सुधार की उम्मीद कर रही होगी।

उस टीम के लिए हालांकि अभी घबराने की कोई जरूरत नहीं है जो कुछ समय पहले तक इस टूर्नामेंट में एकमात्र अजेय टीम थी लेकिन लीग चरण के बाकी मुकाबलों के लिए उसे अपनी बुनियादी चीजों को ठीक करने की जरूरत है। हैदराबाद में टीम की कैचिंग बहुत खराब थी। इसके अलावा अर्शदीप सिंह की अगुवाई वाला तेज गेंदबाजी आक्रमण काफी रन लुटा रहा है। प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह की सलामी जोड़ी भी अच्छी शुरूआत के बाद अब नाकाम हो रही है। श्रेयस अय्यर की अगुआई वाले पंजाब किंग्स को प्ले ऑफ में जगह बनाने के लिए अब भी कम से कम दो जीत की जरूरत है और ऐसे में टीम चाहती है कि उनके खिलाड़ी उन्हीं तरीकों पर कायम रहें जिनसे उन्हें टूर्नामेंट के पहले हाफ में सफलता मिली थी। टी20 जैसे अनिश्चित प्रारूप में लय बहुत अहम होती है और पंजाब किंग्स की टीम चाहेगी कि वे जल्द से जल्द फिर लय हासिल कर लें। दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स की नजरें पहले से ही अगले सत्र पर टिकी हैं क्योंकि वे अपने पिछले छह में से पांच मैच हारने के बाद अंक तालिका के निचले हिस्से में हैं। घरेलू मैदान पर दिल्ली का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है इसलिए वे पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के लिए स्थल में बदलाव का स्वागत करेंगे। उसके बल्लेबाज धीमी और टर्न लेने वाली पिचों पर खुद को ढालने में नाकाम रहे हैं जिससे उनकी कमजोरियां उजागर हुई हैं। प्रमुख स्पिनर कुलदीप यादव के साधारण प्रदर्शन ने टीम की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं जबकि मिचेल स्टार्क शायद बहुत देर से टीम से जुड़े। पंजाब किंग्स की तरह दिल्ली के क्षेत्ररक्षण ने भी उसे निराश किया है। आंकड़ों के लिहाज से दिल्ली की टीम अब भी प्ले ऑफ की दौड़ से बाहर नहीं हुई है लेकिन इसकी बहुत कम संभावना है कि वे टूर्नामेंट में आगे बढ़ पाएंगे।

टीम इस प्रकार

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, निहाल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसेन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्युसन, हरप्रीत बरार, विजयकुमार वैशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, प्रवीण दुबे, पायला अविनाश और विशाल निषाद।

दिल्ली कैपिटल्स: अभिषेक पोरेल, लोकेश राहुल, नितीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, अक्षर पटेल, आशुतोष शर्मा, दुष्मंता चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, आकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, पृथ्वी साव, काइल जेमिसन, अजय जाधव मंडल, माधव तिवारी, साहिल पारख, करुण नायर, टी नटराजन।

समय: मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा।

EPL: मैनचेस्टर सिटी की 'खिताबी' हुंकार, ब्रेंटफोर्ड को रौंदकर आर्सेनल के करीब पहुंची

एजेंसी (हि.स.)
मैनचेस्टर

मैनचेस्टर सिटी ने शनिवार को यहां ब्रेंटफोर्ड को एकतरफा मुकाबले में 3-0 से हराकर अंक तालिका में शीर्ष पर चल रहे आर्सेनल पर दबाव बढ़ा दिया। सिटी की ओर से जेरेमी डोकू, एर्लिंग हेलेंड और ओमार मारमोश ने गोल दागे जिससे आर्सेनल और दूसरे स्थान पर चल रही इस टीम के बीच अब सिर्फ दो अंक का अंतर रह गया है। आर्सेनल के 35 मैच में 76 जबकि सिटी के इतने ही मैच में 74 अंक हैं। गत चैंपियन लीवरपूल ने चेल्सी के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला और इस दौरान प्रशंसकों ने टीम की हूटिंग भी की। तीसरे स्थान पर चल रहे मैनचेस्टर यूनाईटेड ने सदरलैंड से गोल रहित ड्रॉ खेला जबकि छठे स्थान पर चल रहे बोनेर्माउथ ने फुलहम को 1-0 से शिकस्त दी। ब्राइटन ने वोल्वरहैम्पटन को 3-0 से हराया। चैंपियन्स लीग के प्ले ऑफ सेमीफाइनल के पहले चरण में मिडिल्सबोरो और साउथम्पटन ने गोल रहित ड्रॉ खेला। दूसरे चरण का मैच मंगलवार को होगा।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस: भारत की वैज्ञानिक आत्मनिर्भरता का प्रतीक

11 मई का दिन भारत के इतिहास में सुनहरे अक्षरों से लिखा गया है। यही वो तारीख है जब 1998 में भारत ने पोखरण में लगातार 5 परमाणु परीक्षण कर पूरी दुनिया को अपनी वैज्ञानिक ताकत का अहसास कराया था। इसी दिन देश ने पहला स्वदेशी विमान 'हंसा-3' उड़ाया और 'त्रिशूल' मिसाइल का सफल परीक्षण किया। एक ही दिन में तीन-तीन तकनीकी कामयाबी। इसी ऐतिहासिक उपलब्धि को याद रखने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस घोषित किया। 1999 से हर साल ये दिन विज्ञान, इंजीनियरिंग और इनोवेशन के उत्सव के रूप में मनाया जाता है।

11 मई 1998: ऑपरेशन शक्ति की कहानी

1974 में इंदिरा गांधी ने पोखरण-I 'स्माइलिंग बुद्धा' किया था। उसे 'शांतिपूर्ण परमाणु विस्फोट' कहा गया। लेकिन 1990 के दशक में चीन-पाकिस्तान की न्यूक्लियर सांठगांठ, CTBT पर दस्तखत का दबाव और सुरक्षा माहौल बदल चुका था। भारत को अपनी 'न्यूक्लियर डेटरेंस' यानी परमाणु निवारक क्षमता साबित करनी थी। **2.2 मिशन सीक्रेट:** CIA को भी नहीं लगी भनक ये ऑपरेशन इतना गुप्त था कि अमेरिका की सैटेलाइट, CIA, सब फेल हो गए। वैज्ञानिक रात में काम करते, दिन में रेत से सब ढक देते। क्रिकेट मैच के बहाने उपकरण ले जाए गए। कोड वर्ड था - 'बुद्धा मुस्कुराया'। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, डॉ. आर. चिदंबरम, डॉ. अनिल काकोडकर, डॉ. के. संथानम की टीम ने रेगिस्तान की 50 डिग्री गर्मी में ये कर दिखाया। 2.3 11 मई के 3 धमाके: शक्ति-I: 45 किलोटन का फ्यूजन बम - थर्मोन्यूक्लियर/हाइड्रोजन बम। शक्ति-II: 15 किलोटन का फिशन बम - प्लूटोनियम बेस्ड। शक्ति-III: 0.2 किलोटन का लो-यील्ड डिवाइस - टैक्टिकल यूज के लिए। 13 मई को शक्ति-IV और शक्ति-V भी फोड़े गए। इसके साथ भारत दुनिया का छठा न्यूक्लियर वेपन स्टेट बना। अटल जी ने कहा - "It is India's due, the right of one-sixth of humankind"

ट्रिपल कामयाबी

पोखरण के अलावा 11 मई 1998 को दो और बड़ी घटनाएं हुईं: **हंसा-3 की पहली उड़ान:** नेशनल एयरोस्पेस लैबोरेटरी ठअछ ने बेंगलुरु में भारत का पहला पूरी तरह स्वदेशी दो-सीटर ट्रेनर विमान उड़ाया। आज यही तकनीक तेजस फाइटर जेट तक पहुंची है। **त्रिशूल मिसाइल:** DRDO ने कम दूरी की सतह-से-हवा में मार करने वाली मिसाइल का सफल परीक्षण किया। ये सेना के एयर डिफेंस सिस्टम की नींव बनी। एक दिन, तीन मिशन, तीनों सफल। इसलिए 11 मई को 'टेक्नोलॉजी डे' कहना बिल्कुल सही है।

प्रतिबंधों से सुपरपावर तक - भारत का जवाब

परीक्षण के बाद अमेरिका, जापान, कनाडा ने भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए। वर्ल्ड बैंक का लोन रुक गया। कहा गया -'भारत को टेक्नोलॉजी नहीं देंगे'। अटल जी का जवाब था: 'हम पर प्रतिबंध लगाओगे तो हम और मजबूत होकर निकलेंगे'। और हुआ भी वही:सुपर कंप्यूटर: अमेरिका ने CRAY सुपरकंप्यूटर देने से मना किया। भारत ने 'परम-10000' बना दिया। आज 'AIRAWAT' AI सुपरकंप्यूटर टॉप-100 में है। क्रायोजेनिक इंजन: रूस पर दबाव डालकर GSLV का इंजन रुकवाया। ISRO ने 20 साल मेहनत कर खुद बना लिया। आज उसी से चंद्रयान लॉन्च होता है। GPS: युद्ध में अमेरिका GPS बंद कर सकता था। भारत ने 'नाविक' NavIC बना लिया -अपना देसी GPS।

2008 में जब भारत-अमेरिका सिविल न्यूक्लियर डील हुई तो सारे प्रतिबंध हट गए। आज वही देश भारत से रक्षा उपकरण, सॉफ्टवेयर, वैक्सीन खरीदते हैं। इसे कहते हैं - 'प्रेशर को पावर में बदलना'।

परीक्षण के बाद की चुनौतियां और भारत का जवाब

परमाणु परीक्षण के बाद अमेरिका, जापान समेत कई देशों ने भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए। कहा गया कि भारत को टेक्नोलॉजी देना बंद करेंगे। वर्ल्ड बैंक का लोन रुक गया। लेकिन अटल जी ने संसद में कहा - हम झुकेंगे नहीं। ये प्रतिबंध हमें और मजबूत बनाएंगे। हुआ भी वही। भारत ने अपने दम पर क्रायोजेनिक इंजन बनाया, सुपर कंप्यूटर परम बनाया, अपना GPS सिस्टम नाविक लॉन्च किया। 2008 में जब अमेरिका से न्यूक्लियर डील हुई तो सारे प्रतिबंध हट गए। आज वही देश भारत से तकनीक खरीदते हैं।

1998 से 2026 तक: भारत की टेक्नोलॉजी यात्रा

अंतरिक्ष में तिरंगा: 1998 में भारत सैटेलाइट के लिए दूसरों पर निर्भर था। आज ISRO एक बार में 104 सैटेलाइट लॉन्च का वर्ल्ड रिकॉर्ड रखता है। चंद्रयान-3 ने चांद के साउथ पोल पर तिरंगा गाड़ा। आदित्य-L1 सूरज पर नजर रख रहा है। गगनयान से भारतीय अंतरिक्ष में जाएंगे। 450 करोड़ के मंगलयान ने दुनिया को चौंकाया - हॉलीवुड फिल्म से भी सस्ता मिशन।

डिजिटल क्रांति: वढकने दुनिया बदल दी। आज दुनिया के 46% रियल-टाइम डिजिटल पेमेंट अकेले भारत में होते हैं। चायवाला भी दफ्कोड से पेमेंट लेता है। कोविन ऐप से 220 करोड़ वैक्सीन लगीं। डिजिलॉकर, आधार, डीबीटी - ये सब 11 मई की सोच का विस्तार हैं कि टेक्नोलॉजी आम आदमी के लिए हो।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता: 1998 में हम 70% हथियार बाहर से खरीदते थे। आज तेजस फाइटर, INS विक्रांत एयरक्राफ्ट कैरियर, ब्रह्मोस मिसाइल, अग्नि-5 - सब मेड इन इंडिया। 2025-26 में भारत ने 21,000 करोड़ का डिफेंस एक्सपोर्ट किया। कभी हथियार खरीदते थे, अब बेच रहे हैं।

फार्मा और बायोटेक: कोविड में भारत 'फामेर्सी ऑफ द वर्ल्ड' बना। Covaxin, Covishield बनाकर 100 देशों को दीं। 'वैक्सीन मैत्री' से दुनिया ने माना कि भारतीय विज्ञान सेवा के लिए है। आज बायोटेक स्टार्टअप कैंसर की दवा से लेकर सस्ती इंसुलिन बना रहे हैं।

AI और डीप टेक: भारत का अपना AI सुपरकंप्यूटर 'AIRAWAT' दुनिया के टॉप-100 में है। 2026 में नेशनल क्वांटम मिशन शुरू हुआ। 5G रोलआउट दुनिया में सबसे तेज। सेमीकंडक्टर फैब लग रही हैं। 1998 में हम कंप्यूटर इंपोर्ट करते थे, 2026 में चिप बना रहे हैं।

राष्ट्रीय पुरस्कार: विज्ञान भवन में 12 डीप-टेक स्टार्टअप और 5 MSME को सम्मान।

आगे की राह: चुनौतियां और अवसर

आज भी चुनौतियां हैं। भारत R&D पर GDP का सिर्फ 0.7% खर्च करता है, जबकि इजरायल 5% करता है। दुनिया के कुल पेटेंट में हमारी हिस्सेदारी 2% से कम है। ब्रेन ड्रेन बड़ी समस्या है।लेकिन समाधान भी है। नई शिक्षा नीति 2020 में रिसर्च पर जोर। 1 लाख करोड़ का रिसर्च फंड। अटल इन्नोवेशन मिशन से 10,000 टिंकरिंग लैब। स्टार्टअप इंडिया से 1.4 लाख स्टार्टअप। 2047 तक विकसित भारत बनना है तो हर लैब, हर क्लासरूम में 11 मई की भावना चाहिए।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस क्यों मनाते हैं

हर साल इस दिन राष्ट्रपति विज्ञान भवन में वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, इनोवेटर्स को 'राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी पुरस्कार' देते हैं। DRDO, ISRO, CSIR, IIT के लोगों को पहचान मिलती है। युवाओं में वैज्ञानिक सोच: स्कूल-कॉलेजों में विज्ञान मेले, रोबोटिक्स कंपटीशन, हैकाथॉन होते हैं। अटल टिंकरिंग लैब के बच्चे अपने प्रोजेक्ट दिखाते हैं। मकसद है - बच्चे नौकरी मांगने वाले नहीं, नौकरी देने वाले बनें। आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा: 'मेक इन इंडिया', 'स्टार्टअप इंडिया' की भावना इसी दिन से जुड़ी है। डिफेंस, स्पेस, फार्मा - हर जगह 'अपना बनाओ' का नारा।नई थीम, नया फोकस: हर साल एक थीम होती है। 2026 की थीम है - 'सतत विकास के लिए क्वांटम लीडरशिप'। यानी क्वांटम कंप्यूटिंग, AI, ग्रीन हाइड्रोजन पर फोकस।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के उद्देश्य

वैज्ञानिकों को सलाम: हर 11 मई को राष्ट्रपति विज्ञान भवन में 'राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी पुरस्कार' देते हैं। DRDO, ISRO, CSIR, ICAR, IIT, स्टार्टअप - सबको पहचान। 2026 में 12 डीप-टेक स्टार्टअप को अवॉर्ड मिल रहा है। **युवाओं में जोश भरना:** स्कूलों में अटल टिंकरिंग लैब, रोबोटिक्स कंपटीशन, हैकाथॉन। मैसेज साफ है - 'जॉब सीकर नहीं, जॉब क्रिएटर बनो'। 11 मई को लाखों बच्चे 'क्या बनाऊं' सोचते हैं। **आत्मनिर्भर भारत की ब्रांडिंग:** मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया - सबकी आत्मा 11 मई की भावना है। डिफेंस में 75% सामान अब भारत में बन रहा है। 2026 में 21,000 करोड़ का डिफेंस एक्सपोर्ट।

पंचकूला नगर निगम चुनाव में 52 प्रतिशत मतदान

ग्रामीण क्षेत्रों , कालोनियो के वोटरो में दिखा भारी उत्साह, गांवो के कई बूथों पर 80 प्रतिशत से अधिक वोटिंग

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

पंचकूला नगर निगम चुनाव शनिवार को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। जिले के कुल 2 लाख 7 हजार 444 मतदाताओं में से 1 लाख 7 हजार 949 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस प्रकार जिले में कुल 52 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतदान सुबह से ही शुरू हो गया था और दिनभर विभिन्न मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की आवाजाही बनी रही। हालांकि दोपहर की भीषण गर्मी के कारण कई शहरी क्षेत्रों में मतदान की गति धीमी पड़ गई, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों ने उत्साह के साथ मतदान किया। नगर निगम के 20 वार्डों में हुए चुनाव में ग्रामीण और बाहरी इलाकों के बूथों पर सबसे अधिक मतदान देखने को मिला। गांव टोका स्थित गवर्नमेंट गर्ल्स प्राइमरी स्कूल, टोका बूथ पर जिले का सर्वाधिक 87.56 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। इसके अलावा गांव अलीपुर में 85.56 प्रतिशत, बिल्ला में 84.88 प्रतिशत तथा जसवंतगढ़ में 81.07 प्रतिशत मतदान हुआ। खटौली, कोट, खंगेसरा, चांदीकोटला और दर्रा खुरानी जैसे क्षेत्रों में भी 70 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया।

वहीं दूसरी ओर शहर के कई सेक्टरों में मतदान प्रतिशत अपेक्षाकृत कम रहा। सेक्टर-14 स्थित लिटिल फ्लावर कॉन्वेंट स्कूल के एक बूथ पर केवल 17.56 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो जिले में सबसे कम रहा। सेक्टर-20 और सेक्टर-26 के कई बूथों पर भी मतदान 25 से 35 प्रतिशत के बीच सीमित रहा। सेक्टर-7, सेक्टर-8, सेक्टर-9 और सेक्टर-10 के कई मतदान केंद्रों पर भी मतदान अपेक्षा से कम देखने को मिला।

वार्ड नंबर-7, 8, 16, 19 और 20 में मतदाताओं का उत्साह सबसे अधिक दिखाई दिया। सेक्टर-16 और सेक्टर-17 के कई बूथों पर 60 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया। वहीं अभयपुर, बुढऩपुर, रामगढ़, हरिपुर और रायली जैसे क्षेत्रों में भी लोगों ने बढ़-चढकर मतदान में हिस्सा लिया। मतदान शुरू होते ही कई केंद्रों पर लंबी कतारें लग गईं। बुजुर्गों, महिलाओं और युवाओं ने उत्साह के साथ मतदान किया। पहली बार वोट डालने पहुंचे युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। कई मतदान केंद्रों पर वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग मतदाताओं की सहायता के लिए विशेष व्यवस्था भी की गई थी।

मेयर समेत पार्षदो का भविष्य ईवीएम में कैद, 13 को होगी मतगणना

पंचकूला । पंचकूला में रविवार को मतदान के बाद मेयर पद के छह और नगर निगम पंचकूला के 20 वार्डो में पार्षद पद पर चुनाव लड़ रहे 84 उम्मीदवारों का भविष्य ईवीएम में कैद हो गया। मतगणना 13 मई को होगी। जानकारी के मुताबिक रविवार को हुए मतदान के बाद मेयर पद पर मुख्य मुकाबला कांग्रेस और भाजपा में ही दिख रहा है। जबकि पार्षद के 20 वार्डो में हुए चुनाव में कई जगह आजाद प्रत्याशी भी चुनाव में अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रहे है। इस बार मेयर पद के लिए भाजपा के श्याम लाल बंसल , कांग्रेस की सुधा भारद्वाज, इनेलो के मनोज अग्रवाल के अलावा आप और दो आजाद उम्मीदवार भी चुनाव मैदान में डटे थे। उधर नगर निगम पंचकूला चुनाव के लिए मतदान संपन्न होने के बाद भारतीय जनता पार्टी के मेयर पद प्रत्याशी श्याम लाल बंसल ने भाजपा की एकतरफा जीत का दावा किया है। गांवों, शहर, झुग्गी-झोपड़ी बस्तियों और आशियाना कॉलोनियों के विभिन्न मतदान केंद्रों का दौरा करने के बाद श्याम लाल बंसल ने कहा कि मतदान के रुझानों से स्पष्ट हो गया है कि पंचकूला की जनता ने सभी विपक्षी दलों के प्रत्याशियों को नकार दिया है।

देर हुई तो जा सकती है आंख और जान, पीजीआई की वॉकाथॉन में दिया गया बड़ा संदेश

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

बच्चों की आंखों में दिखाई देने वाली हल्की सफेद चमक को अक्सर लोग सामान्य समस्या मानकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यही चमक एक जानलेवा बीमारी का संकेत भी हो सकती है। इसी गंभीर संदेश को लोगों तक पहुंचाने के लिए पीजीआई के एडवांस्ड आई सेंटर (एईसी) की ओर से रविवार को रॉक गार्डन में रेटिनोब्लास्टोमा अवेयरनेस वॉकाथॉन आयोजित की गई। विश्व रेटिनोब्लास्टोमा जागरूकता सप्ताह (10 से 17 मई) के तहत आयोजित इस अभियान में डॉक्टरों ने साफ कहा कि बच्चों में होने वाला यह आई कैंसर यदि शुरूआती स्टेज में पकड़ में आ जाए तो न केवल बच्चे की जान बल्कि उसकी आंख और रोशनी भी बचाई जा सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार रेटिनोब्लास्टोमा बचपन में होने वाला सबसे आम आई कैंसर है, जो अधिकतर एक से पांच वर्ष तक के बच्चों में पाया जाता है। इसका सबसे बड़ा संकेत आंख में व्हाइट रिफ्लेक्स यानी सफेद चमक दिखाई देना है, जिसे आम भाषा में कैट्स आई रिफ्लेक्स भी कहा जाता है। पीजीआई के डॉक्टरों ने बताया कि कई माता-पिता इस संकेत को समझ नहीं पाते और झोलाछाप डॉक्टरों या घरेलू इलाज में समय गंवा देते हैं। यही देरी बाद में बच्चे की आंख निकालने या जान जाने तक की स्थिति पैदा कर देती है। पीजीआई के नेत्र रोग विभाग में हर साल 70 से 80 नए रेटिनोब्लास्टोमा मरीज पहुंचते हैं। डॉक्टरों के मुताबिक भारत में इस बीमारी का बोझ दुनिया के कई देशों से ज्यादा है। चिंता की बात यह है कि ग्रामीण और कम जागरूक इलाकों में आज भी लोग इस बीमारी के शुरूआती लक्षणों को पहचान नहीं पाते। यही कारण है कि पीजीआई लगातार जागरूकता अभियानों पर जोर दे रहा है। वॉकाथॉन में 250 से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया, जिनमें रेटिनोब्लास्टोमा से जंग जीत चुके बच्चे और उनके अभिभावक भी शामिल रहे। कई परिवार दूर-दराज राज्यों से केवल इस अभियान का हिस्सा बनने पहुंचे, ताकि दूसरे माता-पिता समय रहते सतर्क हो सकें। कार्यक्रम में पीजीआई निदेशक प्रो. विवेक लाल, विभागाध्यक्ष प्रो. एस.एस. पांडव, प्रो. उषा सिंह, डॉ. मनु सैनी और प्रो. दीपक बंसल समेत कई विशेषज्ञ मौजूद रहे। कार्यक्रम का सबसे भावुक और प्रभावशाली हिस्सा सुखना लेक पर आयोजित नुक्कड़ नाटक रहा। थिएटर कलाकार राजीव मेहता और उनकी टीम ने अभिनय के जरिए दिखाया कि कैसे माता-पिता आंख में सफेद चमक को नजरअंदाज कर गलत इलाज में समय गंवा देते हैं।

पशुधन सुरक्षा कवच: आज से घर-घर जाकर होगा मुफ्त टीकाकरण, 78 हजार का लक्ष्य: डा. रणजीत जादौन

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

डा0 रणजीत सिंह जादौन, उपनिदेशक, पशुपालन एवं डेयरिंग विभाग, पंचकूला ने बताया कि पशुपालन को बढ़ावा देने और पशुधन को जानलेवा बिमारियों से सुरक्षित रखने के लिये हरियाणा पशुपालन विभाग ने व्यापक स्तर पर तैयारी कर ली है। इसी कडी में 11 मई, 2026 से 11 जून, 2026 तक जिला पंचकूला क्षेत्र में एक विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जायेगा। उन्होंने बताया की इस एक महीने के दौरान विभाग की टीमें घर-घर जाकर गाय, भैंस और बैल समेत सभी पशुओं को मुंह-खुर और गलघोंटू के टीके निशुल्क लगायेगी। उन्होनें बताया कि इस अभियान के तहत पूरे क्षेत्र में लगभग 78 हजार पशुओं के टीकाकरण का लक्ष्य रखा गया। डा0 रणजीत सिंह जादौन ने पशुपालकों को सचेत करते हुये कहा कि पशुधन उनकी सबसी बडी पूंजी है। मुंह-खुर और गलघोंटू जैसी बिमारियां इतनी घातक है कि ये मात्र 24 से 48 घंटे में स्वस्थ पशु की जान ले लेती है। यदि एक बार संक्रमण फैल जाये तो पूरा गांव इसकी चपेट में आ जाता है। इससे बचाव का एकमात्र प्रभावी उपाय समय पर टीकाकरण ही है। भारत सरकार के राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत साल मे दो बार (मार्च-अप्रैल और सितम्बर-अक्टूबर) यह टीके लगाये जाते है, लेकिन इस बार मई-जून मे विशेष ड्राइव चलाकर छूटे हुये पशुओ को कवर किया जायेगा। उपनिदेशक, पंचकूला द्वारा अनुरोध किया गया कि सभी पशुपालक अपने-अपने पशुओं को टीकाकरण जरूर करवाये और टीकाकरण करने वाली टीमों को सहयोग करे।

बक्सर के लाल को पत्रकारिता में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए दिल्ली में मिला सम्मान

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

ठी७३ॠल्ल रउट उङ्मल्लल्ली३ द्वारा दिल्ली में आयोजित ठएळॠएठ रउटरवटटक्ळ 2026 में भारत एक्सप्रेस के पंजाब, हरियाणा एवं हिमाचल प्रदेश के स्टेट हेड ओम प्रकाश राय को पत्रकारिता एवं मीडिया क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए मीडिया एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

बिहार के बक्सर जिले के एक छोटे से शहर से निकलकर, ओम प्रकाश राय ने अपने पत्रकारिता करियर की शुरूआत की और जल्दी ही उत्तर भारत के एक प्रमुख पत्रकार बन गए। उन्होंने चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में अपने रिपोर्टिंग कौशल का लोहा मनवाया। ओम प्रकाश राय ने लगभग पच्चीस वर्षों तक कई प्रतिष्ठित मीडिया संस्थानों में काम किया।

ओम प्रकाश राय पिछले लगभग पच्चीस वर्षों से पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय हैं और अपनी निष्पक्ष, निर्भीक तथा जनहित से जुड़ी रिपोर्टिंग के लिए विशेष पहचान रखते हैं। अपने लंबे पत्रकारिता सफर में उन्होंने देश के कई प्रतिष्ठित समाचार चैनलों एवं मीडिया संस्थानों के साथ कार्य किया है। इनमें आज तक, स्टार न्यूज, सहारा समय, चैनल वन, ईटीवी हरियाणा-हिमाचल, जी न्यूज, सुदर्शन न्यूज, सूर्या समाचार, नवतेज टीवी तथा भारत 24 जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। वर्तमान में ओम प्रकाश राय पिछले चार वर्षों से भारत एक्सप्रेस के साथ जुड़े हुए हैं और पंजाब, हरियाणा एवं हिमाचल प्रदेश में स्टेट हेड के रूप में अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं।

ओम प्रकाश राय की पहचान तीनों राज्यों में एक धाकड़, सक्रिय और निष्पक्ष पत्रकार के रूप में होती है। उन्होंने हमेशा पत्रकारिता के मूल्यों को प्राथमिकता देते हुए ज जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया है। राजनीतिक, सामाजिक, प्रशासनिक और आम जनता से जुड़े विषयों पर उनकी रिपोर्टिंग को व्यापक सराहना मिलती रही है। उनकी खबरों में तथ्यों की गंभीरता, निष्पक्षता और समाज के प्रति जिम्मेदारी साफ दिखाई देती है, जिसके कारण उन्होंने मीडिया जगत में अपनी अलग पहचान बनाई है।

संक्षिप्त-समाचार

चंडीगढ़ रूपक कला एवं वेलफेयर सोसायटी द्वारा थिएटर वर्कशॉप का आयोजन आज

चंडीगढ़। चंडीगढ़ रूपक कला एवं वेलफेयर सोसायटी द्वारा युवाओं और कला प्रेमियों के लिए थिएटर वर्कशॉप का आयोजन किया जा रहा है। सोसायटी के संचालकों संगीता गुप्ता और लवलीन कौर ने बताया कि यह कार्यशाला 11 मई से टैगोर थिएटर में प्रतिदिन सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक आयोजित होगी। सोसायटी के अनुसार इस थिएटर वर्कशॉप में प्रतिभागियों को रंगमंच की विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यशाला के दौरान शरीर की भाषा, भाषण कला, चरित्र निर्माण और रंगमंच संगीत जैसे विषयों पर विशेष अभ्यास कराया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि कार्यशाला में भाग लेने के लिए किसी आयु सीमा का निर्धारण नहीं किया गया है, जिससे हर आयु वर्ग के कला प्रेमी इसमें हिस्सा ले सकेंगे। हालांकि सीटें सीमित होने के कारण इच्छुक प्रतिभागियों से जल्द पंजीकरण कराने की अपील की गई है। सोसायटी ने कहा कि इस वर्कशॉप का उद्देश्य लोगों को रंगमंच की कला से जोड़ना और उनमें आत्मविश्वास एवं अभिव्यक्ति क्षमता को विकसित करना है।

चंडीगढ़ तमिल संगम द्वारा 56वाँ चित्रई तिरुविझा समारोह धूमधाम से संपन्न

चंडीगढ़। चंडीगढ़ तमिल संगम (साउथ इंडियन सोशल कल्चरल ऑर्गेनाइजेशन) द्वारा आयोजित 56वाँ वर्षगांठ समारोह चित्रई तिरुविझा 2026 आज भारती भवन, सेक्टर 30-बी में बड़े उत्साह एवं पारंपरिक गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में तमिल समुदाय के सदस्यों, सांस्कृतिक प्रेमियों एवं गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्थानीय सांसद मनीष तिवारी रहे। समारोह में वरिष्ठ अधिकारी अरविंद आईएएस सहित विभिन्न संस्थाओं के गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नॉर्थ जोन कल्चरल सेंटर (एनजेडसीसी), पटियाला की सांस्कृतिक टीम तथा प्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्य संस्था लास्य क्षेत्रम द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिन्होंने समारोह की शोभा को और बढ़ाया। समारोह में भरतनाट्यम, लोक नृत्य, भक्ति संगीत तथा बच्चों एवं महिलाओं द्वारा प्रस्तुत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने तमिलनाडु की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को दशार्या। दर्शकों ने कार्यक्रमों एवं उत्कृष्ट आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा की। आयोजकों ने सभी अतिथियों, कलाकारों, स्वयंसेवकों, प्रायोजकों, सहयोगियों एवं उपस्थित जनसमूह का हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह समारोह भव्य एवं यादगार बना।

अहिंसा चैरिटेबल सेवा समिति द्वारा श्री दिगंबर जैन मंदिर में श्री णमोकार महामंत्र पाठ एवं श्री भक्तामर दीपार्चना आयोजित

चंडीगढ़। अहिंसा चैरिटेबल सेवा समिति, चण्डीगढ़ के तत्वावधान में आज श्री दिगंबर जैन मंदिर, सेक्टर 27-बी में श्री णमोकार महामंत्र पाठ एवं श्री भक्तामर दीपार्चना का भव्य एवं श्रद्धामयी आयोजन अत्यंत धार्मिक वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में धर्म प्रेमी श्रद्धालुओं ने सपरिवार सहभागिता कर धर्म लाभ प्राप्त किया। यह आयोजन श्रीमती सरोज जैन, रजनीश जैन, नितिन जैन, अजय जैन (बॉबी), सचिन जैन, पूनम जैन, मिताली जैन, प्रीति जैन व सोनल जैन के सौजन्य से आयोजित किया गया। श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से श्री णमोकार महामंत्र का जाप एवं श्री भक्तामर दीपार्चना कर आध्यात्मिक ऊर्जा एवं आत्मिक शांति का अनुभव किया। कार्यक्रम में समाज के अनेक गणमान्य सदस्यों ने सहभागिता की, जिनमें समाज रत्न नवरत्न जैन, सुरेन्द्र जैन, श्यामलाल जैन, अनिल जैन, शंत जैन, यशपाल अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। महिलाओं में संजना जैन, डॉ. रुचि जैन, सुषमा जैन एवं अंजू जैन सहित अनेक श्रद्धालु बहनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। समिति के वरिष्ठ मार्गदर्शक राजेन्द्र प्रसाद (डीएमसी) ने बताया कि ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन समाज में एकता, संस्कार एवं सेवा भावना को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम उपरांत रजनीश जैन सपरिवार ने सभी का पाठ में भाग लेने के लिए धन्यवाद किया और सभी ने उनके भावों की बहुत बहुत अनुमोदना की।

बीपी अरोड़ा फिर से हिंदू पर्व महासभा के अध्यक्ष नियुक्त

चंडीगढ़। हिंदू पर्व महासभा, चण्डीगढ़ की आम बैठक आज श्री प्राचीन शिव मंदिर, सेक्टर 21 में हुई, जिसकी अध्यक्षता बीपी अरोड़ा ने की। बैठक में चंडीगढ़ के सभी मंदिरों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। सर्वप्रथम कमलेश चंद्र सूरी महासचिव द्वारा संस्था की द्विवार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई जिसमें पिछले 2 वर्षों के दौरान संस्था की गतिविधियों की पूर्ण जानकारी सभा के सदस्यों के सम्मुख रखी गई। इसमें मुख्य रूप से हिंदू समाज, सनातन धर्म को संगठित करना, दोनों वर्षों में हिंदू समाज के विभिन्न पर्वों को एक ही तिथि पर मनाने का कैलेंडर जारी करना, विभिन्न शोभा यात्राओं श्री महाशिवरात्रि, श्री रामनवमी एवं श्री कृष्ण जन्माष्टमी को अधिक से अधिक आकर्षक एवं नवम रूप प्रदान करना, गीता जयंती, मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के अयोध्या में स्वरूप स्थापना दिवस एवं हिंदू नव वर्ष को बड़ी धूमधाम से मनाना इत्यादि की जानकारी शामिल रहे ।

सारे रिश्ते बदल भी जाएं, पर जीवन भर एक जैसी रहती है मां

चंडीगढ़। संवाद साहित्य मंच की ओर से मदर्स डे के अवसर पर सेक्टर-40 में विशेष काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता प्रसिद्ध समाजसेवी केके शारदा ने की, जबकि कवयित्री विमला गुगलानी ने कवियों-कवयित्रियों का परिचय देते हुए कार्यक्रम का सफल संचालन किया। कविवर प्रेम विज ने मां पर कविता पढ़ते हुए कहा- हर रिश्ते/ बदल भी जाएं/ पर जीवन भर/ एक जैसी/ रहती है/ मां। साहित्यकार डॉक्टर विनोद कुमार शर्मा ने अपनी रचना मां का कर्ज. प्रस्तुत करते हुए कहा कि वह बालपन आंखों के सामने घूमता,मां के इर्द-गिर्द अठखेलियां करता झूमता, डांटती जब माँ हो जाता नाराज। विमला गुगलानी ने अपनी रचना प्रस्तुत करते हुए कहा- सबका ध्यान रखकर प्रभु निहाल हो गया, पर माँ को बनाकर तो वह खुद बेरोजगार हो गया।

मन की निर्मलता केवल वर्तमान सत्गुरू की शरण में

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ

मनुष्य संसार की माया में उलझकर अपने वास्तविक स्वरूप को भूल चुका है, परंतु जो सज्जन सतगुरु की शरण में आ कर उनके आदेशानुसार अपनी जीवनयात्रा तय करते हैं वे भीतर से निर्मल होने लग जाते हैं, जिस प्रकार मंदिर में चढ़ाई गई मिठाई ह्यप्रसादह्ण बन जाती है, उसी प्रकार सतगुरु की शरण में आने वाला व्यक्ति भी परिवर्तित होकर दिव्यता से भर जाता है अर्थात सन्तों का संग करके इन्सान स्वयं को बदलने और उज्ज्वल बनने की प्रेरणा प्राप्त करते है और निर्मल हो जाते हैं, ये उद्गार आज चंडीगढ़ के सैक्टर 30 में स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में आयोजित विशाल सत्संग में हजारों श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए लुधियाना से आए संयोजक श्री अमित कुंद्रा जी ने व्यक्त किए। इस दौरान श्री कुंद्रा ने यह भी कहा कि मनुष्य का जीवन अनेक प्रकार के कांटों से भरा हुआ है। कभी अहंकार का कांटा, कभी मोह का, कभी क्रोध का, तो कभी लोभ, कभी पाप का। ये कांटे केवल शरीर को ही नहीं बल्कि आत्मा को भी पीड़ा देते हैं। धार्मिक ग्रन्थ हमें यह शिक्षा देते है कि इन कांटों को निकालने के लिए भी कभी-कभी दूसरे कांटे की आवश्यकता पड़ती है। संतों ने इस सत्य को बड़े सरल ढंग से समझाया है कि जैसे किसी व्यक्ति के पैर में कांटा चुभ जाए तो वह दूसरा कांटा लेकर पहले कांटे को निकालता है और कार्य पूर्ण होने के बाद दोनों कांटों को त्याग देता है। ठीक इसी प्रकार सत्संग, सेवा, सिमरन, और सत्गुरू के उपदेश मनुष्य को संसार के दुखों और विकारों से बाहर निकालने के साधन हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार मंदिर में चढ़ाई गई मिठाई ह्यप्रसादह्ण बन जाती है, उसी प्रकार सतगुरु की शरण में आने वाला व्यक्ति भी परिवर्तित होकर दिव्यता से भर जाता है। श्री अमित कुंद्रा ने बाबा हरदेव सिंह जी महाराज के प्रेममय जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने केवल उपदेश देने के लिए नहीं बल्कि स्वयं उदाहरण बनकर जीवन जीने का मार्ग दिखाया। इसलिए हमें भी केवल सिमरन करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि उनके गुणों को अपने जीवन में उतारने का प्रयास करना है । श्री कुन्द्रा ने सत्गुरू माता सुदीक्षा जी द्वारा जी रही शिक्षाओं को दोहराते हुए कहा कि प्रेम, समर्पण और नम्रता को आध्यात्मिक जीवन का आधार बनायें । जीवन में पद, प्रतिष्ठा और सांसारिक उपलब्धियां स्थायी नहीं हैं। सत्ता, दौलत और शोहरत सब क्षणभंगुर हैं तथा समय समय पर परिस्थितियां बदलती रहती हैं, इसलिए मनुष्य को इन अस्थायी चीजों के पीछे भागने की बजाय उस सत्य से जुड़ना चाहिए जो सदा रहने वाला है। अपने विचारों के दौरान उन्होंने अनेक प्रेरणादायक उदाहरणों और प्रसंगों के माध्यम से यह समझाया जब आत्मा को परम सत्य की जानकारी हो जाती है और भक्त अपने अहंकार को त्यागकर स्वयं को खाली करता है, तब परमात्मा उसके भीतर गूंजने लगता है। श्री अमित कुंद्रा जी ने कहा कि निरंकार का ज्ञान प्राप्त करना केवल सुनने या बोलने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे जीवन में धारण करना आवश्यक है।

जिला की मंडियों में सुचारू रूप से चल रहा है गेंहू की खरीद और उठान का कार्य

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

अब तक 36165 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद तथा 34629 मीट्रिक टन गेंहू का हुआ उठान

जिला में रबी सीजन 2026-27 के दौरान गेंहू की खरीद एवं उठान का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। सरकारी खरीद एजेंसियों द्वारा जिला की मंडियों में से अब तक 36165 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई और 34629 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक कार्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि सरकारी खरीद एजेंसियों हैफेड और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोरेशन द्वारा रायपुररानी, बरवाला और पंचकूला स्थित अनाज मंडियों में गेहूं की खरीद की जा रही है। उन्होंने बताया कि रायपुररानी अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 4744 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कोरपोरेशन द्वारा 13083 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई। इसी प्रकार बरवाला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 7850 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोशन द्वारा 8638 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई। इसके अलावा पंचकूला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 1850 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई। उन्होने बताया कि मंडियों में खरीद के साथ साथ उठान का कार्य भी सुचारू रूप से चल रहा है। रायपुररानी अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 4571 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कोरपोरेशन द्वारा 12014 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया। इसी प्रकार बरवाला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 7850 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोशन द्वारा 8638 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया। पंचकूला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 1556 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया।

20 साल के करण के अंगों ने पीजीआई में लिवर और साथ ही पैंक्रियास-किडनी ट्रांसप्लांट के जरिए कई लोगों की ज़िंदगी बदल दी

अंबाला के एक शोकाकुल परिवार ने निजी त्रासदी को पीजीआई में दो गंभीर मरीजों के लिए उम्मीद में बदला

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

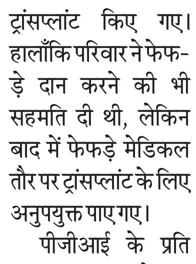

करण सपनों से भरा था और उसकी पूरी ज़िंदगी उसके सामने थी। उसे खोने से हमारी ज़िंदगी में एक ऐसा खालीपन आ गया है जिसे कभी पूरी तरह भरा नहीं जा सकता। फिर भी, यह जानकर कि उसका एक हिस्सा दूसरों की मदद करके ज़िंदा रहेगा, इस अकल्पनीय नुकसान के बीच हमें कुछ तसल्ली मिलती है। यह हमारा यह पक्का करने का तरीका था कि अपनी मौत के बाद भी, करण लोगों की ज़िंदगी में बदलाव लाता रहे, अंबाला के 20 साल के करण के बड़े भाई, श्री सुनील कुमार ने बताया।

साहस और करुणा के एक असाधारण काम में, करण के परिवार ने अपने गहरे निजी दुख के बावजूद अंग दान करने का फैसला किया, जिससे पीजीआई में ट्रांसप्लांट का इंतजार कर रहे दो गंभीर रूप से बीमार मरीजों को नई उम्मीद मिली। पीजीआई के डायरेक्टर, प्रो. विवेक लाल ने युवा डोनर और उसके परिवार को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, करण की विरासत इस नेक फैसले से प्रभावित लोगों की ज़िंदगी के जरिए ज़िंदा रहेगी। गहरे दुख के इस पल में, परिवार ने अंग दान के लिए सहमति देकर असाधारण साहस दिखाया। उनका फैसला न केवल अंग पाने वालों के लिए ज़िंदगी बदलने वाला है, बल्कि समाज के लिए भी एक प्रेरणा है कि वे इंसानियत की सेवा के इस सबसे ऊंचे रूप को अपनाएं।

करण, जो 12वीं क्लास का छात्र था और अंबाला शहर के राम दास नगर का रहने वाला था, 28 अप्रैल 2026 को सड़क पार करते समय एक दुखद सड़क हादसे का शिकार हो गया, जब उसे एक कार ने टक्कर मार दी। उसे शुरू में अंबाला के सिविल अस्पताल ले जाया गया, बाद में चंडीगढ़ के सेक्टर 32 में स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में रेफर कर दिया गया, और उसके बाद बेहतर इलाज के लिए पीजीआई में भर्ती कराया गया। कई मेडिकल टीमों की अथक कोशिशों के बावजूद, वह अपनी गंभीर चोटों से उबर नहीं पाया और 07 मई 2026 को 'ब्रेन स्टेम डेथ कमेटी' द्वारा जरूरी सर्टिफिकेशन प्रक्रिया पूरी होने के बाद उसे 'ब्रेन स्टेम डेड' घोषित कर दिया गया। इस बेहद मुश्किल समय के दौरान, करण के पिता, श्री मोहन लाल ने अपने बड़े भाई, श्री सुनील कुमार के साथ मिलकर अंग दान करने की सहमति दी, जिससे यह पक्का हो गया कि करण की याद ज़िंदगी के इस तोहफे के जरिए हमेशा ज़िंदा रहेगी। करण का लिवर, पैंक्रियास और दोनों किडनी पीजीआई में सफलतापूर्वक निकाले गए और ट्रांसप्लांट किए गए। हालाँकि परिवार ने फेफड़े दान करने की भी सहमति दी थी, लेकिन बाद में फेफड़े मेडिकल तौर पर ट्रांसप्लांट के लिए अनुपयुक्त पाए गए।

पीजीआई के प्रति आभार व्यक्त करते हुए, करण के शोकाकुल पिता, श्री मोहन लाल ने कहा, हमारे जीवन के सबसे मुश्किल समय में, पीजीआई के डॉक्टरों और कर्मचारियों ने बहुत संवेदनशीलता, गरिमा और करुणा के साथ हमारा साथ दिया। उन्होंने हर बात बहुत धैर्य से समझाई और हमारे परिवार के साथ बहुत सम्मान से पेश आए। हम आभारी हैं कि करण की अंतिम यात्रा को इतनी देखभाल और इंसानियत के साथ पूरा किया गया। करण का लिवर एक 22 साल के पुरुष में ट्रांसप्लांट किया गया, जो लिवर की अंतिम चरण की बीमारी से पीड़ित था। उसका पैंक्रियास और किडनी एक साथ एक 35 साल की महिला में ट्रांसप्लांट किए गए, जो गंभीर ऑर्गन फेलियर और उससे जुड़ी जटिलताओं से जूझ रही थी। ये दोनों प्रक्रियाएँ पीजीआई की विशेष मल्टीडिसिप्लिनरी टीमों द्वारा सफलतापूर्वक पूरी की गईं, जो मृत व्यक्ति के अंग दान के दूरगामी प्रभाव को दशार्ती हैं। पीजीआई के जनरल सर्जरी विभाग के प्रमुख प्रो. एल. कामन ने कहा, लिवर ट्रांसप्लांट लिवर की अंतिम चरण की बीमारी वाले कई मरीजों के लिए एकमात्र निश्चित इलाज बना हुआ है। इस मामले में, डोनर का लिवर सफलतापूर्वक एक युवा मरीज में ट्रांसप्लांट किया गया, जिससे उसे ठीक होने का एक अहम मौका मिला। डोनर परिवार द्वारा दिखाई गई उदारता ने एक निजी दुख को दूसरे परिवार के लिए उम्मीद में बदल दिया है।

सफल एक साथ पैंक्रियास-किडनी (रढङ) ट्रांसप्लांट के बारे में विस्तार से बताते हुए, पीजीआई के रीनल ट्रांसप्लांट सर्जरी विभाग के प्रमुख प्रो. आशीष शर्मा ने कहा, यह ताजा ट्रांसप्लांट पीजीआई में 72वाँ सफल एक साथ पैंक्रियास-किडनी ट्रांसप्लांट है, जो अत्यधिक जटिल ट्रांसप्लांट प्रक्रियाओं को संभालने में संस्थान की बढ़ती विशेषज्ञता को दशार्ता है। डोनर का पैंक्रियास और किडनी एक 35 साल की महिला में ट्रांसप्लांट किए गए, जो गंभीर ऑर्गन फेलियर से जूझ रही थी; इससे उसे बेहतर स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता का एक नया मौका मिला। ऐसे परिणाम डोनर परिवारों की उदारता और मल्टीडिसिप्लिनरी ट्रांसप्लांट टीमों के समर्पण से ही संभव हो पाते हैं। परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए, फ्ढळ्ळड ठङ्म१३ँ के नोडल अधिकारी डॉ. विजय टाडिया ने कहा, करण के परिवार द्वारा लिया गया यह निर्णय उनकी असाधारण भावनात्मक शक्ति और सामाजिक ज़िम्मेदारी को दशार्ता है।